जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, मंगलवार 8 सितम्बर, 2026

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

नगर निकाय चुनाव में

कमल खिलाना है

विकास को आगे बढ़ाना है

प्रिय प्रदेशवासियों,

हमारी डबल इंजन की सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का हर शहर आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुरक्षित, सुगम और नागरिक-केंद्रित बने। इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार ने पिछले 32 महीनों में नगरीय विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य किया है।

आपसे अपील है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

इसलिए, घर से निकलें, बूथ तक जाएं और भाजपा के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

- मदन राठौड़ **- भजनलाल शर्मा**

निकाय चुनाव हेतु भाजपा का

संकल्प पत्र पढ़ने के लिए

QR कोड स्कैन करें

भाजपा के काम पर मोहर लगाएं
दिनांक 9 / 11 सितंबर को वोट देने जरूर जाएं

कमल का बटन दबाएं
भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।–हरिभाऊ उपाध्याय

देश का माहौल बदल रहा है

गत चार माह से देश के सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। 10–12 सालों से लगने लगा था कि देश अधिनायकवाद और तानाशाही की ओर धीरे–धीरे अग्रसर हो रहा है । लोग, सरकार की नीतियों के विरुद्ध बोलने में डरने लगे थे । जो कोई भी साहस करके सरकार के विरुद्ध कुछ भी बोलता, चाहे वह स्टैंड अप कॉमेडियन हो, शिक्षा विद हो, साहित्यकार हो या कलाकार ही क्यों न हो, उसकी आवाज को दबाने के लिए सरकार अपनी एजेंसियों को उनके पीछे छोड़ते हुई देखी गई। आई टी, ई डी और सी बी आई इस कार्य में सबसे अग्रणी रहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी छवि बन गई कि देश में स्वतंत्र मत को व्यक्त करना कठिन होता जा रहा था। यह सब लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं थे ।

जब सब कुछ निराशाजनक दिखाई दे रहा था, तभी एक छोटी सी घटना ने वातावरण को बदलने की दिशा में पहला कदम उठाया। एक केस की सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 15 मई, 2026 को युवाओं को कॉकरोच की संज्ञा दे दी। इसी को आधार बनाकर अमेरिका में बैठे अभिजीत दीपके ने 16 मई, 2026 को "कॉकरोच जनता पार्टी" का गठन कर लिया। इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सप्ताह में ही दो करोड़ से अधिक फॉलोअर्स बन गए। प्रारंभ में इसे केवल सोशल मीडिया का बुलबुला माना जा रहा था। जब NEET परीक्षा के पेपर लीक होने के प्रकरण ने जोर पकड़ा तो अभिजीत दीपके, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए 6 जून 2026 को भारत आया और दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रेस को संबोधित किया। कुछ समय देने के बाद भी जब सरकार ने प्रधान का इस्तीफा नहीं लिया तो कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून से जंतर मंतर पर प्रदर्शन आरम्भ कर दिया। इनमें अधिकांश GenZ अर्थात 14 से 29 वर्ष के युवा थे। इनके समर्थन में प्रख्यात शिक्षा विद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठ गये। यहां प्रतिदिन सैकड़ों, हजारों की संख्या में लोग देश के कई भागों से पहुंचने लगे। इसे कई संगठनों और राजनैतिक दलों का समर्थन प्राप्त होने लगा।

छात्रों ने सृजनात्मकता का परिचय देते हुए कई नुक्कड़ नाटक किए, गीत बनाए, मीम बनाए जिनमें मंत्रियों, यहां तक कि प्रधानमंत्री पर भी व्यंग्य किए गए। ये सोशल मीडिया पर खूब चले, हालांकि इस बारे में कोई कवरेज मुख्य धारा के मीडिया (जिसे गोदी मीडिया कहा जाता है) द्वारा नहीं किया गया।

मामले में बड़ा मोड तब आया जब 18 जुलाई की सुबह सोनम वांगचुक को बलपूर्वक आमरण अनशन से उठाकर अस्पताल में भरती करा दिया। उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद तक का मार्च निकालने का आव्हान किया गया था। इस दिन पुलिस ने अनशनरत छात्रों पर बहुत बल प्रयोग किया और उन्हें तितर–बितर करने के लिए लाठी चार्ज, आंसू गैस के अलावा 'पेलेट गन' का इस्तेमाल किया गया, हालांकि दिल्ली पुलिस इससे इनकार करती रही। राहुल गांधी एवं कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा इस मुद्दे को मीडिया और संसद में जोर शोर से उठाया गया जिसके कारण संसद नहीं चल पाई। राहुल गांधी द्वारा कई घंटों तक थाने में धरना देने के बाद मजबूरन दिल्ली पुलिस को पेलेट गन संबंधी एफ आई आर दर्ज करनी पड़ी।

जब सरकार को आंदोलन अपने नियंत्रण से बाहर होता दिखा तो सरकार के मंत्रियों ने जे पी नड्डा के नेतृत्व में सी जे पी के नेताओं के साथ वार्ता के बाद एक समझौता 25 जुलाई 2026 को किया। इसके द्वारा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात मानी गई, आंदोलनकारियों पर कोई मुकदमा नहीं करने का आश्वासन दिया गया और दर्ज सभी एफ आई आर को वापस लेने की बात की गई। साथ ही, जिन परिवारों के बच्चों ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के कारण आत्महत्या की, उनको मुआवजा देने के प्रश्न पर भी समझौता हुआ।

समझौते के अनुसार धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तो तुरंत करवा लिया गया, किंतु अन्य दो मांगों पर विशेष कार्रवाई नहीं हुई तो मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने स्पष्ट फैसले में, संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए सभी एफ आई आर निरस्त करने के आदेश दिए। यह आदेश देश के सभी राज्यों पर लागू किया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी के अधिकांश आंदोलनकारी छात्र 'जैन जी' की परिभाषा में आते हैं। इसी प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद नाम की 15 वर्षीय दलित छात्रा के पिता संजय कुमार का सिर स्वतंत्र भारद्वाज नामक व्यक्ति ने अपने कड़े के वार से फोड़ दिया था, जिससे, उसके टांके आए। इसके बावजूद पुलिस ने हल्की धाराओं में एफ आई आर दर्ज की और वह कई दिन तक खुला घूमता रहा और शेखी बघारता रहा। न केवल यह, इस घटना के बाद उसने एक पॉडकास्ट में इस सारी घटना को स्वीकार भी किया और कहा कि उसने 'हाफ मर्डर' कर दिया, फिर भी उसके विरुद्ध किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने की हिम्मत दिल्ली पुलिस नहीं कर सकी, क्योंकि उसके निकट संपर्क केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा के अन्य बड़े–बड़े लोगों से हैं। उसका यह वीडियो पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस प्रकरण में भी कॉकरोच जनता पार्टी ने थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और स्वतंत्र भारद्वाज पर एससी एसटी एक्ट और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ्तार करने की मांग की गई। युवा लोगों के बढ़ते आक्रोश के कारण यहां भी अंततः पुलिस को स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार करना पड़ा और उस पर वे सभी धाराएं लगाई गईं, जिनकी सी जे पी मांग कर रही थी।

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

इन सारी घटनाओं ने एक बात स्पष्ट कर दी कि सरकार के विरुद्ध बोलने का साहस यदि कोई करे, तो सरकार को भी अंततः झुकना ही पड़ता है। प्रधानमंत्री तक को जेन ज़ी को संबोधित करते हुए कई सेल्फी वाले वीडियो बनाकर रील के रूप में जारी करने पड़े।

इस संदर्भ में एक और प्रकरण का उल्लेख करना उपयुक्त होगा । अप्रैल 2026 में नोएडा में मजदूरों के आंदोलन का समर्थन करने वाली जे एन यू की छात्रा आकृति चौधरी को पुलिस ने कई धाराओं में हिंसा फैलाने के आरोप लगाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी लागू कर दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत किसी को जमानत भी नहीं मिल सकती है।

यह प्रकरण जब इलाहाबाद हाईकोर्ट में गया तो वहां के न्यायाधीश अतुल श्रीधरन और अचल सचदेव की खंड पीठ ने एन एस ए की कार्यवाही को एकदम मनमाना और अस्पष्ट मानते हुए रद्द कर दिया। यही नहीं, गलत हिरासत में रखने के लिए आकृति चौधरी को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश भी दिया। जुर्माने की यह राशि नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम और अन्य अधिकारियों के वेतन से वसूल करने के आदेश दिये। यह उल्लेखनीय है कि मेधा रूपम के पिता ज्ञानेश कुमार गुप्ता, वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। अतुल श्रीधरन वही न्यायाधीश हैं जिन्होंने मध्य प्रदेश में वहां के मंत्री विजय शाह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के आदेश तब दिए थे जब विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस आदेश के तुरंत बाद इनका स्थानांतरण मध्यप्रदेश से इलाहाबाद न्यायालय में कर दिया गया।

इन घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो गया है कि नागरिकों ने स्वयं को गुलाम या प्रजा मानने के स्थान पर, वास्तव में नागरिक समझना प्रारंभ कर दिया है। वे सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस दिखाने लगे हैं। इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने का काम कुछ निष्पक्ष और साहसी न्यायाधीशों ने अपने निर्णयों से किया है। स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं, यदि उनसे अपेक्षित कार्य करें, तो आम नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार का विरोध करने के अधिकार से उन्हें कोई वंचित नहीं कर सकता। बस, केवल कुछ साहस की जरूरत थी, जो कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से लोगों में उत्पन्न होने लगा है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार को मुआवजा दिलाना कॉकरोच जनता पार्टी की बड़ी उपलब्धि नहीं है। किंतु एक काम जो बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण हुआ है, वह, यह कि कॉकरोच जनता पार्टी के दिल्ली में जंतर मंतर के प्रदर्शन के बाद, पूरे देश में युवा छात्र और बच्चे तक जिन्हें 'जेन अल्फा' कहा गया है, स्कूल की खराब स्थिति के बारे में खुलेआम बोलने लगे हैं और आंदोलन करने लगे हैं। कई स्थानों पर इसके कारण प्रशासन पर दबाव पड़ा और उन्होंने तुरत फुरत में जर्जर स्कूलों को गिराकर उनके स्थान पर नए स्कूल या कमरे बनाने के लिए न केवल राशि स्वीकृत की, बल्कि उसका काम भी प्रारंभ करवाया। इसी संदर्भ में, पाठकों के लिए यह जानना उपयुक्त होगा कि अभिजीत दीपके ने 15 अगस्त, 2026 से स्कूल ठीक करो अभियान चलाया है। इसके अंतर्गत कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता देश के अलग–अलग भागों में अपने आसपास के सरकारी स्कूलों की स्थिति को देख रहे हैं और उसके बारे में वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को अवगत करा रहे हैं।

राजस्थान के रामपुरा–कंवरपुरा स्कूल, जो भैंस के तबेले में चल रहा था, वहां सी जे पी के आशुतोष रांका ने जाकर वीडियो बनाने का प्रयास किया तो असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। इसके बावजूद प्रशासन को इसका संज्ञान लेना पड़ा और स्कूल को तुड़वाकर उसके स्थान पर नया स्कूल बनवाना प्रारंभ किया गया है। ऐसी स्थिति कई जगह सामने आई है जहां बच्चों के और युवाओं के दबाव में सरकार को स्कूलों से संबंधित काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नागरिकों में सरकार विरोध का अनावश्यक डर निकल जाना एक बहुत बड़ी घटना है, जिसका दूरगामी प्रभाव होगा। कॉकरोच जनता पार्टी, एक नेतृत्व करने वाले ग्रुप के रूप में उभरी है। उन्हें केवल यह संयम बरतना होगा कि वह चुनावी राजनीति में न आए वरना उसका भी वही हश्र होगा जो आम आदमी पार्टी का हुआ।

सरकार को भी यह चाहिए कि वह विभिन्न विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देने का काम करें। वर्तमान में तो स्थिति यहां तक हो गई है कि कोई विश्वविद्यालय यदि किसी ऐसे व्यक्ति को वक्ता रूप में बुला ले जो सरकार की नीति की आलोचना करता हो, तो संभव है, उसकी अनुमति ही नहीं मिले और मिल जाए तो उसे भी निरस्त कर दिया जाए ।

छात्रों की ताकत कितनी है, इसका एक नमूना हैदराबाद के विधि विश्वविद्यालय NALSAR के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया, जब उन्होंने विश्विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट कर दिया कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत से डिग्री नहीं लेंगे और कन्वोकेशन में उन्हें नहीं बुलाया जाए। छात्रों के विरोध के बाद कन्वोकेशन निरस्त कर दिया गया और उन्हे डिग्री वैसे ही दे दी गई। जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आंदोलनकारी छात्रों का पंजीकरण, बार काउंसिल में नहीं करने का आदेश जारी किया तो उसे दो घंटे में ही वापस लेना पड़ा।

इन सारी घटनाओं से यह लगता है कि लोगों में अपनी बात कहने की हिम्मत आई है 0 और यह भी उन्हें एहसास हो गया है कि यदि वे अपनी बात मनवाने के लिए अहिंसक आंदोलन करेंगे तो सरकार को उनकी बात को मानना पड़ सकता है।

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए। आगे क्या होगा, चुनाव में क्या होगा, यह तो समय बताएगा। फिलहाल हम इतना तो कह ही सकते हैं कि देश का माहौल बदल रहा है।यह बदलाव किस रूप में किस सीमा तक होगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

80 दिन की आचार संहिता और बदलती चुनावी संस्कृति: राजस्थान ने दिखाई नई राह

अलका सक्सेना

लोकतंत्र में चुनाव जनभागीदारी और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। लेकिन चुनावों की प्रक्रिया यदि लगातार चलती रहे और उसका प्रभाव महीनों तक शासन–प्रशासन की सामान्य कार्यप्रणाली पर बना रहे तो उसका सीधा असर विकास की गति पर पड़ता है। राजस्थान जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी है। ऐसे में स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को एक समन्वित प्रक्रिया के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय केवल चुनावी प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में इस बार स्थानीय लोकतंत्र के इतने बड़े चुनावी दायरे को सीमित अवधि में समेटने का प्रयास हुआ है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि करीब 80 दिन की आचार संहिता की अवधि में 309 स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनावी दायित्व को पूरा करने की दिशा में राज्य आगे बढ़ रहा है। इन 309 नगरीय निकायों में 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं तथा 10,245 पार्षद पदों पर चुनाव होना है। साथ ही 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में भी चुनाव हैं।

पिछली बार स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया लगभग 15 महीने तक अलग–अलग चरणों और अलग–अलग समय में चलती रही। इसका अर्थ केवल इतना नहीं था कि राजनीतिक दल लंबे समय तक चुनावी मोड में रहे। इसका बड़ा प्रभाव शासन–प्रशासन पर भी पड़ा। जब चुनाव लगातार अलग–अलग संस्थाओं के लिए होते रहें तो आचार संहिता भी बार–बार लागू होती है या लंबे समय तक प्रभावी रहती है। नई योजनाओं, नीतिगत निर्णयों, विकास कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है। यही वह बिंदु है जहां राजस्थान की वर्तमान चुनावी व्यवस्था को प्रशासनिक सुधार के नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

किसी भी सरकार के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल सुनने में लंबा लगता है, लेकिन यदि स्थानीय निकाय, पंचायत, विधानसभा और अन्य चुनाव अलग–अलग समय पर लगातार सामने आते रहें तो वास्तविक शासन अवधि लगातार कम होती जाती है। चुनाव की घोषणा से लेकर परिणाम और उसके बाद राजनीतिक गतिविधियों तक सरकार और प्रशासन का एक बड़ा हिस्सा चुनावी व्यवस्थाओं में व्यस्त रहता है।

आचार संहिता लोकतांत्रिक निष्पक्षता के लिए आवश्यक है। उसके प्रावधानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल या सरकार को अनुचित लाभ से रोकना है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इसके दौरान नए कार्यों और नीतिगत निर्णयों पर स्वाभाविक रूप से सीमाएं लगती हैं। इसलिए लोकतंत्र की शुचिता और प्रशासन की निरंतरता के बीच संतुलन आवश्यक है। राजस्थान में इस बार चुनावों को अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न कराने का प्रयास इसी संतुलन की दिशा में दिखाई देता है। चुनावी प्रक्रिया जितनी समयबद्ध होगी, उतनी ही जल्दी प्रशासन सामान्य कार्यप्रणाली में लौट सकेगा और निर्वाचित स्थानीय संस्थाएं भी अपने दायित्व संभाल सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से चुनावी प्रक्रिया को अधिक समन्वित और कम विखंडित करने की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका व्यापक विचार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दिशा में चुनावी चक्र को समन्वित करने का है। इसी सोच की राज्य स्तर पर व्यावहारिक अभिव्यक्ति के रूप में राजस्थान में स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों को एक समन्वित चुनावी प्रक्रिया में आगे बढ़ाने की पहल महत्वपूर्ण हो जाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चुनावों को एक साथ कराने का जो संकल्प व्यक्त किया था, उसे धरातल पर उतारने की दिशा में यह कदम उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ–साथ प्रशासनिक सोच को भी दर्शाता है। हाल में मुख्यमंत्री ने स्वयं 'वन स्टेट–वन इलेक्शन' को सरकार की उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया है। यहां असली महत्व उस सोच का है जिसमें चुनावों को बार–बार होने वाली अलग–अलग प्रशासनिक कवायद के बजाय एक समन्वित प्रक्रिया में बदलने की कोशिश की जा रही है। राजस्थान का विकास एजेंडा व्यापक है। सड़क, पानी, बिजली, नगरीय आधारभूत ढांचा, ग्रामीण विकास, रोजगार, पर्यटन, औद्योगिक निवेश और सामाजिक कल्याण सहित हर क्षेत्र में निरंतर निर्णय और क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

यदि प्रशासन लंबे समय तक चुनावी दायित्वों में उलझा रहे तो इसका असर केवल सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं रहता।पुलिस–प्रशासन, राजस्व तंत्र, स्थानीय निकाय, पंचायतें और अन्य विभाग चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर लगाए जाते हैं। अधिकारी और कर्मचारी चुनावी जिम्मेदारियां निभाते हैं, संसाधन चुनाव प्रबंधन में लगते हैं और विकास कार्यों की प्राथमिकताएं भी कई बार प्रभावित होती हैं।

इसलिए चुनावों का कम समय में पूरा होना सरकार के लिए 'काम करने की अधिक अवधि' उपलब्ध कराता है। यह उन अतिरिक्त दिनों का अंतर है जिनमें सड़क बन सकती है, परियोजना आगे बढ़ सकती है, निवेश प्रस्ताव पर निर्णय हो सकता है, प्रशासनिक सुधार लागू हो सकता है और जनता से जुड़े किसी काम को गति मिल सकती है।

समयबद्ध चुनावों का लाभ केवल सरकार और प्रशासन को नहीं, बल्कि स्थानीय लोकतंत्र को भी मिलता है। नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाएं आम नागरिक के सबसे करीब की लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्थानीय विकास और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं जैसे अनेक विषय सीधे इन्हीं संस्थाओं से जुड़े होते हैं।

इसलिए इन संस्थाओं का समय पर गठन लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए आवश्यक है। चुनाव जितनी जल्दी पूरे होंगे, निर्वाचित प्रतिनिधि उतनी जल्दी अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे और स्थानीय विकास की प्राथमिकताओं पर काम शुरू कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 309 नगरीय निकायों में चुनाव दो चरणों में कराए जा रहे हैं। यह व्यापक चुनावी कवायद अपने आप में प्रशासनिक समन्वय की बड़ी परीक्षा है। इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव भी है। लंबे समय तक चुनाव चलते रहने से राजनीतिक दलों की ऊर्जा लगातार चुनावी गतिविधियों में लगी रहती है। कार्यकर्ता, संगठन और नेतृत्व लगातार एक चुनाव से दूसरे चुनाव की तैयारी में जुटे रहते हैं।

यदि स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न हो जाते हैं तो राजनीतिक दलों को भी अपना ध्यान व्यापक संगठनात्मक और नीतिगत कार्यों पर लगाने का अवसर मिलेगा। चुनाव लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं है। जनता के बीच लगातार उपस्थित रहना, सरकारों के काम का मूल्यांकन करना, संगठन को मजबूत करना और नीतियों पर संवाद करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि किसी भी चुनावी सुधार की सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि चुनाव कितनी जल्दी हुए। असली कसौटी यह होगी कि चुनाव के बाद निर्वाचित संस्थाएं कितनी प्रभावी ढंग से काम करती हैं और सरकार इस अतिरिक्त प्रशासनिक समय का कितना बेहतर उपयोग करती है।

यदि कम अवधि की आचार संहिता के बाद प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है, विकास परियोजनाओं की गति बढ़ती है और स्थानीय संस्थाएं समयबद्ध तरीके से अपने दायित्व निभाती हैं, तो यह प्रयोग निश्चित रूप से एक सकारात्मक प्रशासनिक मॉडल बन सकता है।

राजस्थान जैसे बड़े राज्य में चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में विकास की आवश्यकताएं व्यापक हैं। सरकार के पास जितना अधिक निर्बाध कार्यकाल होगा, परिणाम देने की अपेक्षा उतनी ही अधिक होगी।

अंततः यह पहल किसी एक दल की जीत या हार से कहीं बड़ी है। चुनाव आएंगे और जाएंगे, राजनीतिक दल सत्ता और विपक्ष की भूमिका में आते–जाते रहेंगे। लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और चुनावी चक्र को अधिक व्यवस्थित बनाना दीर्घकालीन लोकतांत्रिक हित में है।

राजस्थान में करीब 80 दिनों के सीमित चुनावी दौर में 309 स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाना उस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। पिछली बार लगभग 15 महीने तक चलने वाली चुनावी प्रक्रिया के अनुभव के मुकाबले यह बदलाव बताता है कि चुनावों को शासन की निरंतरता से जोड़कर देखने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक चुनावी सुधार की सोच और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'एक साथ चुनाव' के संकल्प के बीच राजस्थान का यह प्रयोग इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसका लक्ष्य अंततः शासन के लिए अधिक निर्बाध समय उपलब्ध कराना है।

लोकतंत्र की ताकत चुनाव से आती है, लेकिन सुशासन की ताकत चुनावों के बीच किए गए काम से तय होती है। यदि राजस्थान चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करके प्रशासन को अधिक कार्यशील समय दे पाता है, तो यह उस राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत हो सकती है जिसमें चुनाव समय पर हों और सरकार का अधिकतम समय जनसेवा और विकास के लिए हो।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क
(सेनि.)

माखन बनाम मक्खन

वीर बहादुर सिंह

भगवान श्री कृष्ण जन्मअष्ठमी का उत्सव आया तो बालस्वरूप भगवान् श्री कृष्ण के प्रिय माखन की याद हो आई और आती भी क्यों नहीं स्वयं जो ठहरा डेरी विशेषज्ञ। वैसे तो मैनें चालीस वर्षों तक अठारह वर्ष से अधिक के छात्रों को डेरी विषय बड़े परिश्रम और लगन से पढ़ाया फिर भी मैं समझता हूँ कतिपय ही मेरी विषय वस्तु के मूल तक पहुंचे हों? ऐसा इसलिए कि छात्र भी वर्तमान में कहीं अधिक चूजी हो गए हैं वे वही याद रखने का यत्न करते हैं जिसकी परीक्षा में पूछे जाने की सम्भावना अधिक होती है। प्रत्युत माखन चूँकि ग्रह उद्योग के स्तर पर अधिकाँश ग्रामीण घरों में ही बनता है उसकी व्यापारिक तौर पर महत्ता फैक्ट्री में बने मक्खन से कम ही आंकी जाती है। वहीं माखन बेचने के लिए कोई संगठित व्यवस्था भी नहीं है, कारण माखन देसी विधि से घी बनाने के लिए एक इंटरमीडिएट पदार्थ है जब की फैक्ट्री में निर्मित मक्खन उसी रूप में बिकता है और खाया भी जाता है। जैसा पूर्व में मैने कहा माखन का निर्माण बहुत ही छोटे स्तर पर होता है और वो भी केवल देसी घी बनाने की प्रक्रिया में एक बीच का स्टेप। तो यह तो रहा दोनों दुग्ध पदार्थों में अंतर जो मूलतः बनाने की विधि तक ही सीमित है हालांकि दोनों पदार्थों के निर्माण से सम्बंधित और भी अनेक कारण रहे होंगे और अभी भी हैं।

लेकिन महत्वपूर्ण बात तो ये है कि हमारे बाल स्वरुप भगवान को माखन इतना प्रिय क्यों था कि माँ यशोदा को एक मटकी में भर कर ऊंचे से छींके पर टांग कर रखना पड़ता था इसमें यध्यपि अन्य जानवरों आदि से सुरक्षा भी कारण रहे होंगे। वह एक अलग पहलू है। भले ही माँ सुरक्षा की दृष्टि से माखन को टांग कर रखती हो लेकिन कृष्ण जी तो किसी भी उपाय से उस छीके तक पहुँच माखन खुद भी लपकते और अपने मित्रों को भी सहभागी बना लेते ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। ये सभी शब्द जो मैनें कहे एक बाल सुलभ शैतानिओं या लीलाओं को ही दर्शाते हैं, इससे अलग कुछ भी नहीं।

अब बात करते हैं इन दोनों दुग्ध पदार्थों के भौतिक, रासायनिक और पोषण गुणों की, ऐसा करते समय लेखक का प्रयास होगा माखन पर अपेक्षाकृत अधिक बल जिस पर लोगों का ध्यान कम ही गया है और जिसे लिखा व प्रकाशित भी कम किया गया है। जैसा मैनें बताया कि माखन छोटे स्तर पर अथवा यों कहें ग्रामीण परिवेश के किसान परिवारों में बहुधा घर की कोई महिला बनाती है। श्री कृष्ण की मां यसोदा भी माखन खुद ही बनाती थी ऐसा करते समय कृष्ण जी बहुधा निकट ही कही होते तो मां उस नवीन माखन का एक कौर लल्ला को खिला देती। लल्ला जब और देने की जिद्द करता तो मां नहीं देती। जानती थी अधिक मात्रा हानि कारक हो सकती है। इस परिदृश्य में फिर भक्त सुदामा कृष्ण के पक्ष में बोल पड़ते हैं "मैया कबहि बढ़ेगी छोटी, और मैया मैं नहीं माखन खायो, मैया ग्वालबाल सब बरवस मुख लिपटायो" आदि–आदि।

...और भी बहुत कुछ। यहाँ मैं पाठकों को बता दूँ कि यह माखन शायद श्रीकृष्ण के काल से पूर्व भी भारत देश में घर–घर में बनता था। और इसी से देसी घी बनाने की विधा पनपी। यह घी आहार के साथ तो खाया ही जाता था इसका एक बड़ा हिस्सा यज्ञ में आहुति देने में प्रयुक्त होता। यह आज भी वैसा ही चलन में है। माखन के निर्माण में दूध कभी उबाला नहीं जाता अपितु बरोसी (चिकनी मिट्टी, कुछ पिली मिट्टी – पोता, को गूथकर एक गहरी थालीनुमा चुलेह का बनाकर धुप में सूखा लिया जाता है। सुखाने पर इसके अंदर गोबर से बनें सूखे उपले जलाकर दूध को एक कुम्हार की बानी हांडी में भरकर गर्म किया जाता है जो कब ही उबलता नहीं अपितु उबलने के ताप से नीचे ही कई घंटे तक छोड़ दिया जाता है। इस क्रिया को वैज्ञानिक भाषा में सिमरिंग कहते हैं। इस क्रिया में दूध के हानिकारक जीवाणु तो नष्ट हो जाते हैं साथ ही दूध के अवयवों से कुछ विशेष तत्व भी पैदा हो जाते हैं। दिन भर सिम्मर किया हुआ दूध ठंडा कर रात को जामन (पूर्व दिवस के दही का एक दो चम्मच) कुछ ठंडी जगह रख दिया जाता है जो भोर तक दही में बदल जाता है। गृहणियां इसी दही को एक नित काम में आने वाले मटके में लेकर लकड़ी की बनी रई (मथनी) से एक छोटी से रस्सी से मटकी के अंदर दही को हाथों से मथा जाता है। कुछ मिनट मथने पर माखन दही दे अलग होता प्रतीत होने लगता है और एक दो मिनट बाद ही माखन का एक लोथ प्राप्त कर लिया जाता है। दो दिन से लेकर पांच–छः दिन का माखन इकठा कर लोहे की कड़ाही में धीमी आंच पर घी में बदल दिया जाता है।

चूँकि मेरा आशय माखन तक ही सीमित है उससे बने घी आदि के बारे में फिर कभी पाठकों को बताऊंगा। तो फिर माखन पर आ जाते हैं, जिसकी निर्माण बिधि आपने पढ़ ली। अब यह भी जान लीजिये कि यह माखन किन किन गुणों में फैक्ट्री में बनें मक्खन से श्रेष्ठ है। देसी विधि से बनें माखन के निर्माण में कोई भी उपकरण फैक्ट्री में नहीं बनता, इसकी विधि में भी गोबर के उपलों के जलने पर प्राप्त ऊर्जा ही काम आती है किसी बायलर, हीटर, स्वचालित मथनी आदि की जरुरत नहीं पड़ती सब कुछ घरेलु सत्तर ग्रामीण परिवेश में सुलभ हो जाता है। देसी माखन में वसा अपेक्षाकृत कम होती है तो पाचन और पोषण में हानिप्रद नहीं है। और सबसे ऊपर छाछ जो प्राप्त होती है उसे विदेशी भले ही उपपदार्थ कहें लेखक के विचार में यह भी एक मुख्य दुग्ध पदार्थ है जिसे गाँव के हर किसान घर में हर सदस्य द्वारा विभिन्न प्रकार से खाया जाता है। इस छाछ में फोस्फो लिपिड्स प्रचुर मात्रा में विध्यमान रहते है जो शरीर के नाड़ी या नर्व प्रणाली के लिए उत्तम है साथ ही पाचन प्रणाली को ठंडक देकर भूंख शांत करने का आभास दिलाती है, और अनेक खनिज और विटामिन से परिपूर्ण होकर पाचन प्रणाली में प्रोबिओटिक जीवाणुओं को स्थापित तो करती ही है अनेक हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट भी कर देती है।

छाछ पीने वालों के शरीर में कभी मोटापा नहीं आता और न कोलेस्ट्रॉल से उपजे हृदय रोग उत्पन्न होते हैं। प्रोबिओटिक, लैक्टिक अम्ल, अन्य पेप्टाइड और कम वसा ऐसे गुण हैं जिनकी बरावरी कोई खाद्य नहीं कर सकता। इलाहाबाद कृषि संस्थान में एक अमेरिकन जेम्स वार्नर कार्यरत थे उन्होंने डैरीइंग इन इंडिया शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की थी। उस समय वे अपने को बहुत काबिल डेरी टीचर मानते थे, उस पुस्तक में उन्होंने देसी घी और उसके निर्माण के संबंधध में अनेक बुराइयां लिखी। दुर्भाग्य ये था तब डेरी शिक्षा व् अनुसन्धान के क्षेत्र में कई विशेषज्ञ देश में थे किसी ने भी उसकी आलोचना नहीं की। केवल मेरे शिक्षक ने उनकी मूर्खता और हटधर्मिता के कारण आगरा यूनिवर्सिटी में उनके परीक्षक के रूप में बेन करवा दिया। मास्टर प्रोग्राम में उसके द्वारा फ़ैल किये गए दो टीचर किसी समय उदयपुर में भी थे। इसलिए किसी भी पदार्थ को बुरा बताने से पूर्व यह निश्चित कर लेना चाहिए कि दोष पदार्थ में है अथवा पदार्थ निर्माण की विधि में।

पाठकों को मेरे विचार से समझ आ गया होगा कि माखन और फैक्ट्री निर्मित मक्खन में कोण श्रेष्ठ है? यह वे खुद निर्णय लें।

-प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी व खाद्य विज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर।

राशिफल मंगलवार 8 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, पुष्य नक्षत्र सायं 4:40 तक, परिघ योग रात्रि 12:40 तक, तैतिल करण दिन 2:43 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह।

आज राजयोग सूर्योदय से दिन 2:43 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 4:40 से सूर्योदय तक है। आज बीछ बारस, वत्स द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत है। आज से जैन पर्युषण (चतुर्थी पक्ष) आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:19 से 10:52 तक, लाभ–अमृत 10:52 से 1:57 तक, शुभ 3:30 से 5:03 तक।

राहुकाल: 3:00 से 4:30 तक, सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:36 पर

मेष

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष

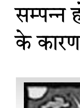

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन

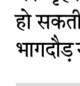

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

कर्क

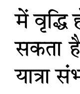

मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह

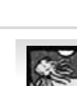

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या

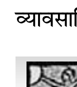

आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला

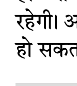

तुला: परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

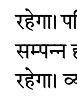

स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

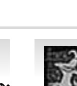

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

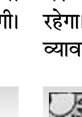

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

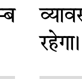

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

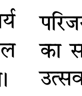

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ –मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Rembrandt and the Mughals

A Mughal painter might carefully render fine and controlled brushwork. Rembrandt often reduced these complex images to expressive lines and washes of ink

When This Is Over

End Of Year Rush Poem

जर्मनी के चुनाव में ''नैशनलिज़्म'' की पुरजोर ढंग से वापसी ने सभी को चौंका दिया है

अब तक, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी की राजनीति यहूदियों पर हुए अत्याचार से उत्पन्न देशव्यापी ग्लानि पर आधारित रहती थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। क्या इतिहास, यानी किसी समुदाय की सामूहिक याद के तौर पर, आज के चुनाव में कोई भूमिका निभाता है? हां, जर्मनी में पिछले रविवार हुए एक महत्वपूर्ण चुनाव के नतीजों को देखकर ऐसा कहा जा सकता है।

एक कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, यानी एएफडी ने देश के एक राज्य में हुए चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत से पूरे यूरोपीय संघ में चिंता की लहर दौड़ गई है और रूस में खुशी की प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इसकी लहरें अटलांटिक पार अमेरिका तक पहुंच गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चुनाव के नतीजों का जिक्र किया है।

यूरोप हैरान है और इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि क्या यह जर्मन राष्ट्रवाद के फिर से उभरने की एक छोटी सी शुरुआत है। हो सकता है कि नाज़ी दौर के अनुभव के कारण यूरोप अब भी एक तरह की मानसिक बेचैनी से गुजर रहा हो।

- पर, वर्तमान चुनाव में राजनीति का आधार ग्लानि को पीछे छोड़कर जर्मनी के अन्य समृद्ध इतिहास की ओर मुड़ा है।
- ऐसा लग रहा है, हिटलर की ज्यादतियों की याददाश्त को धूमिल कर जर्मनवासी बिस्मार्क की ओर देख रहे हैं।
- इस मानसिक बदलाव में, जर्मनीवासी अपने देश को ''एक विचारकों व कवियों'' के देश के रूप में जानना व याद रखना चाहता हैं।
- चाहे, आधुनिक जर्मनी, अधिक समृद्ध है। पर, नई पीढ़ी शायद कुछ कम समृद्धि बर्दाश्त करने को तैयार है, पर, अपनी ''जर्मननैस'' (जर्मनत्व) को बरकरार रखने में ज्यादा खुशी महसूस करना चाहती है।

एएफडी ने रविवार को अपने सबसे नए प्रतिद्वंद्वी कंज़र्वेटिव क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी, यानी सीडीयू पर जोरदार चुनावी जीत हासिल की है, जो अपने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टनर, एसपीडी के साथ गठबंधन में फैडरल लैवल पर शासन करती है।

एएफडी जर्मनी को हिटलर के जर्मनी के बजाय, ओटो फॉन बिस्मार्क के जर्मनी के तौर पर देखने को बढ़ावा दे रही है। वह उन्नीसवीं सदी के जर्मनी और जर्मनी एकता के इतिहास को पढ़ाने की बात कर रही है, जिसमें हिटलर के शासन और राष्ट्रीय समाजवाद, उत्पीड़न और युद्ध की किसी भी गलती को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

बिस्मार्क ने अनेक छोटे राज्यों और रियासतों को एकजुट करके उस देश की नींव रखी, जो बाद में बीसवीं सदी में जर्मनी बना। पार्टी ''ज्यादा बिस्मार्क और कम हिटलर'' की बात कर रही है।

नाज़ी शासन को उसके अत्याचारों से बरी नहीं करते हुए, एएफडी उन लोगों की भावनाओं को सामने रख रही है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पैदा हुए हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छह विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को

नई दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों तथा असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन छह सीटों पर मतदान छह अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना नौ अक्टूबर को की

- मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।

जाएगी। चुनाव प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।

आयोग के अनुसार, तमिलनाडु की मदुरांतकम (अनुसूचित जाति) और धारापुरम (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। पुदुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट तथा पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर भी मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर रिक्तियां संबंधित निर्वाचित सदस्यों के इस्तीफे के कारण हुई हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना नौ सितंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। मतदान छह अक्टूबर और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी।

'लगता है आप मेरे रिटायरमेंट का इंतजार कर रहे हैं, ''डेट-पर-डेट'' मांग कर'

सुप्रीम कोर्ट ने ''हाई पावर्ड'' कमेटी की, रिपोर्ट देने के लिए लंबी तारीख की अर्ज़ी ठुकराई और तीस नवंबर को रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को सवाल उठाया कि क्या अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा तय करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर्ड कमेटी उनके रिटायरमेंट का इंतजार कर रही है। अदालत ने समिति की, छह महीने का अतिरिक्त समय देने की मांग ठुकराते हुए उसे 30 नवंबर तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

सीजेआई ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ''उन्हें सीधे ही मेरे रिटायरमेंट के बाद की तारीख मांगनी चाहिए थी... ऐसा लगता है कि वे मेरे रिटायरमेंट का इंतजार कर रहे हैं। हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। सीजेआई सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को अपने पद से सेवानिवृत्त होंगे।

सीजेआई की अध्यक्षता वाली बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, ने अपने आदेश में कहा,

- जैसा कि विदित ही है, अरावली पर्वत श्रृंखला को चिह्नित व परिभाषित करने के लिए, एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित की गई है, जिसे किन्हीं कारणों से अपनी फाइनल रिपोर्ट पेश करने में काफी हिचकिचाहट हो रही है।

उच्चस्तरीय समिति ने पहली ही बार में 28 फरवरी 2027 तक समय बढ़ाने की मांग की है। हम इस मांग को खारिज करते हैं। उच्चस्तरीय समिति को दिन-रात काम करने और 30 नवंबर 2026 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया जाता है। हम स्पष्ट करते हैं कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा।''

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अरावली की नई परिभाषा तय करने का काम सुप्रीम कोर्ट ने तब शुरू कराया था, जब उसने नवंबर 2025 के अपने ही उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें एक विवादित परिभाषा को स्वीकार किया गया था। पर्यावरणविदों को आशंका थी कि इस परिभाषा के कारण, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र का बड़ा हिस्सा खनन के लिए असुरक्षित हो सकता है।

केन्द्र द्वारा पहले गठित समिति ने प्रस्ताव दिया था कि अरावली जिलों में स्थानीय भू-स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली किसी भू-आकृति को अरावली पहाड़ी माना जाएगा। ऐसी दो या उससे अधिक पहाड़ियां, जो एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर होंगी, अरावली पर्वतमाला का हिस्सा मानी जाएंगी।

इस परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई थी कि केवल ऊंचाई के आधार पर तय किए गए इस मानदंड से अनेक छोटी पहाड़ियां और टीले अरावली पर्वतमाला से बाहर हो सकते हैं, जो व्यापक पारिस्थितिक क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस विवाद का स्वतः संज्ञान लिया और 29 दिसंबर 2025 को अपने पहले के आदेश को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने राज्यों के प्रभारी क्यों बदले?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। कांग्रेस में 5 सितंबर को हुए संगठनात्मक फेरबदल में केवल छह राज्यों को शामिल किया गया है, लेकिन प्रभारियों के चयन से पार्टी के अंदर नेताओं की स्थिति के बारे में काफी कुछ पता चलता है। छह राज्यों के प्रभारियों को बदलने के पीछे हाईकमान का अपने ही नेताओं के बारे में एक आकलन है कि वह किस पर भरोसा करता है, किसे आजमाना चाहता है, किसे एक और मौका दिया गया है और किसे दूसरी पंक्ति से उठाकर राष्ट्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा रही है।

सबसे महत्वपूर्ण नियुक्ति छत्तीसगढ़ से पंजाब भेजे गए सचिन पायलट की है। यह उनके लिए पदोन्नति भी है और परीक्षा भी। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 16 मार्च 2027 को खत्म हो रहा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उत्तर भारत के उन कुछ बड़े राज्यों में से एक है, जहां कांग्रेस के सत्ता

- अधिकतर तो परिवर्तन शाबाशी का प्रतीक, पर बघेल के पंजाब से आसाम स्थानांतरण में हाईकमान की उनके प्रति कुछ ''नाराज़गी'' व निराशा की झलक दिखती है।

में आने की वास्तविक संभावना है।

पंजाब में ताजा लड़ाई प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच है, जो अब चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हैं। इस मतभेद के कारण पहले ही अलग-अलग गुट बन चुके हैं, वड़िंग को हटाने की मांग उठ चुकी है।

हाईकमान के लिए मुश्किल यह है कि वड़िंग और चन्नी दोनों ही राहुल गांधी के पसंदीदा नेता रहे हैं। वड़िंग का राहुल के साथ संबंध उनके युवा कांग्रेस के दिनों से है। सन् 2014 में वड़िंग को भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।

इस तरह पंजाब में राहुल के भरोसे और समर्थन से आगे बढ़े दो नेता आपस में लड़ रहे हैं और गांधी परिवार अपनी युवा पीढ़ी के एक तीसरे नेता, पायलट, पर भरोसा कर रहा है कि वे दोनों को नियंत्रण में रखेंगे।

पायलट के लिए इस जिम्मेदारी का एक और पहलू है। बहुत कम कांग्रेस नेता इस बात को उतना करीब से जानते हैं कि लंबे समय तक चलने वाली अंदरूनी लड़ाई राजनीतिक करियर को कितना नुकसान पहुंचा सकती है। राजस्थान में अशोक गहलोत के साथ उनकी अपनी लड़ाई कांग्रेस सरकार पर हावी रही और आखिरकार राज्य में भाजपा के साथ पार्टी की लड़ाई जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई। इसलिए पंजाब, पायलट को वह जिम्मेदारी दे रहा है, जिसकी उन्हें लंबे समय से इच्छा रही है, ऐसी राजनीतिक जिम्मेदारी, जिसके नतीजे साफ तौर पर मापे जा सकें।

जब 2028 में राजस्थान में अगला विधानसभा चुनाव आएगा, तब इसका बहुत महत्व हो सकता है। राजस्थान में नेतृत्व पर पायलट का दावा और मजबूत होगा, अगर वे यह साबित कर पाते हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन हादसा, बिल्डिंग की मालकिन, पति व पुत्र गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढ हने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संपत्ति की मालकिन उर्मिला गुप्ता (75), उनके पति हरिराम गुप्ता (81) और बेटे महेश

- हादसे में जान गंवाने वाले 7 लोगों में 6 युवक थे।

गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद चलाए गए लंबे बचाव अभियान में मलबे के नीचे दबे कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों में ज्यादातर युवा छात्र थे।

राहुल की यात्रा से पूर्व पायलट को पंजाब की खेमेबाजी का समाधान निकालना है

जिम्मेवारी इतनी आसान नहीं है, क्योंकि, राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मु.मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ, एक बड़े खेमे का नेतृत्व कर रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। पंजाब कांग्रेस में हुए फेरबदल ने पार्टी की प्रदेश इकाई को न केवल हैरान किया है, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दिया है कि केन्द्रीय नेतृत्व के पास जानकारी हासिल करने की अपनी निजी व्यवस्था भी है और वह किसी एक व्यक्ति की राय पर निर्भर नहीं है।

कांग्रेस हाईकमान ने भूपेश बघेल को पंजाब भेजा था, तथा उन्हें गुटों में बँटी प्रदेश कांग्रेस को एकजुट करने की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। अब बघेल को पंजाब से हटा दिया गया है और उनकी जगह सचिन पायलट को यह जिम्मेदारी दी गई है।

पंजाब के नये प्रभारी सचिन पायलट ने राजस्थान में भी इसी तरह की गुटबाजी का सामना किया है और वे अच्छी तरह समझते हैं कि इससे पार्टी को कितना नुकसान होता है।

- साथ ही यह भी विदित है कि राजस्थान के प्रभारी के रूप में रंधावा को गहलोत समर्थक माना जाता है।

एक खास दिलचस्प बात यह है कि सुखजिंदर सिंह रंधावा, जो इस समय चन्नी खेमे में एक प्रमुख नेता हैं, पायलट के गृह राज्य राजस्थान के प्रभारी हैं।

अब पायलट की जिम्मेदारी होगी कि वे रंधावा को चन्नी खेमे से अलग करके अपने साथ लाएं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पंजाब के सभी गुटों में पायलट को स्वीकार किया जाता है और हाईकमान के इस फैसले का पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं, दोनों ने स्वागत किया है।

अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पायलट के सामने, राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले, सभी नेताओं को एकजुट करने की चुनौती है, ताकि एकता का माहौल बनाया जा सके और जनता को यह संदेश दिया जा सके कि अंदरूनी बदलावों के बाद ''सब चंगा सी'', यानी सब कुछ ठीक है।

फिलहाल एक गुट का नेतृत्व चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा कर रहे हैं, जबकि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, और प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग अपने-अपने अलग गुटों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में, राजा वड़िंग को जिला अध्यक्षों का भी समर्थन हासिल है, क्योंकि उन्हीं ने उनकी नियुक्तियां की थीं।

प्रभारी के रूप में बघेल से उम्मीद की गई थी कि वे इन गुटों को एक साथ लाकर पार्टी को मजबूत करेंगे। लेकिन वह इस काम में सफल नहीं हो सके और उन पर आरोप लगा कि वे खुद ही एक अलग गुट बन गए थे।

'प्रभारी' की जिम्मेदारी आमतौर पर किसी दूसरे राज्य के नेता को इसलिए दी जाती है, ताकि वह स्थानीय स्थिति को नए नजरिए से देख सके।

कांग्रेस हाईकमान को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में बघेल ने यथास्थिति बनाए रखने की सिफारिश की थी और, खास तौर पर, राजा वड़िंग को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने की बात कही थी।

दिल्ली में संगठन प्रभारी के साथ हुई बैठक में, चन्नी और रंधावा ने वड़िंग को हटाने की मांग की थी।

इस बीच, राहुल गांधी के पंजाब के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेनाओं के लिये 1.10 लाख करोड़ रु. की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली, 07 सितंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लिए लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे भारतीय सेना के लिए केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल, हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद की जाएगी। मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी।

रक्षा बलों के अलग-अलग अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन), यानी सैद्धांतिक एडमिनिस्ट्रेटिव मंजूरी मिलने से तीनों सेनाओं को नए हथियार मिलने से युद्धक क्षमता मजबूत होगी। सेना के लिए खरीदे जाने वाले केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल प्रभावित क्षेत्र का पता लगाने, पहचानने, मॉनिटर करने और मार्किंग करने में सक्षम होंगे।

सरकार को अविलंब आना पड़ा, इसरो के स्टाफ की आशंका दूर करने के लिए

स्टाफ में आशंका का कारण था, ''इन-स्पेस'' के अध्यक्ष पवन गोयंका का वह वक्तव्य जिसमें उन्होंने कहा था कि ''इसरो अब कोई लॉन्च व्हिकल्स'' नहीं बनाएगा। यह सारा काम अब प्राइवेट सैक्टर व प्राइवेट पार्टियों के लिए छोड़ दिया जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। मोदी सरकार ने देश की अंतरिक्ष एजेंसी ''इंडिया स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो)'' के काम के तेजी से हो रहे निजीकरण को लेकर उसके कर्मचारियों के बढ़ते हुये डर, बेचैनी और चिंता को शुरू में ही खत्म करने की कोशिश की है। कुछ निजी कंपनियों को काम करने के लिए लाइसेंस भी दिए जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने इसरो से एक बयान जारी करने को कहा, जिसमें कहा जाए कि इसरो देश की प्रमुख अंतरिक्ष संस्था बनी रहेगी। यह कदम इसरो के कर्मचारी संगठनों द्वारा इसरो कुछ गतिविधियों को निजी और सरकारी कंपनियों को सौंपने की योजनाओं पर चिंता जताए जाने के बाद उठाया गया।

केन्द्र सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब विपक्ष मोदी सरकार की संवेदनशील और रणनीतिक तकनीकों को निजी क्षेत्र को सौंपने की योजना का विरोध कर रहा है। कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इसरो के कथित निजीकरण को तुरंत रोकने की मांग की है।

- पवन गोयंका का इशारा था कि इसरो अब भविष्य में स्पेश रिसर्च व नई-नई टैक्नॉलजी विकसित करने की आर एण्ड डी का ही काम करेगा।

विपक्ष का विरोध ''आईएन-स्पेस'' के अध्यक्ष पवन गोयनका के उस बयान के बाद सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''आखिरकार इसरो कोई भी प्रक्षेपण यान न तो बनाएगा और न ही उसका निर्माण करेगा'' और इसका पूरा उत्पादन सरकारी उपक्रमों या निजी कंपनियों को पूरी तरह सौंप दिया जाएगा।

गोयनका के इस बयान के बाद, इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से विरोध पत्र जारी किया।

भारत अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी दुनिया के प्रमुख देशों में से एक है।

इसरो ने मंगल ग्रह पर एक अंतरिक्ष यान भेजा है, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास यान उतारा है और अपना खुद का प्रक्षेपण तंत्र यान विकसित किया है। वह देश की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान की भी तैयारी कर रहा है।

एजेंसी ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''इसरो उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान और तकनीक के विकास, राष्ट्रीय और रणनीतिक अभियानों, अंतरिक्ष विज्ञान और खोज तथा अंतरिक्ष की महत्वपूर्ण और अत्याधुनिक क्षमताओं के लिए भारत का प्रमुख संस्थान बना रहेगा।

इस पोस्ट में उन आशंकाओं को दूर करने की भी कोशिश की गई कि संगठन का न तो निजीकरण किया जाएगा और न इसका महत्व ही कम किया जाएगा।

यह बयान 4 सितंबर को कर्मचारी संगठन के उस पत्र के बाद आया, जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया था और ''रॉयटर्स'' ने भी देखा था। इसमें इसरो के कुछ कर्मचारियों ने इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से उन खबरों पर स्पष्टीकरण मांगा था, जिनमें कहा गया था कि वर्तमान में एजेंसी द्वारा संभाली जा रही निर्माण और संचालन की जिम्मेदारियां कंपनियों को सौंप दी जाएंगी।

पुलिस जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति पर 14 तक फैसला ले- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर आरक्षण और यूजीसी के नियमों के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत देने पर 14 सितंबर तक फैसला ले। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने ये आदेश दिया।

क्षत्रिय करणी सेना 20 सितंबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करना चाहती है। कोर्ट ने क्षत्रिय करणी सेना से कहा है कि वह पुलिस को अपना आवेदन दे। पुलिस 14 सितंबर तक उस पर फैसला करेगी और आपको अपने फैसले की जानकारी देगी।

विजय जुलूस पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

कोटपूतली। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित नगर निकाय आम चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां एवं सख्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार के विजय जुलूस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के संबंध में आदेश जारी किए हैं।

जिले के 9 नगरीय निकायों में आम चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो चुकी है। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की संभावना को रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (पुरानी सीआरपीसी के धारा 144) के प्रावधान लागू किए गए हैं।

भाजपा ने खैरथल नगर परिषद क्षेत्र में भव्य रोड शो निकाला

खैरथल। नगर परिषद चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने शहर में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा की ओर से खैरथल नगर परिषद क्षेत्र में भव्य रोड शो निकाला गया, जिसमें राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी विशेष रूप से शामिल हुए। रोड शो के बाद 40 फीट रोड पर जनसभा का आयोजन किया गया।

रोड शो में अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसबीर सिंह, पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, नगर परिषद चुनाव प्रभारी बलवान यादव, संगठन प्रभारी अशोक सैनी, संयोजक प्रमिल जसोरिया, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, जिला महामंत्री पवन यादव, अशोक डाटा, रामबाबू जाटव, सेवक लालवानी, मनोहर परवाना सहित बड़ी संख्या में नेता मौजूद रहें।

खैरथल नगर परिषद क्षेत्र में भव्य रोड शो में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव शामिल हुए।

जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने अपने चिर-परिचित अंदाज में जनता से तानाशाही और डर से मुक्त होकर मतदान करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद शहर में अवैध काम करने वालों पर बुलडोजर चलाया जाएगा और अवैध जमीनों पर कब्जा करने वालों को जेल भेजा जाएगा। कानून-व्यवस्था और विकास से कोई समझौता नहीं होगा।

■ अवैध जमीनों पर कब्जा करने वालों पर बुलडोजर चलेगा : रामहेत

उन्होंने कहा कि 50 वर्ष पहले प्रेमी ने समाजहित में कई मंदिरों के लिए जमीन दी और गरीबों को आनंद नगर में बसाया। जिनके पास प्लॉट के पैसे नहीं थे, उन्हें भी उन्होंने बसाया। आरोप लगाया कि बाद में बाहर से आए कुछ लोगों ने खुद को समाज का मुखी बताकर उनके साथ भेदभाव किया। उन्होंने घोषणा की कि वे भविष्य में खैरथल में सेठ शामनदास प्रेमी की प्रतिमा स्थापित करवाएंगे।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि राज्य सरकार शहरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र और राजस्थान में भाजपा की सरकार है, नगर परिषद में भी भाजपा का बोर्ड बनने से विकास को ट्रिपल गति मिलेगी। इसे उन्होंने 'तीन इंजन की सरकार' बताया।

उन्होंने कहा कि देश में 'वन नेशन-वन इलेक्शन' की दिशा में काम हो रहा है और इसी क्रम में राजस्थान में 309 स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जा रहे हैं। सरकार हर शहर में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट, सीवरेज लाइन, बेहतर पार्किंग-ट्रैफिक व्यवस्था, आवारा पशुओं के लिए स्थान और पीएनजी गैस कनेक्शन जैसी सुविधाओं के लिए अनुदान देगी।

जिला मुख्यालय को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाते हुए तिवाड़ी ने साफ कहा''खैरथल जिला मुख्यालय है और बना रहेगा।''उन्होंने कहा कि खैरथल नया जिला है और सरकार इसके चहुंमुखी विकास के लिए वृहद स्तर पर काम करेगी।

सार-समाचार

सचिन पायलट के जन्मदिन पर पावटा में सेवा कार्य

पावटा। गरीब किसान परिवारों के बेटों का हाथ थामकर उन्हें राजनीति में आगे बढ़ाने वाले, किसान-मजदूर, युवा और आमजन की बुलंद आवाज एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक एआईसीसी महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर पावटा क्षेत्र में सेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कोटपूतली-बहरोड़ इंद्राज गुर्जर के निर्देशानुसार कार्यकर्ताओं ने उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके बाद प्रागपुरा गौशाला में पहुंचकर गौमाता को गुड़ खिलाया गया तथा गौसेवा की गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट ने सदैव किसान, मजदूर, युवा और आम आदमी के हितों को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। उनके जन्मदिन को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाना उनके जनसेवा के संकल्प और विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट के स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे इसी तरह प्रदेश की जनता और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाते रहें।

डीएपी खाद नहीं मिलने पर किसान महापंचायत का धरना प्रदर्शन

टोंक। जिले में किसानों को डीएपी खाद नहीं मिलने की कृषि विभाग की लापरवाही और खाद बांटने के गलत तरीके को लेकर किसान महापंचायत ने धरना देकर समस्या से परेशान किसानो ने आंदोलन की दी धमकी। इस दौरान महापंचायत ने आज से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन का ऐलान किया है। किसानों का आरोप है कि कृषि विभाग ने जब से एफएफएस ऐप से खाद बांटना शुरू किया है, तब से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। ज्यादातर किसान कम पढ़े-लिखे हैं, इसलिए उन्हें ऐप से खाद लेने के लिए रोज कई जगह चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह धरना प्रदर्शन मुड़िया, बहड़, खण्डवा, गणेती, पासरोटिया, चंदलाई और अरणियाकेदार जैसे इलाकों में किया जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी है कि जब तक किसानों को सही मात्रा में

'निवाई में भाजपा का बोर्ड बनाकर विकास की गंगा बहानी है'

निवाई। शहर के वार्ड संख्या 25 में जनसंपर्क के दौरान नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष व भाजपा प्रत्याशी दिलीप इसरानी को वार्डवासियों ने माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी दिलीप इसरानी ने कहा कि नगर पालिका के चुनाव में शहरवासी शहर के विकास को ही चुनेंगे। इस बार भाजपा शहर के सभी 40 वार्डों में जीतेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के समग्र और तीव्र विकास के लिए नगर पालिका के सभी वार्डों में भारी बहुमत के साथ भाजपा को जीताना है। उन्होंने पालिका बोर्ड के पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी देते बताया कि पूर्व में भाजपा का बोर्ड में शहर का चौमुखी एवं ऐतिहासिक विकास हुआ है। भाजपा बोर्ड के कुशल प्रबंधन एवं विकास कार्यों के कारण ही निवाई नगर पालिका पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान पर रही है।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक वार्ड में सामुदायिक भवनों का निर्माण, सीसी सडक़ें, नालियां, बेहतर पेयजल व्यवस्था, आधुनिक स्ट्रीट लाइटें, आकर्षक फव्वारे, मुख्य सडक़ों पर मॉडल डिवाइडर सहित 80 फीट रोड़ पर 6 करोड़ रुपये की लागत के सामुदायिक भवन के निर्माण, दांडी यात्रा, फाउंटेन, चौपाटी, शहीद स्मारक, भरकुआ तालाब पर सौंद्रियकरण व फेसवाल का निर्माण, पक्षी घर, कोसी गंगा में बड़े नाले का निर्माण, शहर में स्थित सभी मंदिरों का सौंद्रियकरण व विकास, मोक्षधामों व कब्रिस्तानों के विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्याम धमार्थ सेवा संस्थान ने रक्तांचल पर्वत पर सीढिय़ों का निर्माण करवाकर एक नया इतिहास रचा है।

निवाई में अंबेडकर कॉलोनी के रास्ते में बारिश पानी भर जाने से परेशान

निवाई। गांव राहोली की अंबेडकर कॉलोनी में आम रास्ते में बारिश का पानी भरा रहता है। जिससे कॉलोनी वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कॉलोनी निवासी जडाव बैरवा, अनीता बैरवा, माया बैरवा, बापू बैरवा, लाली बैरवा, बिरधीचंद बैरवा, मेवाराम बैरवा, कैलाश बैरवा, अरविंद बैरवा, राजूलाल बैरवा, मदनलाल बैरवा व रमेश चंद बड़वानी बताया कि कॉलोनी के आम रास्ते में सीसी रोड नहीं होने से बारिश का पानी भरा रहता है, जिससे कॉलोनी वासियों को गंदे पानी में से होकर आना जाना पड़ रहा है। बारिश का पानी भरा रहने से ग्रामीणों में बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जिससे कॉलोनी वासियों को काफी परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है।

टोंक में पायलट के जन्मदिन पर 61 यूनिट रक्तदान

टोंक। पूर्व उपमुख्यमंत्री व विधायक सचिन पायलट के जन्मदिन पर छान में रक्तदान शिविर अयोजित कर कार्यकर्ताओं व युवाओं ने उत्साह के साथ 61 यूनिट ब्लड डोनेट किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को छान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने 61 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। यह शिविर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सऊद शहीदी के निर्देशन में लगाया गया। यह एस.डी. सोशल डवलपमेन्ट फाउंडेशन के तत्वावधान तथा जिला परिषद सदस्य संपत महुआ के संयोजन में आयोजित हुआ।

■ रक्तदाताओं को हेलमेट वितरित कर सडक़ सुरक्षा की जानकारी दी

सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को छान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

रक्तदान शिविर में क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। ब्लड डोनेट करने वाले युवाओं को हेलमेट वितरित कर सुरक्षा का संदेश दिया गया। इसके साथ ही, सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देते हुए शिविर में आए लोगों को हेलमेट का वितरण भी किया गया, ताकि समाज में रक्तदान के साथ-साथ सडक़ सुरक्षा के प्रति भी जागरूकता बढ़ाई जा सके। आयोजकों और अतिथियों ने कहा कि रक्तदान महादान है ।

सांभर में प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ प्रचार में फूंकी ताकत

सांभरझील। सांभर निकाय चुनाव के अंतिम दिन 25 वार्डों पार्षद पद के चुनाव में खड़े हुए सभी दलों के अलावा निर्दलियों ने भी अपनी ताकत पूरी झोंकी। गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले में अपने इतने समर्थकों के पक्ष में हाथों में झंडी, बैनर लिए नारे लगाते हुए बच्चों की आवाजें भी सुनाई दी तो कई दशको पुरानी यादें ताजा हुई, जब इसी प्रकार गली गली घूम घूम कर प्रचार होता था, सब एक दूसरे से बातें भी करते थे, हंसी मजाक भी होता था लेकिन मतदान तक किसी के प्रति वैमनस्यता का भाव कम ही देखने को मिलता था। इसी क्रम में अनेक वार्डों में तो लोगों का कहना था कि हमे ऐसा पार्षद चाहिए जो भ्रष्टाचार से दूर रहकर अपने वार्ड का सर्वांगीण विकास करें। तंज कसते हुए बताया कि 10 लाख का घोड़ा बनकर काम करने वाला पार्षद नहीं चाहिए।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/101012 लोक सूचना दिनांक: 07.09.2026

श्री M/S VINAYAK ASSOCIATES THROUGH PATNER VISHNU KUMAR GUPTA पुत्र श्री RAMGOPAL GUPTA जाति MAHAJAN निवासी 1347, BARKAT NAGAR, TONK PHATAK, JAIPUR श्री SIDDHIVARUNA LLP DESIGNATED PARTNERS MUKESH YADAV पुत्र श्री GOPAL LAL YADAV जाति YADAV (AHIR) निवासी 158, MAHAVEER NAGAR B, PATRKAR ROAD, MANSAROVAR, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हेक्ट.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हेक्ट.)
1	श्योसिंहपुरा उर्फ कल्यावाला, सांगानेर (जयपुर)	1.) मैसर्स विनायक एसोसिएट्स जरिये डेज़िग्नेटेड पार्टनर विष्णु कुमार गुप्ता पुत्र राम गोपाल गुप्ता हिस्सा पूर्ण जाति महाजन मकान संख्या 1347 कॉलोनी जय पथ बरकत नगर क्षेत्र/स्थान जयपुर शहर जयपुर पिन कोड 302015 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN खातेदार	85/1	0.16	0.16
2			92	0.05	0.05
3			93/1	0.2	0.2
4			86	0.03	0.03
5			87	0.39	0.2135
6			88	0.05	0.05
7			89	0.29	0.2275
8			90	0.08	0.075
9			91/2	0.15	0.15
10	श्योसिंहपुरा उर्फ कल्यावाला, सांगानेर (जयपुर)	1.) सिद्धिवरुणा इंडिया एलएलपी जरिये डेज़िग्नेटेड पार्टनर मुकेश यादव पुत्र गोपाल यादव हिस्सा पूर्ण जाति यादव मकान संख्या 158 कॉलोनी महावीर नगर बी क्षेत्र/स्थान गोल्यावास पत्रकार रोड मानसरोवर शहर जयपुर पिन कोड 302020 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN	85/645	0.08	0.08
11			86/1	0.22	0.22
12			90/1	0.06	0.06
13			91/1	0.14	0.14
14			90/2	0.06	0.06
15			91	0.15	0.15
				कुल	1.866

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन [illegible] भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 07.09.2026 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जविप्रा, जयपुर**

नाम परिवर्तन

मैं शबनम असरार पत्नि शाकीर मोहम्मद निवासी मकान नं.505 भोला तबले की गली, लुहारों का खुर्रा, घाटगेट, जयपुर राजस्थान शपथ बयान करती हूं। 1. यह कि मैं एक भारतीय नागरिक हूं तथा उपरोक्त पते पर स्थाई रूप से निवास करती हूं। 2. यह कि मैंने अपना नाम शबनम असरार से बदलकर शबनम रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावेगा तथा यही नाम मेरे सभी दस्तावेजों में अंकित व दर्ज किया जावेगा। 3. मैं यह शपथ पत्र मेरा नाम शबनम असरार से बदलकर शबनम रखने हेतु दे रही हूं।

I have changed my name from Sonu Gupta to Man Mohan Gupta for all purposes R/o 211A, 100 feet road Near nikhar beauty parlour Shri Ram nagar Jhotwara Jaipur

I have changed my name from JYOTI to JYOTI GUPTA for all purposes R/o A 31 B Dadhichi nagar Sikar road Murlipura Jaipur

भाजपा राज में अलवर का विनाश, जनता अब देगी जवाब : जितेन्द्र सिंह

अलवर। मुख्यमंत्री के अलवर दौरे के बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए शहर की बदहाल स्थिति और नगर निगम के कथित भ्रष्टाचार को लेकर सवालों की बौछार कर दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा के तीन साल के शासन में अलवर विकास से दूर और अव्यवस्थाओं के दलदल में फंस गया है। उन्होंने कहा कि अब जनता भाजपा से हिसाब मांगने के लिए तैयार है और नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड बनना तय है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री अलवर आए, लेकिन उनके स्वागत में अपेक्षित जनसमर्थन नजर नहीं आया। उन्होंने कहा कि अलवर की जनता भाजपा सरकार के कामकाज से पूरी तरह निराश है। उन्होंने कहा कि आखिर भाजपा किस आधार पर जनता से वोट मांग रही है? अलवर के हालात का जवाब देना भाजपा की जिम्मेदारी है और सवाल पूछना जनता का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के दावों के बीच शहर की वास्तविक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष जूली व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने प्रेस वार्ता की।

नगर निगम को निशाने पर लेते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से नगर निगम में भाजपा का शासन है, लेकिन शहर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि बारिश के बाद जलभराव से अलवर की सडक़ें स्विमिंग पूल में तब्दील हो जाती हैं और सफाई, सडक़ तथा अन्य नागरिक सुविधाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। उन्होंने नगर निगम में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि जनता अब इन मुद्दों का जवाब चुनाव में देगी।

उन्होंने एक बुजुर्ग महिला से जुड़ी घटना का जिक्र करते हुए नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने बताया कि एक वार्ड में मिली बुजुर्ग महिला ने कथित तौर पर बताया कि पति की मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जब वह नगर निगम पहुंची तो उससे ढाई हजार रुपये की मांग की गई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री का रोड शो पूरी तरह फ्लॉप रहा। उन्होंने कहा कि अलवर की जनता की जगह निगम कर्मचारी और पुलिस महकमें की फौज पूरी कहानी बयां कर रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी अलवर में रोड शो करने आए और जो हालत हुई है, सब लोग मजाक बना रहे हैं।

कालाडेरा में विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोज्य रानी लक्ष्मीबाई प्रशिक्षण केन्द्र के तीसरे सप्ताह के कार्यक्रमों के तहत छात्राओं के लिए 'आई एम इंट्रेस्टिंग' विषय पर आत्म-जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. शिखा पाटनी ने छात्राओं को अपनी रुचियों, क्षमताओं, प्रतिभाओं और सकारात्मक गुणों को पहचानने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपने आप में खास है, जरूरत केवल अपनी खूबियों को पहचानने की है। गतिविधि के दौरान छात्राओं ने अपनी रुचियों, प्रतिभाओं, भावनाओं, शक्तियों और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया। इससे उनमें आत्म-जागरूकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक आत्म-छवि विकसित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों की जानकारी भी दी गई। समानता का अधिकार, शिक्षा एवं रोजगार में समान अवसर, गरिमा एवं सम्मान, घरेलू हिंसा से संरक्षण, लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध कानूनी अधिकार तथा शिकायत एवं सहायता तंत्र के बारे में जागरूक किया गया।

मनोहरपुर में वृक्ष मित्र एवं सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

मनोहरपुर। पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानडियावाला टीम सुमन मीणा , जमवारामगढ़, श्याम सेवा समिति एवं ग्रामवासियों चावंडिया, दीपपुरा एवं रामपुरा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान 2026 के अंतर्गत वृक्ष मित्र एवं सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम ग्राम पंचायत चावंडिया, तहसील आंधी, जिला जयपुर में पानी की टंकी के पास स्थित श्याम सेवा समिति परिसर में आयोजित हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों ने भाग लिया। समारोह में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने वाले वृक्ष मित्र एवं पर्यावरण प्रेमी व्यक्तियों व संस्थाओं, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के खिलाड़ियों, वर्ष 2026 में आईआईटी, नीट एवं क्लैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से राजकीय सेवा में चयनित युवाओं तथा कक्षा 10वीं, 12वीं एवं उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्षारोपण केवल एक पौधा लगाने का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और पर्यावरण सुरक्षित करने का संकल्प है। अतिथियों ने ग्रामीणों और युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आव्हान किया। ट्रस्ट अध्यक्ष सुमन मीणा ने कहा कि पेड़ लगाना आज की सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। यदि हम अपने बच्चों के लिए स्वच्छ हवा, सुरक्षित वातावरण और बेहतर भविष्य चाहते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी जिम्मेदारी लेने का संकल्प करना चाहिए।

■ पर्यावरण संरक्षण के साथ प्रतिभाओं का सम्मान, अतिथियों ने दिया हर व्यक्ति लगाए एक पेड़ का संदेश

नाम परिवर्तन

मैं मोहम्मद शाहिद पुत्र मोहम्मद याकूब, निवासी वार्ड नंबर 08, नूर बानो मस्जिद के पास, बिसाऊ (राजस्थान), भविष्य के सभी कार्यों के लिए अपना नाम बदलकर मो शाहिद पुत्र मो याकूब कर रहा हूँ।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक:F-JDA/Zone-A/2026/D-39

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 322702 दिनांक 03/08/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Layout Plan Approval जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र.सं.-1, आवेदक का नाम-Anil Johar S/o Gopal Das Johar, मूल आवंटी /लीजधारक का नाम-श्री गोपालदास पुत्र श्री जमनादास, भूखण्ड संख्या-Khasano no-102/433, 103, भूखण्ड क्षेत्रफल-0.306733 hectare, गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना-Private, योजना का नाम-ekl patta, सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया-Layout Plan Approval, कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज-मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Layout Plan Approval जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जविप्रा, जोन-A

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 707/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री विजय गोयल, निवासी डी 687 मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास धर्मसेतु प्राच्य विद्या शोध संस्थान न्यास, डी 687 मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 28.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 1.10.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

खोया पाया

मेरे प्लॉट नं. 13/207 कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र एवं अन्य दस्तावेज कावेरी पथ पर कहीं गिर गया है, मिलने पर सूचित करें। शकुन्तला शर्मा- 9680510110

मेरे मकान नम्बर- 318 MGDN नायला, जयपुर का अलाटमेंट लेटर+पॉजिशन लेटर+7 डे लेटर+हैंडिंग ओवर लेटर+डिक्लेरेशन लेटर+ऑल ओरिजनल रिसिप्ट्स कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। शिवम शर्मा-9079449941

मेरे प्लॉट नं. C-102 स्कीम, शिक्षा सागर-सी ब्लॉक, टोंक रोड, जयपुर का विकास भवन निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड सामिति द्वारा जारी लाली देवी के नाम का ओरिजनल पट्टा एवं विक्रय पत्र जो गोपी राम बेरवा पुत्र श्री भागीरथ बेरवा निवासी बढ़ हाडा तहसील निवाई जिला टोंक के नाम से था, जिसके रसीद नंबर 201502500 8707 दिनांक 14/10/2015 व दूसरी रसीद नंबर 20150202500 8707 ये थे, जो प्रताप नगर से सांगानेर सदर थाने के बीच दिनांक 13.04.2026 को गुम हो गया। मिलने पर सूचित करें: योगेश कुमार बैरवा 8209696427

प्रागपुरा के वार्डों में निर्दलीय व आरएलपी की एंट्री से बदले सियासी समीकरण

पावटा। नगर निकाय चुनाव को लेकर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव को लेकर वार्डों में कांग्रेस, भाजपा पार्टी एवं आरएलपी निर्दलीय प्रत्याशियों में सियासी मुकाबला दिलचस्प होता नजर आ रहा है। वही आरएलपी व निर्दलीय प्रत्याशियों के चुनावी मैदान में उतरने से भाजपा-कांग्रेस के बीच संभावित सीधी टक्कर में तीसरे विकल्प की मौजूदगी ने राजनीतिक समीकरणों को नया मोड़ दे दिया है।

यदि आरएलपी व निर्दलीय प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत संपर्क और युवा मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहते हैं, तो भाजपा-कांग्रेस के लिए चुनौती बढ़ सकती है। वहीं, इस मुकाबले में व्यक्तिगत छवि, वार्ड के स्थानीय मुद्दे और प्रत्याशी की जमीनी पकड़ निर्णायक भूमिका निभा सकती है। चुनावी प्रचार आगे बढ़ने के साथ यह स्पष्ट होगा कि मुकाबला किस दिशा में जाता है।

■ यदि आरएलपी व निर्दलीय प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत संपर्क और युवा मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहते हैं, तो भाजपा-कांग्रेस के लिए चुनौती बढ़ सकती है

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर से लेकर बिजली-पानी तक हर सुविधा हो पुख्ता'

अल्पा चौधरी ने चुनावी तैयारियों का जायजा लिया

खैरथल। आम नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। सोमवार को चुनाव पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरथल में बनाए गए मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान दलों के रवानगी स्थल पर पहुंचकर चुनावी तैयारियों और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने बूथों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या की जानकारी ली और दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की उपलब्धता, बिजली, पेयजल सहित सभी आधारभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं ताकि मतदान प्रक्रिया सुगम और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

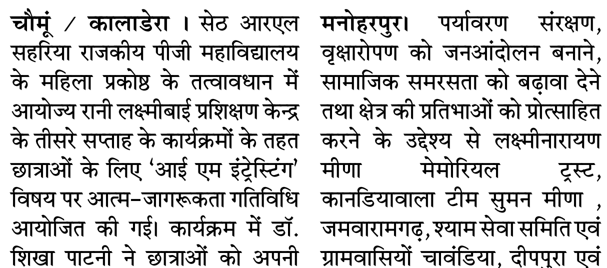

चुनाव पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरथल में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

इसके बाद पर्यवेक्षक ने मतदान दलों के रवानगी स्थल का भी निरीक्षण किया। वहां उन्होंने मतदान दलों के आवागमन, ईवीएम सहित आवश्यक चुनाव सामग्री और अन्य तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी और कार्मिक अपने दायित्वों का गंभीरता और पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

■ चुनाव पर्यवेक्षक ने परखीं मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं, रवानगी स्थल का भी लिया जायजा। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए आवश्यक निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश, विशेषाधिकारी कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी ऐश्वर्यम प्रजापत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह, खैरथल आरओ सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : F-JDA/Zone-14/2026/D-876 **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन क्रमांक 325288 दिनांक 14.08.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं—

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Rajendra Prasad Jain S/O Radha Kishan Jain	श्री रमेश आर. जोशी पुत्र स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद	22	217.64 SQ. Yard	Coorperative	Kamdhenu Nagar	Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta)	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 21.07.07, 25.02.08 के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of (Lease/Free Hold) Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो, तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection Module के माध्यम से आपत्ति Online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

आईओसीएल की पाइप लाइन से 4.48 करोड़ रु. का तेल चुराने वाला मुख्य बदमाश गिरफ्तार

इस गिरोह ने पाइप लाइन में अवैध वॉल्व लगाकर करीब 8 लाख लीटर क्रूड ऑयल पार किया था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की भूमिगत पाइपलाइन में सेंध लगाकर अवैध वाल्व के जरिए करीब आठ लाख लीटर क्रूड ऑयल चोरी करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने मुख्य आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए क्रूड ऑयल की बाजार कीमत करीब 4.48 करोड़ रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर करीब 36 टैंकर क्रूड ऑयल चोरी करने में शामिल होने का आरोप है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी जैयश भाई उर्फ मोदी

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि अप्रैल 2025 में आईओसीएल ब्यावर के सहायक प्रबंधक संजय कुमार सेन ने एसओजी थाना जयपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ब्यावर जिले की मसूदा तहसील के नासून गांव में चरागाह भूमि से गुजर रही आईओसीएल की भूमिगत सलाया-मथुरा पाइपलाइन (सीएमपीएल-24) में सेंधमारी की गई थी।

■ पुलिस के अनुसार आरोपी पर करीब 36 टैंकर क्रूड ऑयल चोरी करने में शामिल होने का आरोप है।

आरोपियों ने पाइपलाइन में छेद कर अवैध वाल्व लगाया था। इसके बाद लोहे और हाइड्रोलिक प्लास्टिक पाइप तथा फ्लेंज की मदद से कनेक्शन जोड़कर पाइपलाइन से क्रूड ऑयल निकाला गया। जांच में करीब 8 लाख लीटर क्रूड ऑयल चोरी किए जाने की बात सामने आई। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसओजी की ओर से विशेष जांच शुरू की गई। मौके से एफएसएल, साइबर टीम, फुटप्रिंट और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। एसओजी की तकनीकी शाखा ने बीटीएस डेटा और दूरसंचार कंपनियों से प्राप्त कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का विश्लेषण किया। तकनीकी जांच के दौरान गिरोह का गुजरात कनेक्शन सामने आया। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर मुख्य आरोपी जैयश भाई उर्फ मोदी उर्फ राजू (56) निवासी जवाहर नगर जिला वडोदरा (गुजरात) को गिरफ्तार किया। एसओजी ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस आरोपी से क्रूड ऑयल चोरी की साजिश, पाइप लाइन में सेंध लगाने, चोरी किए गए तेल की सप्लाई और गिरोह में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

एस.ओ.जी. के अधिकारियों के अनुसार इस तेल चोरी के मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अन्य वांछित और संदिग्ध आरोपियों की तलाश में जुटी है। जांच में गिरोह के नेटवर्क और चोरी किए गए क्रूड ऑयल की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

चिकित्सा संस्थानों में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर विकसित करें : मुख्य सचिव

'सभी नवजात शिशु देखभाल इकाइयों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करें'

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए चिकित्सा संस्थानों में ऑपरेशन थियेटरों को चरणबद्ध रूप से मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित चिकित्सा संस्थानों में स्थापित नवजात शिशु देखभाल इकाइयों की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता सुनिश्चित करने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

■ प्रत्येक यूनिट का रोस्टर तैयार कर सख्ती से पालना कराने के निर्देश दिए

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ भी उनके साथ उपस्थित रहीं।

स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन और आरजीएचएस सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मातृ मृत्यु दर में सुधार के लिए जारी गाइडलाइन की प्रभावी पालना और गहन मॉनिटरिंग, प्रसव सुविधा वाले संस्थानों में ऑटोक्लेव मशीन की उपलब्धता व क्रियाशीलता तथा बेड ऑक्यूपेंसी रेट की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने प्रसव भार के अनुरूप स्त्रीरोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता, परिवार कल्याण व मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता सामग्री के प्रभावी प्रदर्शन तथा प्रत्येक यूनिट का स्पष्ट रोस्टर बनाकर उसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने प्रसूताओं के लिए शुरू किए गए प्रसव सखी हेल्प डेस्क में आवश्यक सुधार, उप स्वास्थ्य केन्द्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक टेली-कंसल्टेशन के प्रभावी उपयोग और मेडिकल कॉलेजों में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी व पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी यूनिट को पूर्ण क्रियाशील करने पर जोर दिया। एनेस्थीसियोलॉजी, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा शिशु रोग विभागों के रिक्त पद भरने के निर्देश भी दिए। चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरजीएचएस में पारदर्शिता व वित्तीय अनुशासन के लिए सुधार जारी है। उन्होंने स्वयं का फार्मेसी बिलिंग सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिसका पायलट उपयोग शुरू हो चुका है और अगले माह तक इसे पूर्ण रूप से लागू किया जाएगा। दवाइयों के अतिरिक्त व्यय को नियंत्रित करने के लिए प्राइस बेंचमार्क भी स्थापित किया गया है। बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम, प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी हरजीलाल अटल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

10 हजार की रिश्वत लेते डिस्कॉम का बाबू गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को श्रीगंगानगर में कार्रवाई करते हुए जोधपुर डिस्कॉम के सूरतगढ़ स्थित सहायक अभियंता कार्यालय में तैनात सीसी बाबू सुधीर को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी परिवादी की फर्म द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत लगवाए जा रहे सोलर सिस्टम से संबंधित दो पत्रावलियों में एससीओ (सर्विस कनेक्शन ऑर्डर) जारी करने की एवज में रिश्वत मांग रहा था।

■ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की दो पत्रावलियों के लिए मांगी थी रिश्वत

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी श्रीगंगानगर को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत उपभोक्ताओं के सोलर सिस्टम लगवाने का कार्य करती है। फर्म की ओर से योजना के तहत तीन उपभोक्ताओं के सोलर सिस्टम लगाने की स्वीकृति के लिए पत्रावलियां प्रस्तुत की गई थीं। इन पत्रावलियों में एससीओ जारी करने के बदले जोधपुर डिस्कॉम, सूरतगढ़ के कार्यालय सहायक अभियंता कार्यालय में तैनात सीसी बाबू सुधीर द्वारा खर्चे-पानी के नाम पर रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के अनुसार आरोपी ने रिश्वत की राशि नहीं देने पर सोलर सिस्टम से संबंधित स्वीकृति जारी नहीं करने की धमकी भी दी थी। शिकायत का सत्यापन करवाए जाने के बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

जिस पर एसीबी श्रीगंगानगर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन कुमार मीणा के नेतृत्व में ब्यूरो टीम ने ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान आरोपी सुधीर को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

सेंट्रल जेल में 13 मोबाइल बरामद

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में तलाशी अभियान के दौरान वार्ड नंबर 10 और 11 से 13 मोबाइल फोन बरामद किए गए। कैदियों के पास चार्जर, सिम कार्ड, डेटा केबल सहित अन्य प्रतिबंधित सामान भी मिला। मामले में जेल प्रहरी मनोज कुमार शर्मा की ओर से 13 कैदियों के खिलाफ लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। एसआई श्याम सुंदर ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर बरामद मोबाइल और अन्य सामान को जांच में शामिल किया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मोबाइल जेल के अंदर किस तरह पहुंचे और इनका इस्तेमाल किन लोगों से संपर्क के लिए किया जा रहा था। इस मामले में शिवराज, विशाल, ब्रह्मिसंह, देवी सिंह, प्रकाश, कपिल, मुस्ताक अली, विष्णु सिंह, युनुस, भानाराम माली, साहिल गोदारा, कुलवेंद्र और कृष्णा के नाम सामने आए हैं। पुलिस मोबाइल नंबर, सिम कार्ड और कॉल डिटेल के आधार पर संपर्कों और संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। साथ ही जेल में प्रतिबंधित सामान पहुंचाने में किसी बाहरी व्यक्ति की भूमिका रही या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

स्कूल संचालक ने मॉल की 7वीं मंजिल से छलांग लगाई

जयपुर। चित्रकूट नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह बनीपार्क निवासी एक निजी स्कूल संचालक ने अजमेर रोड स्थित एलीमेंट मॉल की सातवीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मॉल की पार्किंग से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले हैं।

■ पत्नी से मनमुटाव के चलते मानसिक तनाव में होने की बात सामने आई

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अभिनव राज (38) निवासी दुर्गा मार्ग, बनीपार्क के रूप में हुई है। वह बनीपार्क क्षेत्र में निजी स्कूल संचालित करते थे। पुलिस के अनुसार अभिनव राज सोमवार सुबह करीब नौ बजे अपाचे बाइक से घर से निकले थे। करीब साढ़े नौ बजे वह अजमेर रोड स्थित एलीमेंट मॉल पहुंचे। उन्होंने मॉल की पार्किंग में बाइक खड़ी की और लिफ्ट से सातवीं मंजिल पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने वहां से छलांग लगा दी। अभिनव के नीचे गिरने पर तेज आवाज हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने लहूलुहान हालत में उन्हें देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चित्रकूट नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच करवाई गई और आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभिनव राज की करीब दो वर्ष पहले शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा था। दोनों अलग-अलग रह रहे थे। पुलिस के अनुसार पत्नी से चल रहे विवाद के कारण वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस मॉल की पार्किंग सहित अन्य स्थानों के फुटेज भी खंगाल रही है।

टूरिस्ट गाइड पर चाकू से हमला, अस्पताल में भर्ती

जयपुर। आमेर क्षेत्र में सोमवार सुबह मावठा सरोवर के पास आमेर किले तक गाड़ी ले जाने को लेकर जीप चालक और टूरिस्ट गाइड के बीच विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने पर जीप चालक आजम ने अपने साथी नाजिश के साथ मिलकर टूरिस्ट गाइड मनीष सोनी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के वार से मनीष के पेट में गंभीर चोट आई। उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी राजेंद्र गौतम ने बताया कि मावठा के पास गाइड मनीष सोनी गाड़ियों को आमेर किले तक पहुंचाने से रोक रहा था। इसी बात को लेकर जीप चालक आजम से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आजम और उसके साथी नाजिश ने मनीष पर चाकू से हमला कर दिया। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। वारदात के बाद बड़ी संख्या में टूरिस्ट गाइड और स्थानीय लोग आमेर थाने पहुंच गए। लोगों ने करीब डेढ़ घंटे तक प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल रहा। पुलिस ने आरोपी आजम और नाजिश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही विवाद की पूरी वजह और हमले में इस्तेमाल चाकू के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार आजम के खिलाफ आमेर थाने में पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश भी हो सकती है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान से गुजर रहा देश का सबसे लंबा फ्रेट कॉरिडोर

जयपुर। देश में माल परिवहन की तस्वीर बदलने में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) अहम भूमिका निभा रहा है। मालगाड़ियों के लिए बनाए गए इस समर्पित रेल नेटवर्क से माल परिवहन की गति, क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ने के साथ मौजूदा रेल मार्गों पर यात्री ट्रेनों के लिए भी अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध हुई है। इससे यात्री ट्रेनों के संचालन और समयपालन में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण लाभ मिल रहा है। राजस्थान के लिए वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर विशेष महत्व रखता है। रेवाड़ी से पालनपुर के बीच करीब 567 किलोमीटर लंबा हिस्सा राजस्थान से होकर गुजरता है, जो किसी एक राज्य से गुजरने वाला डीएफसी का सबसे लंबा खंड है। इस कॉरिडोर से जयपुर, अजमेर, पाली और जोधपुर समेत प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को तेज और अधिक विश्वसनीय माल परिवहन सुविधा मिल रही है। राजस्थान से गुजरने वाला फ्रेट कॉरिडोर प्रदेश के मैन्युफैक्चरिंग, कपड़ा, सिरेमिक, मार्बल और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है। लंबी दूरी तक माल की तेज आवाजाही होने से परिवहन समय और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिल रही है। साथ ही बंदरगाहों और प्रमुख औद्योगिक केंद्रों तक माल की समयबद्ध डिलीवरी आसान हुई है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर मालगाड़ियों के संचालन से ईंधन की बचत और कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में भी लाभ मिल रहा है। वहीं गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, लॉजिस्टिक्स पार्क और मल्टीमॉडल परिवहन सुविधाओं के विकास से उद्योग-व्यापार बढ़ेगा।

स्कूल निर्माण में लापरवाही बरती तो होगी सख्त कार्रवाई : राजेश यादव

1293 नए विद्यालय भवन सहित 16 हजार से अधिक निर्माण एवं मरम्मत कार्य जारी

जयपुर (कासं)। स्कूली शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने सरकारी स्कूलों में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को स्कूलों का स्वयं निरीक्षण कर कार्यों का भौतिक सत्यापन करने को कहा। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने सरकारी स्कूलों में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को लेकर बैठक ली।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 3,037.21 करोड़ रु. के कार्य स्वीकृत हुए हैं। इनमें 1293 नए विद्यालय भवन, 5348 वृहद मरम्मत कार्य और 9334 नए एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्ष शामिल हैं। वर्तमान में 290 विद्यालय भवन, 599 मरम्मत कार्य और 2099 कक्षा-कक्षों का निर्माण जारी है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोनी, जिला नागौर में तकनीकी पर्यवेक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कनिष्ठ अभियंता को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। यादव ने पीएम-जनमन, पीएम श्री, समग्र शिक्षा अभियान, स्टार्स, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और डाइट सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। भारी बारिश को देखते हुए स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

सार-समाचार

हाईकोर्ट में रक्तदान शिविर 10 को

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर परिसर में स्व. सतीश चंद्र अग्रवाल की 29वीं पुण्यतिथि पर 10 सितम्बर को रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। यह शिविर सतीश चंद्र अग्रवाल सभागार में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। उल्लेखनीय है कि सतीश चंद्र अग्रवाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से यह पांचवां रक्तदान शिविर है। ज्ञात रहे कि स्व. अग्रवाल एक वरिष्ठ अधिवक्ता होने के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री, सांसद एवं विधायक भी रहे। यह जानकारी ट्रस्टी अधिवक्ता शशांक अग्रवाल ने दी है। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, महासचिव दीपेश शर्मा एवं अन्य अधिवक्ताओं की उपस्थिति में किया गया।

डॉ. शिल्पा को 'बेस्ट टीचर अवॉर्ड'

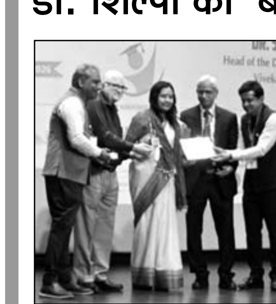

जयपुर। शिक्षा एवं विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. शिल्पा रस्तोगी, एसोसिएट प्रोफेसर एवं हैड, लॉ फैकल्टी, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर को प्रतिष्ठित "बेस्ट टीचर अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। डॉ. शिल्पा रस्तोगी ने शिक्षण, विधि शिक्षा तथा विद्यार्थियों के शैक्षिणक एवं व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके समर्पण, उत्कृष्ट शिक्षण कार्य और अकादमिक नेतृत्व को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर उनके पति सार्थक एवं परिवारजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

"द म्यूज़िक हील्स" का आयोजन

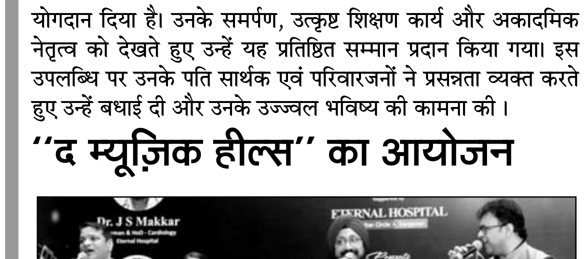

जयपुर। स्वास्थ्य और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला, स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी जानकारियों के साथ डॉक्टरों ने अपनी गायकी से उपस्थित लोगों को एक यादगार संगीतमय शाम का अनुभव कराया। मौका था सृजन द स्पार्क -जयपुर की ओर से द म्यूज़िक हील्स के आयोजन का। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ यह संदेश देना था कि संगीत न केवल मन को सुकून देता है, बल्कि तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। इस दौरान डॉक्टरों ने अपने-अपने विशेषज्ञता क्षेत्र से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सुझाव साझा किए। इस विशेष संगीतमय आयोजन में शहर के जाने-माने डॉक्टर्स जैसे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. जे. एस. मक्कर, सीनियर डेंटल सर्जन डॉ. समीर शर्मा, नेफ्रोलॉजीस्ट डॉ. निशा गौड़ और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अर्पित कल्ला ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। डॉक्टरों की प्रस्तुतियों को उपस्थित सृजन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान संस्था के चेयरमैन राजेश नवलखा, अध्यक्ष सम्प्रति सिंघवी, सचिव राजीव सिंघवी, आईपीपी सुरेश डड्ढा, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर राजीव नागौरी ने सभी डॉक्टर्स और श्रोताओं का स्वागत किया। नवोदित कलाकारों को अनुभवी मार्गदर्शकों के निर्देशन में अपनी गायन प्रतिभा निखारने और मंचीय अनुभव पाने का सशक्त मंच मिला।

चित्रों से समझाए जीवन-प्रकृति के रंग

जयपुर। कहीं कोई कलाकार पर्यावरण की बारीकियों को समझाती पेंटिंग बना रहा था, तो किसी कलाकार के चित्र की लकीरों में जीवन के रंग थे। कुछ ऐसा ही नजारा था सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ ड्रॉइंग एंड पेंटिंग का, जहां नेशनल आर्टिस्ट क्रिएटिव कैंप का शुभारंभ हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी कला का जीवंत प्रदर्शन किया। कैंप का उद्घाटन अतिथियों शिक्षाविद अर्चना सुराणा, प्रो. वंदना कल्ला, प्रो. आईयू खान और कलामर्मज्ञ मोनिका शारदा ने तुलसी के पौधे में जल अर्पित करके किया। कैंप की क्यूरेटर और विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता राज गोयल ने बताया कि चार दिवसीय यह कैंप 10 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें बनने वाली पेंटिंग्स को गुरुवार की शाम से निर्माण नगर स्थित कला दीर्घा जयपुर सेंटर ऑफ कल्चर एंड आर्ट्स (जेसीसीए) में प्रदर्शित किया जाएगा।

ए.डी.बी. अगले 5 वर्षों में राजस्थान में 2 बिलियन डॉलर की परियोजनाओं को सहयोग देगा : श्रीनिवास

मुख्य सचिव से एडीबी कंट्री डायरेक्टर मियो ओका की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से सोमवार को एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) की कंट्री डायरेक्टर (इंडिया) मियो ओका ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राजस्थान में एडीबी के सहयोग से संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं, आगामी पांच वर्षों में साझेदारी मजबूत करने तथा नए क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

एडीबी ने आगामी पांच वर्षों में राजस्थान के साथ दीर्घकालीन एवं व्यापक साझेदारी के तहत करीब 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में एडीबी द्वारा वित्त-पोषित जयपुर मेट्रो परियोजना, राजस्थान अर्बन लाइवेबिलिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (आरयूएलआईपी) तथा पृथ्वी परियोजना के लिए सहयोग पर भी चर्चा हुई। विकास की नई आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की पहचान कर उनका शीघ्र क्रियान्वयन करने पर जोर दिया गया। एडीबी की ओर से राजस्थान में सिंचाई, नवीकरणीय ऊर्जा और परिसंपत्ति मौद्रीकरण जैसे क्षेत्रों में नई परियोजनाएं विकसित करने का सुझाव दिया गया। राज्य की प्राथमिकताओं के अनुरूप इन क्षेत्रों में परियोजनाएं चिन्हित कर एडीबी के सहयोग से आगे बढ़ाने के लिए आश्वस्त किया गया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को एशियन डवलपमेंट बैंक की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका के साथ बैठक में प्रदेश की परियोजनाओं पर चर्चा की।

मुख्य सचिव ने एडीबी के सहयोग से संचालित परियोजनाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए आगामी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा राज्य की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। मियो ओका ने राजस्थान में नागरिक सुविधाओं में सुधार, आधारभूत संरचना के विकास और राज्य की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में आयोजना विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, विशिष्ट शासन सचिव वित्त शिवांगी स्वर्णकार सहित संबंधित अधिकारी एवं एडीबी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सचिन पायलट का जन्मदिन सेवा और जनकल्याण के रूप में मनाया

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पंजाब प्रभारी सचिन पायलट का जन्मदिन सोमवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में सेवा, सद्भाव और जनकल्याण के रूप में मनाया गया। महेंद्र सिंह खेड़ी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सेवा कार्यों में भाग लिया।

■ विद्याधर नगर में मंदिर में पूजा-अर्चना, गौसेवा और कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण

■ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिया जनसेवा का संकल्प

कार्यक्रम की शुरुआत पापड़ के हनुमानजी मंदिर में रामधुनी और पूजा-अर्चना के साथ हुई। कार्यकर्ताओं ने भगवान हनुमानजी के दर्शन कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और आमजन के कल्याण की कामना की। इसके बाद गौसेवा की गई।

इसके पश्चात झोटवाड़ा स्थित इंदिरा कुष्ठ आश्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पायलट के जन्मदिन को जनसेवा के पर्व के रूप में मनाते हुए समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। खेड़ी ने कहा कि सचिन पायलट का जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि मानव सेवा, गौसेवा और जरूरतमंदों की मदद के संकल्प का दिन है। उन्होंने कहा कि पायलट किसान, मजदूर, युवा, गरीब और आमजन के हितों की आवाज मजबूती से उठाते रहे हैं। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित के कार्यों में सक्रिय रहेंगे। कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश शर्मा, पूर्व पार्षद लादूराम दुलारिया, पीसीसी सचिव सुरेंद्र लांबा, बंशीधर गोलिया, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मोहम्मद महबूब जड़ावता, डीसीसी महासचिव इमरान खान छोटी बेरी, किसान कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब सैनी, कांग्रेस नेता दिलीप सिंह दिवराला सहित यूथ कांग्रेस, सेवादल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। अंत में सभी ने सचिन पायलट के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल राजनीतिक जीवन की कामना की।

Celebrating the Art of Performance

Actors' Day honours the craft, creativity, and dedication of performers who bring stories to life on stage and screen. From theatre to cinema, television to digital platforms, actors immerse themselves in diverse roles, capturing human emotions and experiences that resonate across cultures. This day recognises not just the glamour of stardom, but also the discipline, vulnerability, and hard work behind each performance. It's a reminder of how storytelling shapes our collective imagination, challenges perspectives, and inspires empathy. Actors' Day celebrates both legendary icons and emerging talents who continue to redefine the art of performance.

#POEMS

End Of Year Rush Poem

Leave the rest, For another day, Slow your speed, Live your way

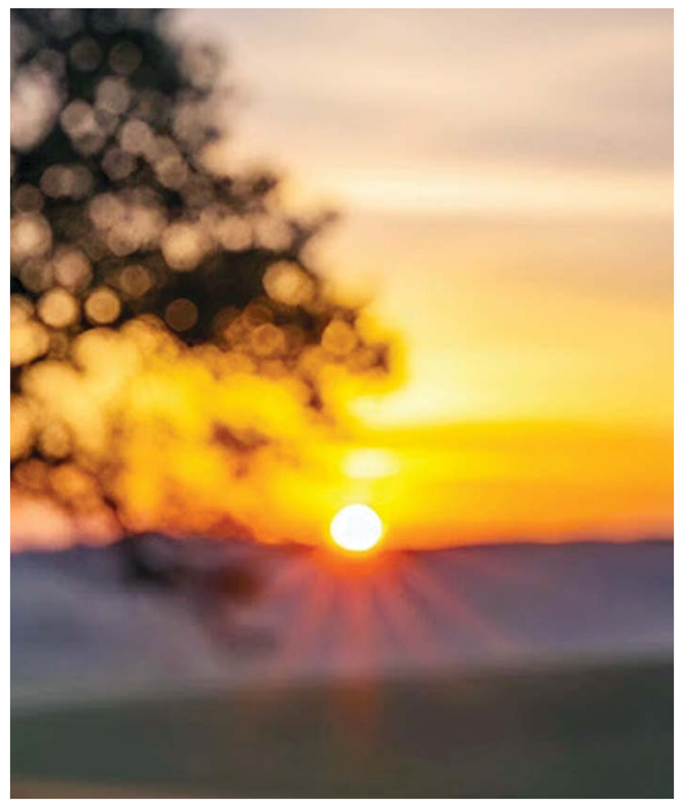

By Sue Ellson
The end of year
Is coming fast
The end of year
Has me aghast

Everyone rushing
As if time is ending
Everyone risking
Their healthy living

Please take a moment
To stop and focus
Must you do everything
Like hocus pocus

What can wait
What is urgent
What is essential
What is important

Leave the rest
For another day
Slow your speed
Live your way

Smile and observe
What you have achieved
Over the last 12 months
Your blessings received

What challenges have you
conquered
What fears have you overcome
A new year is waiting
To see what you'll become

Pat yourself on the back
So I can share your glee
Another year is nearly over
On the path to truly be

#POEMS

When This Is Over

The school rush each morning, Coffee with a friend, The stadium roaring, Each deep breath, A boring Tuesday, Life itself

When this is over,
may we, never again,
take for granted
A handshake with a stranger
Full shelves at the store
Conversations with neigh-
bours
A crowded theatre
Friday night out
The taste of communion
A routine check-up
The school rush each morn-
ing
Coffee with a friend
The stadium roaring
Each deep breath
A boring Tuesday
Life itself.
When this ends,
may we find
that we have become
more like the people
we wanted to be,
we were called to be,
we hoped to be,
and may we stay
that way, better
for each other
because of the worst.
-LAURA KELLY FANUCCI

Rembrandt's Mughal Inspiration.

Shah Jahan, c. 1630.

Shah Jahan (Mughal Emperor).

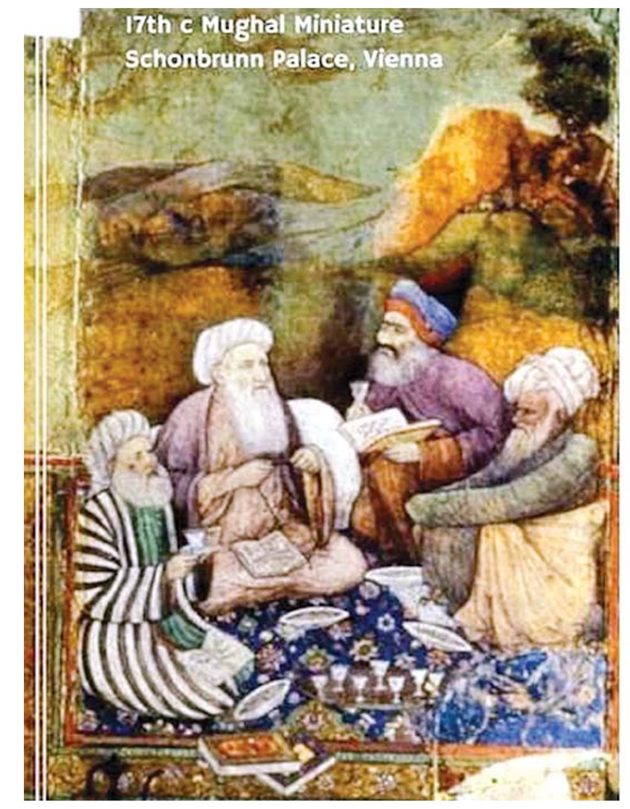

Schonbrunn Palace, Vienna.

Four Mullahs seated under a tree.

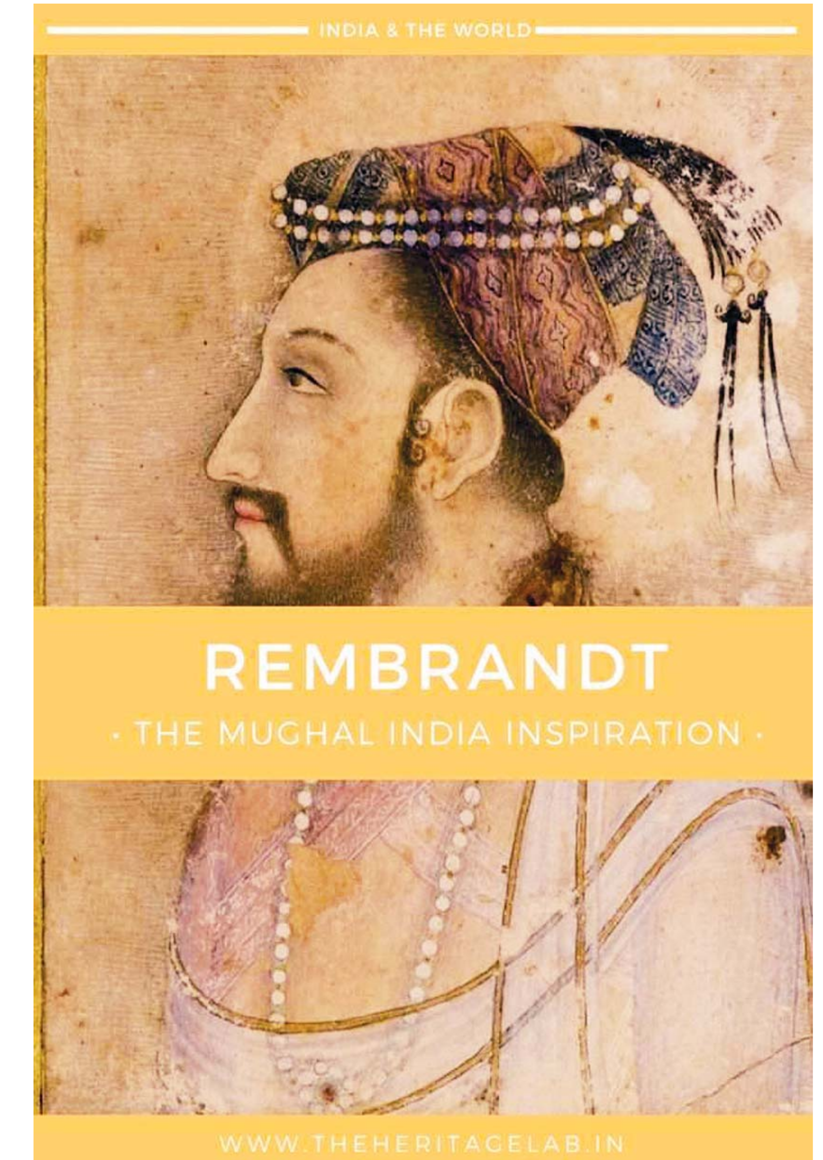

Rembrandt's Mughal Inspiration.

Rembrandt and the Mughals

Rembrandt himself was an enthusiastic collector. His collection contained a wide variety of objects from different parts of the world, reflecting his curiosity about cultures beyond Europe. For him, collecting was not simply about possessing valuable things. Objects could provide inspiration, information, and new visual possibilities. Among the objects that reached Europe were Mughal paintings and illustrated manuscripts.

#ART

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

When we think of Rembrandt van Rijn, we usually think of Amsterdam, biblical scenes, dramatic portraits, and the extraordinary play of light and shadow that made him one of the greatest artists of the Dutch Golden Age. Yet, Rembrandt's artistic interests extended far beyond the familiar world of seventeenth-century Europe.

Thousands of miles away, in the courts of Mughal India, another extraordinary artistic culture was flourishing. The Mughal emperors commissioned richly detailed paintings of rulers, courtiers, battles, ceremonies, animals, landscapes, and everyday life. These paintings were created in a very different artistic tradition from Rembrandt's. Yet, remarkably, Mughal art found its way into Rembrandt's studio in Amsterdam. The connection between Rembrandt and the Mughals reveals something important about the seventeenth century: the world was already deeply connected through trade, collecting, diplomacy, and the movement of objects and ideas.

Amsterdam and the Global Economy

The distance between Amsterdam and India was enormous, but global commerce was beginning to make that distance seem much smaller.

Amsterdam was one of the major centres of the Dutch Golden Age and was closely connected to international trade. The Dutch East India Company (VOC), established in 1602, played a major role in Dutch commerce with Asia. Ships travelled between Europe and Asian ports, carrying spices, textiles, precious objects, manuscripts, and other commodities.

These goods did not remain confined to commercial warehouses. They entered the homes and collections of wealthy merchants, scholars, aristocrats, and artists. Objects from Asia became objects of curiosity and fascination in Europe.

Rembrandt himself was an enthusiastic collector.

His collection contained a wide variety of objects from different parts of the world, reflecting his curiosity about cultures beyond Europe. For him, collecting was not simply about possessing valuable things. Objects could provide inspiration, information, and new visual possibilities.

Among the objects that reached Europe were Mughal paintings and illustrated manuscripts.

Shah Jahan and his son.

The Mughal Court on Paper

Mughal painting developed under the patronage of emperors beginning with Akbar, and it reached remarkable levels of sophistication under his successors, including Jahangir and Shah Jahan.

Mughal manuscripts were often lavishly illustrated. Their paintings were highly detailed, formal, and carefully composed. Artists paid extraordinary attention to the appearance of people and objects.

Jewellery, textiles, weapons, architecture, plants, animals, and luxurious fabrics could all be represented with remarkable precision. Clothing communicated rank and status, while carefully controlled poses and gestures reinforced the hierarchy of the imperial court.

The Mughal painting tradition therefore did more than record appearances. It created a visual language of power and imperial authority.

The emperor occupied a carefully defined place within this visual system. Courtiers, nobles, musicians, servants, and other figures were positioned around him according to their status. Costumes and accessories further communicated wealth and social position.

It was this combination of detail, formality, luxury, and political symbolism that Rembrandt encountered when Mughal images reached Amsterdam.

Rembrandt Looks Towards India

Rembrandt did not simply admire Mughal paintings as exotic curiosities. He actively studied them.

He made a remarkable group of drawings based on Mughal compositions, depicting emperors and court figures associated particularly with the reigns of Jahangir and Shah Jahan.

The drawings are fascinating because Rembrandt did not reproduce the paintings in exactly the same way. Instead, he translated them into his own medium.

Akbar and son, Salim.

Portrait of Aurangzeb.

Prince Daniyal, c. 1656-61.

Shah Jahan.

A Mughal painter might carefully render the folds of a garment, the jewels on a ruler's body, or the details of a court ceremony using fine and controlled brushwork. Rembrandt often reduced these complex images to expressive lines and washes of ink.

He retained important elements of the originals, the poses, clothing, gestures, and arrangement of figures, but transformed them through his own artistic vocabulary.His pen strokes could be quick and loose. His ink washes created areas of darkness and light. Figures that had been rendered with meticulous precision in Mughal miniatures could become more spontaneous and expressive in Rembrandt's hands. This transformation is important. Rembrandt was not simply copying another culture. He was looking, selecting, interpreting, and translating.

The Surviving Drawings

One of the most intriguing questions is how many Mughal drawings Rembrandt actually produced. A catalogue published in 1747 described a book containing 25 Indian drawings by Rembrandt. Of these, 23 are known to survive today. The survival of such a large group is significant. These works provide unusually direct evidence of Rembrandt's engagement with Mughal art.

The drawings depict rulers and courtiers and are connected with the visual culture of the Mughal imperial court. They demonstrate that Rembrandt was studying images of a political and artistic world very different from his own.

Rather than treating these drawings as an isolated curiosity in Rembrandt's career, it is useful to see them as evidence of the wider movement of art and visual information between Asia and Europe.

Jahangir: An Emperor and Art Connoisseur

The Mughal fascination with European art makes this exchange even more interesting.

Jahangir, who ruled the Mughal Empire from 1605 to 1627, was renowned for his interest in art. He inherited a strong artistic tradition from his father, Akbar, who had developed the Mughal imperial painting workshop into one of the most important artistic institutions of the period. Jahangir was particularly interested in European painting and was fascinated by techniques such as shading, perspective, and naturalistic portraiture.

European artists and Jesuit missionaries had brought paintings and prints to the Mughal court, where they were studied by Indian artists. Mughal painters experimented with elements of European visual language while maintaining their own artistic traditions.

This means that artistic influence was not travelling in only one direction.

Europeans were looking at Mughal art, but Mughal artists and emperors were also looking at Europe. The exchange was therefore much more complicated than a simple story of European influence on India. It was a process of adaptation, experimentation, and selective appropriation on both sides.

The Wealth and Scale of the Mughal Empire

To understand why Mughal art was so impressive, it is also necessary to understand the scale and wealth of the Mughal Empire.

When Jahangir inherited the throne, he inherited one of the most powerful states in early modern Asia. The empire stretched across enormous territories of the Indian subcontinent, including large parts of what are now India, Pakistan, Bangladesh, and Afghanistan.

The Mughal Empire governed a huge and diverse population and controlled some of the richest agricultural and commercial regions in the world.

Its major cities were enormous centres of political and economic activity.

Agra, one of the principal imperial capitals, was a vast urban centre whose population reached hundreds of thousands. Lahore was another major city and an important centre of trade, culture, and administration.

These cities operated on a scale that could seem astonishing from the perspective of contemporary Europe.

The Mughal court's wealth supported an enormous artistic economy. Painters, calligraphers, jewellers, textile workers, architects, metalworkers, and other specialists worked to produce objects for the imperial household and the aristocracy.

Art was therefore deeply embedded within the machinery of Mughal power.

Shah Jahan and the Language of Imperial Splendour

The world that fascinated Rembrandt also included the court of Shah Jahan, Jahangir's son and successor.

Shah Jahan is perhaps most famous for commissioning the Taj Mahal, but his patronage extended across architecture, painting, jewellery, textiles, and court ceremony.

Under Shah Jahan, Mughal imperial culture became associated with extraordinary refinement and grandeur. Paintings of the emperor frequently presented him in carefully controlled settings, surrounded by courtiers and symbols of authority.

Such images created a visual representation of empire.

The ruler's clothing, jewellery, throne, weapons, attendants, and physical position all communicated his status.

These were precisely the kinds of details that could attract the attention of a European artist such as Rembrandt.

From Miniature to Ink Drawing

The differences between Mughal painting and Rembrandt's drawings are particularly revealing.

Mughal miniatures were generally small, highly detailed, and meticulously finished. Their surfaces could contain an enormous amount of visual information. Faces, costumes, jewellery, textiles, and architecture were rendered with precision.

Rembrandt's drawings, by contrast, could appear almost unfinished.

He used the movement of the pen itself as a form of expression. A few strokes could establish the outline of a body. Darker areas of ink could suggest clothing or shadow. A wash could create volume without requiring every detail to be described.

Yet, the basic structure of the Mughal compositions often remained. This suggests that Rembrandt was interested not only in the subject matter but also in how the figures were posed and presented. A Mughal courtier could become a Rembrandt drawing without losing the essential identity of the original composition.

The result was neither entirely Mughal nor entirely European. It was something new.

Collecting and the Meaning of "Exotic" Objects

Rembrandt's interest in Mughal paintings should also be understood within the culture of collecting in seventeenth-century Europe.

European collectors were fascinated by objects that came from distant parts of the world. These objects could demonstrate wealth, learning, sophistication, and access to global networks.

Collections might include Asian textiles, shells, weapons, coins, ceramics, prints, manuscripts, and works of art.

For someone like Rembrandt, such objects could also become part of his artistic imagination.

They allowed him to study unfamiliar costumes, faces, patterns, materials, and visual traditions.

But it is important not to describe this simply as a European discovery of India. The objects had histories and meanings before they entered European collections. A Mughal painting made within an imperial court was transformed when it arrived in Amsterdam and became part of a European collection.

The movement of the object therefore created a new layer of meaning.

A Two-Way Exchange

Mughal emperors collected and studied European images.

European collectors acquired Mughal objects.

Mughal artists experimented with European techniques.

Rembrandt drew from Mughal compositions.

This was a two-way process of artistic exchange.

Jahangir's interest in European painting demonstrates that the Mughal court was not isolated from global artistic developments. The Mughals were active participants in an international world of diplomacy and commerce.

At the same time, Rembrandt's drawings show that European artists were incorporating Asian visual culture into their own practices. The encounter was not necessarily symmetrical, and the political and economic relationships between Europe and Asia were complex. Nevertheless, the circulation of images created unexpected connections between artists who lived thousands of miles apart.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Medallion Portrait of Muhammad Adil Shah of Bijapur, c.1656-61.

THE WALL

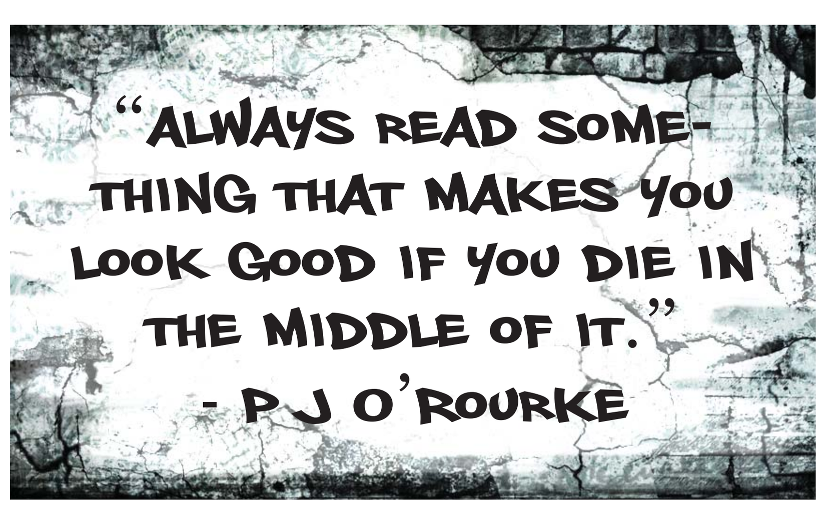

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

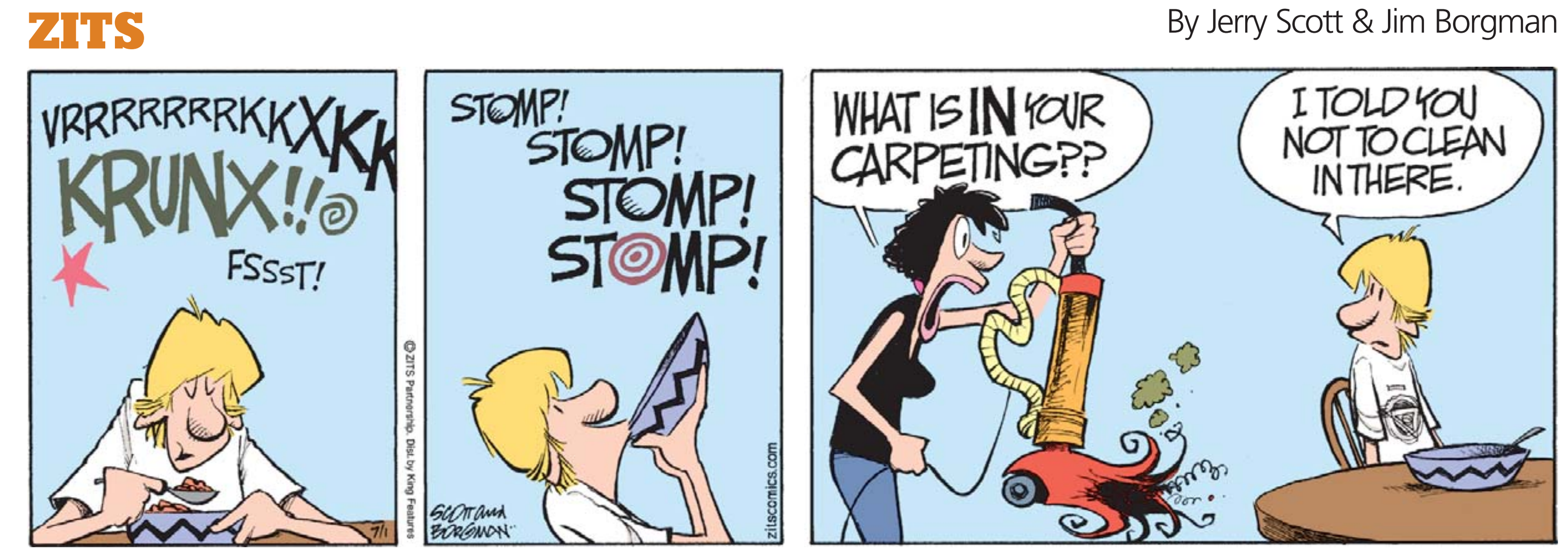

जैसलमेर जिले में गलत तरीके से अंत्योदय श्रेणी में पहुंचे 66 परिवार जांच के घेरे में

परिवारों को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए

- **'वैध दस्तावेज नहीं मिले तो 32 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से होगी वसूली'**
- **केवल राशनकार्ड धारियों की ही नहीं, बल्कि ई-मित्र संचालकों की भूमिका की भी जांच होगी**

जैसलमेर, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अत्यंत गरीबों के लिए निर्धारित अन्त्योदय श्रेणी का लाभ गलत तरीके से लेने वाले 66 परिवार जिला रसद विभाग की जांच के घेरे में आ गए है। जांच के दौरान इन परिवारों के राशनकार्ड सामने आए हैं, लेकिन अन्त्योदय श्रेणी में चयन से संबंधित वैध दस्तावेज आवेदन के साथ नहीं मिले। कई कार्ड पहले बीपीएल और एपीएल श्रेणी में थे, जिन्हें बाद में ई-मित्र के माध्यम से अन्त्योदय श्रेणी में परिवर्तित कर दिया गया।

जिला रसद अधिकारी सवाई राम ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने संबंधित राशन कार्डधारियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी गई है। परिवारों को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए गए है। निर्धारित अवधि में दस्तावेज पेश नहीं करने पर उनसे गेहूं की राशि वसूल की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सामान्य एनएफएसए और सामान्य परिवारों को अन्त्योदय योजना की तुलना में कम गेहूं मिलता है। सामान्य परिवार को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं दिया जाता है, जबकि अन्त्योदय परिवार को प्रति राशनकार्ड 35 किलोग्राम गेहूं प्रतिमाह उपलब्ध करवाया जाता है। ऐसे में गलत तरिके से श्रेणी परिवर्तन कराये जाने से खाद्य सुरक्षा योजना के वास्तवित पात्रों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है।

ई-मित्र संचालक भी जांच के दायरे में :- विभाग ने साफ किया है कि केवल राशनकार्ड धारियों की ही नहीं, बल्कि ई-मित्र संचालकों की भूमिका की भी जांच होगी। ई-मित्र संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि वे किसी भी अन्त्योदय श्रेणी के आवेदन को निर्धारित दस्तावेजों के बिना स्वीकार नहीं करें। यदि जांच में किसी ई-मित्र संचालक की और से नियमों की विपरित श्रेणी परिवर्तन का आवेदन कराया जाना सामने आता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि इन परिवारों को नोटिस जारी कर दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है, अगर वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाते है तो अब तक उन्होंने जो भी गेहूं लिया है। उसकी 32 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से वसूली की जाएगी।

लोन की रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर की, पूर्व कर्मचारी पर केस दर्ज

- **आरोप है कि पूर्व कर्मचारी ने मैनेजर की डिजिटल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर ग्राहकों की पासबुक की डिटेल बदली और लोन की रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां जवाहर नगर थाना क्षेत्र स्थित आरएलबी बैंक में महिलाओं के ग्रुप लोन की रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर 4.72 लाख रुपए के गबन का आरोप लगा है। ब्रांच मैनेजर रजत कुमार की शिकायत पर पुलिस ने बैंक के पूर्व ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव पर्वत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरोप है कि उसने मैनेजर की डिजिटल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर ग्राहकों की पासबुक की डिटेल बदली और लोन की रकम अपनी, परिचितों या तीसरे पक्ष के खातों में ट्रांसफर की। आंतरिक जांच में मामला सामने आने के बाद कंपनी अधिकारियों ने रकम वापस जमा कराने का प्रयास किया, लेकिन शिकायत के अनुसार राशि जमा नहीं कराई गई।

शिकायत के अनुसार पर्वत सिंह 15 सितंबर 2023 से 6 नवंबर 2025 तक बैंक में ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव था। उसका काम ग्राहकों के दस्तावेज वेरीफाई करना, लोन फाइल प्रोसेस करना और किस्त वसूलना था। आरोप है कि उसने कई मामलों में असली पासबुक हटाकर नकली या तीसरे पक्ष की पासबुक सिस्टम में अपलोड की और मैनेजर के पासवर्ड से उसे वेरीफाई किया। कुछ मामलों में अपनी या परिचितों की पासबुक का इस्तेमाल किया। धोखाधड़ी का पता देर से चले, इसके लिए कुछ किस्तें उसने खुद भी जमा कीं।

शिकायत के मुताबिक पूनम को 51 हजार रुपए का लोन स्वीकृत हुआ, लेकिन रकम उसके पीएनबी खाते की बजाय दूसरे खाते में चली गई। मंजु वासन के 51 हजार रुपए बैंक ऑफ बड़ौदा के अनधिकृत खाते में जमा किए गए। मीरा देवी के 50 हजार रुपए आरएमजी बैंक खाते में डायवर्ट किए गए। इसके अलावा सपना, लीला, राधा देवी और मंजु के 60 से 85 हजार रुपए तक के लोन भी तीसरे पक्ष के खातों में पहुंचाने का आरोप है। कुछ मामलों में पर्वत सिंह के मोबाइल का भी इस्तेमाल किया गया। कंपनी अधिकारी अभिषेक चौधरी ने मामले की आंतरिक जांच की। इसमें कई ग्राहकों ने बताया कि वे पर्वत सिंह के गांव या उसके परिचित हैं। कंपनी ने गबन की रकम वापस जमा कराने के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन शिकायत के अनुसार उसने रकम जमा नहीं कराई। पुलिस ने एसपी के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चेन लूट के दो आरोपियों को दिल्ली से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट राम मोहल्ला ने एक सितंबर को वृद्धा के गले से चेन लूटकर ले जाने के संबंध में पुलिस ने खुलासा करते हुए उत्तर पूर्वी दिल्ली के सिलामपुर निवासी इकबाल उर्फ पसीनी उर्फ गुडा और न्यू सलूंबर उत्तर दिल्ली निवासी वसीम उर्फ इमरान को गिरफ्तार किया है। नागौरी गेट थाना पुलिस ने बताया कि 1 सितंबर को सुधीर टाक पुत्र विजय सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया था। उसके अनुसार उसकी माताजी शाम के समय घर के बाहर बैठी थी तब दो बदमाश आए और पता पूछने के बहाने उनके गले से चेन तोड़कर भाग निकले थे।

भीलवाड़ा में फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

- **आरोपी 40 साल पहले मृत हो चुके व्यक्ति का फर्जी आधार कार्ड बनाकर करोड़ों की जमीन हड़पने की फिराक में थे**

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना गुलाबपुरा ने जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी 40 साल पहले मृत हो चुके व्यक्ति का कूटरचित (फर्जी) आधार कार्ड बनाकर करोड़ों की जमीन हड़पने की फिराक में थे।

जानकारी के अनुसार गुजरात के आणंद निवासी प्रार्थी पटेल चंद्रकांत (71) ने गुलाबपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, रूपाहेली तहसील हुरड़ा स्थित खाता संख्या 388 (पुराना 345) की कुल 3.5370 हेक्टेयर कीमती जमीन उनके दादा स्वर्गीय देसाई भाई के नाम दर्ज थी। देसाई भाई का देहांत 6 दिसंबर 1984 को ही हो चुका था, लेकिन भू-माफिया गिरोह ने उनके दादा को जिंदा दर्शाते हुए फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन की किसी अन्य के नाम रजिस्ट्री करवा दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच टीम ने तहसील कार्यालय हुरड़ा से रिकॉर्ड प्राप्त करने के बाद गुजरात पहुंचकर पड़ोसियों, ग्राम पंचायत व पटवारी से अहम साक्ष्य जुटाए। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गिरोह के दो सदास्य जमनालाल रेगर पिता मगना, निवासी केशवपुरा, मांडल, भीलवाड़ा और पूरण बैरवा पिता मोहन, निवासी देवखेड़ी, सदर, भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपी पूरण बैरवा ने खुलासा किया कि उसने अपने परिचित नारायण लाल श्रीमाली को फर्जी देसाई भाई बनाया। वहीं आरोपी जमनालाल ने मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर मांगीलाल नामक व्यक्ति की फोटो लगाकर देसाई भाई का फर्जी आधार कार्ड तैयार किया और सीताराम नामक व्यक्ति के नाम धोखे से रजिस्ट्री करवा दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर 3 दिन का पुलिस रिमांड हांसिल किया है। गिरोह के अन्य सदस्यों और फर्जीवाड़े से जुड़े अन्य मामलों को लेकर आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

भाई के दोस्त पर दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती के साथ उसके भाई के दोस्त ने दुष्कर्म किया।

घटना रविवार दोपहर की है। इसमें पीड़िता की तरफ से अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। पीड़िता का मेडिकल करवाए जाने के साथ अब अग्रिम जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिला पश्चिम में पीड़िता रविवार की दोपहर में अपने घर पर अकेली थी। तब उसके भाई का दोस्त आया और उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता द्वारा इस बारे में अब थाने में रिपोर्ट दी गई है। पीड़िता की उम्र करीब 18 साल होना बताया गया है। पुलिस ने इस बारे में जांच आरंभ की है।

महिला का मोबाइल लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्त में

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की सूरजपोल थाना पुलिस ने बाइक पर सवार महिला का मोबाइल छीनकर भागने वाले 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का मोबाइल और घटना में उपयोग ली गई बाइक भी जब्त की है।

थानाधिकारी सूर्यभान सिंह ने बताया कि आरोपी मानाराम निवासी गोवर्धन विलास और लिंबाराम निवासी कृष्णपुरी जावरमाइंस को जगदीश चौक एरिया से गिरफ्तार किया था। पुलिस आरोपियों से शहर में पूर्व में हुई वारदातों को लेकर भी पूछताछ कर रही है। हालांकि,बदमाशों पर पूर्व में कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है। परेश कुमार राव पिता पूरणमल निवासी भुवाणा ने 5 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया था कि वह और उसकी पत्नी दुर्गा राव बाइक से सेक्टर 14 किसी काम से गए थे। वापस अपने भुवाणा की तरफ लौटते वक्त रात करीब 8.15 बजे पारस चौराहे से गुजर रहे थे। तभी एक स्प्लेंडर बाइक पर दो युवक आए और चलती बाइक से महिला के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। तभी बाइक बेकाबू होने से गिरते-गिरते बचे। शिकायत पर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगाल कर आरोपियों की पहचान की और बाइक की लोकेशन का पीछा करते हुए उन्हें जगदीश चौक से डिटेन किया।

गोगाजी मेले के दंगल में 1.31 लाख की कुश्ती बराबरी पर छूटी

- **जैलाफ के संजय पहलवान और रोहतक के साहिल नाड़ के बीच हुआ मुकाबला बराबरी पर रहा**

मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद दंगल समिति की ओर से दोनों पहलवानों को 25-25 हजार की राशि देकर सम्मानित किया।

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा स्थित प्रसिद्ध गोगाजी धाम में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धा और रोमांच का अनूठा संगम देखने को मिला। गोगाजी महाराज के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालुओं ने मंदिर में धोक लगाकर खुशहाली की कामना की और मेले में जमकर खरीदारी की। मेले में उमड़ी भीड़ के बीच आयोजित कुश्ती दंगल आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

ग्राम पंचायत मेहाड़ा जाटवास की ओर से आयोजित कुश्ती दंगल में आसपास के क्षेत्रों सहित दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। दंगल की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित 1 लाख 31 हजार रूपए की इनामी कुश्ती जैलाफ के संजय पहलवान और रोहतक के साहिल नाड़ के बीच हुई। आखिरकार दोनों पहलवानों के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद दंगल समिति की ओर से दोनों पहलवानों को 25-25 हजार रूपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। मेले के दौरान विधायक धर्मपाल गुर्जर ने मुख्य सड़क से स्टेडियम तक विधायक कोष से नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। सड़क निर्माण से मेले के दौरान श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में प्रधान मनीषा गुर्जर, मदनलाल गुर्जर, होशियार सिंह चौधरी, प्रकाश चंद अवाना, रोहताश मनकड़ा, राजेश बबलू अवाना, प्रभु राजौता, सतीश खारड़िया, शंकरलाल, छोटेलाल पहलवान, चुन्नीलाल, विक्रम स्वामी, बिजनेस एवं कृष्ण सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जोधपुर : हादसों में दो लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति अपने घर की छत से गिर गया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई, जबकि मानसिक विमंदित युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई करते हुए शव परिजन को सुपुर्द किए।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि पालड़ी सिद्धा बोरूंदा हाल रावटी कच्ची बस्ती में रहने वाला 51 साल का सत्तूराम पुत्र केशाराम बावरी गत रात अपने घर की छत से नीचे गिर गया गया था। गंभीर रूप से घायल होने पर परिजन ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। उसके पुत्र पवनराम की तरफ से पुलिस ने मर्ग दर्ज किया। दूसरी तरफ गुरूकृपा मानसिक विमंदित गृह आंगणवा के सुपरवाइजर महेंद्र ने मंडोर थाने में दर्ज कराई मर्ग रिपोर्ट में बताया कि केंद्र पर रह रहा अज्ञात 28 साल का किशन की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मंडोर पुलिस ने कार्रवाई कर शव सौंप दिया।

केबल चोरी मामले में एक आरोपी गिरफ्त में

रूपवास/भरतपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने समर्सिबल की केबल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सामरी निवासी मुरारीलाल ने 27 अगस्त को रूपवास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसके समर्सिबल की केबल चोरी कर ली गई है। परिवादी ने अपनी रिपोर्ट में तुर्कपुरा निवासी भंवर सिंह सहित दो व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया था।थानाधिकारी के निर्देश पर टीम ने मामले की जांच करते हुए तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से एक आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र के नगला मालियान निवासी लवकुश को गिरफ्तार कर लिया।

न्यायिक अभिरक्षा में रहते हुए पूरा वेतन उठाने का आरोप

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगा, केस दर्ज

- **उपस्थिति पंजिका में मेडिकल अवकाश दर्ज कर पूरा वेतन उठाने और पद का दुरुपयोग कर राजकोष को नुकसान पहुंचाया**

हनुमानगढ़, (निसं)। न्यायिक अभिरक्षा में रहे पशु चिकित्सा अधिकारी ने मेडिकल अवकाश दिखाकर पूरा वेतन उठाया, पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार जेल में रहते हुए पूरा वेतन उठाने के आरोप में गोगामेड़ी के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उन पर न्यायिक अभिरक्षा में रहने के दौरान उपस्थिति पंजिका में मेडिकल अवकाश दर्ज कर पूरा वेतन उठाने और पद का दुरुपयोग कर राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

गोगामेड़ी पशु अस्पताल में एसएल पद पर कार्यरत गांव मुंसरी निवासी संतोष (30) पत्नी विजय जाट ने थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी रिपोर्ट में संतोष ने बताया कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र अमर सिंह निवासी निनाण वर्तमान में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी गोगामेड़ी के पद पर कार्यरत हैं। उनके खिलाफ महिला उत्पीड़न का मामला गोगामेड़ी पुलिस थाने में 20 जुलाई 2026 को दर्ज करवाया गया था। मामले की जांच के बाद महिला उत्पीड़न के आरोप प्रथम दृष्टया सिद्ध पाए जाने पर पुलिस ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। अगले दिन 24 जुलाई को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। शिकायत के अनुसार, न्यायालय में पेश किए जाने के बाद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद न्यायिक अभिरक्षा में रहे। इसी दौरान उनका सरकारी अस्पताल गोगामेड़ी में स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, स्वास्थ्य परीक्षण में उन्हें स्वस्थ एवं फिट बताया गया था। संतोष ने आरोप लगाया कि न्यायिक अभिरक्षा में रहने के बावजूद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय की कर्मचारी उपस्थिति पंजिका में 22 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक मेडिकल अवकाश दर्ज कराया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी प्रविष्टि के आधार पर संबंधित दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने पूरे माह का वेतन भी उठा लिया।

शिकायत में कहा गया है कि यदि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद उक्त अवधि में न्यायिक अभिरक्षा में थे, तो उनके द्वारा मेडिकल अवकाश दर्शाकर वेतन लेना अनुचित आर्थिक लाभ की श्रेणी में आता है। इससे डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को अनुचित आर्थिक लाभ और राजकोष को अनुचित आर्थिक नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है।

परिवादिया ने मामले में कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और उन्हें असल दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गोगामेड़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक भूपसिंह को सौंपी है। अब पुलिस उपस्थिति पंजिका में दर्ज मेडिकल अवकाश, स्वास्थ्य परीक्षण से संबंधित रिकॉर्ड, न्यायिक अभिरक्षा की अवधि और वेतन भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की जांच करेगी।

'लेखक जन सरोकारों से जुड़ेगा, तभी मानवीय गुणों से जोड़ने वाला साहित्य लिख पायेगा'

जनवादी लेखक संघ की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में ''अन्तर्वस्तु के सवाल'' विषय पर दो सत्र आयोजित किये गये

कार्यशाला में समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

- **लेखक को कहानी का अंत समझ नहीं आये तो उसे खूबसूरत मोड देकर छोड़ देना चाहिए : प्रोफेसर सगीर अफ़राहिम**

अलवर। जनवादी लेखक संघ (जलेस) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में आज ''अन्तर्वस्तु के सवाल'' विषय पर दो सत्र आयोजित किये गए, जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर सगीर अफ़राहिम, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बजरंग बिहारी तिवारी, आकाशवाणी लखनऊ की संवाददाता समीना खान, कथा आलोचक राजाराम भादू, शंभूशरण सत्यार्थी, गजेंद्र रावत ने कहानी की अंतर्वस्तु के विभिन्न पक्षों पर विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर प्रो.सगीर अफ़राहिम ने उर्दू साहित्य के हवाले से हिंदी कहानी को जीवन संदर्भों का दस्तावेज बताते हुए कहा कि कहानी लेखन में सबसे ज्यादा जरूरी मनुष्य और उसके मुद्दे होने चाहिए। लेखक को कहानी रचते समय कभी भी अंत को लेकर लेकर परेशान नहीं होना चाहिए। कहानी का अंत अगर समझ नहीं आता है तो उसे खूबसूरत मोड़ देकर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने हिंदी उर्दू रचनाकारों से जुड़े अपने अनुभव साझा किये। समीना खान ने सत्ता द्वारा किसी मुद्दे को भटकाने के लिए घटना की अंतर्वस्तु को कैसे बदला जाता है इस बात को लखनऊ के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि आज भौतिक सत्ता से प्रभावित साहित्यकारों द्वारा लखनऊ की समृद्ध संस्कृति और साहित्य की चर्चा करने के बजाय लखनऊ को केवल खानपान की चर्चा तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कहानी मनुष्य में दया और प्रेम का हार्मोन सृजित करती है, किंतु आज साहित्य से यह हार्मोन गायब किया जा रहा है।

राजाराम भादू ने कथ्य के विस्तार की बात करते हुए सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा जन आंदोलनों को कुचल ने की बात को कहानी से जोड़ते हुए लेखकों से जन सरोकारों के साथ निडरता से जुड़े रहने का आव्हान किया। बजरंग बिहारी तिवारी ने जीवन के विभिन्न संदर्भों से विमर्श मूलक साहित्य रचने की बात कही। उन्होंने दलित साहित्य में हिंसा के विभिन्न रूपों से अवगत कराया।

समापन सत्र में जलेस के राष्ट्रीय महासचिव नलिन रंजन सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला कहानी लेखन से अधिक लेखकों को जन सरोकारों से जोड़ने का सेतु है। लेखक स्वयं जन सरोकारों से जुड़ेगा तभी वह समाज को मानवीय गुणों से जोड़ने वाला साहित्य लिख पायेगा। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों का संचालन योगमाया सैनी, देशराज वर्मा, पीसी रथ ने किया। कार्यशाला के संयोजक संदीप मील ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि धन्यवाद उद्बोधन जलेस अलवर इकाई के सचिव भरत मीना ने दिया। इस अवसर पर अलवर के वरिष्ठ साहित्यकार जीवन सिंह मानवी, नीलाभ पंडित, छंगाराम मीना, रमेश बैरवा, भागीरथ, प्रदीप गाँधी, राघवेंद्र रावत, घनश्याम शर्मा, मनीष सिनसिनवार इत्यादि उपस्थित रहे।

सादुलपुर के जवान दिनेश का सड़क हादसे में निधन

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव गोविंद सिंह का बास, पोस्ट नूहंद निवासी वीर जवान दिनेश कुमार का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बीकानेर से सेना की गार्ड टुकड़ी पार्थिव शरीर के साथ शहीद स्मारक राजगढ़ पहुंची, जहां पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां, सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया, भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा पूनिया, पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष मुकेश पूनिया, युवा कांग्रेस नेता कुलदीप पूनिया हमीरवास, तेजपाल पूनिया, पूर्व अध्यक्ष जगत सिंह, प्रो. दिलीप पूनिया, राजपाल बिशु व नरेन्द्र सांगवान, उम्मेद पूनिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। शहीद स्मारक राजगढ़ से शहीद के पैतृक गांव बास गोविंद सिंह तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

गौरतलब है कि दिनेश कुमार भारतीय सेना की 2 जाट रेजिमेंट में अरुणाचल प्रदेश में तैनात थे। वे छुट्टी पर आए हुए थे और रविवार को बाइक से घरेलू काम से जा रहे थे, उसी दौरान पिलानी-लोहारू के बीच बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए भिवानी के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने पैदल जा रहे युवक को कुचला

आक्रोशित ग्रामीणों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में एक बार फिर तेज रफ्तार भारी वाहन ने कहर बरपाते हुए पैदल जा रहे एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। दर्दनाक हादसे में मुरारी लाल शर्मा पुत्र हनुमान निवासी रामपुरा की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दुर्घटना स्थल पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और अपनी मांगों को लेकर मौके पर ही डटे रहे। हादसे की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी पावटा बृजेश कुमार, डीवाईएसपी विराटनगर उमेश निठारवाल एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रेलर को जब्त कर लिया, जबकि चालक मौके से फरार हो गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में इन वाहनों की आवाजाही के लिए एमडीआर सड़क बनाई हुई है फिर भी भारी एवं तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही आबादी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी इसी तरह पैदल जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया था। उस हादसे के बाद भी भारी वाहनों की रफ्तार पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया। अब दोबारा इसी तरह का हादसा होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। वहीं कांग्रेस नेता रामस्वरूप कसाना, रामनिवास यादव सहित ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने, फरार चालक को जल्द गिरफ्तार करने, ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक वे प्रदर्शन समाप्त नहीं करेंगे। मौके पर उपखंड अधिकारी पावटा बृजेश कुमार, डीवाईएसपी विराटनगर उमेश निठारवाल एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम द्वारा ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास करते हुए पांच घंटे बाद भामाशाहों के सहयोग से आर्थिक सहयोग व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, घर में एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी के आश्वासन के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

भरतपुर के सेवर में कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से महिला की मौत, पांच घायल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे और भर्ती घायलों का हालचाल जाना

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र के सेवर कस्बे में सोमवार को कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में मलबे की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसा सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में हुआ।

- **प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई, राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है, यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर से दीवार हिली हो सकती है**
- **सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला**

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी कच्ची दीवार के ऊपर बना छज्जा अचानक गिर गया। दीवार गिरने के बाद मलबा दूसरे मकान की छत पर जा गिरा, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं घायल पांच लोगों का इलाज जारी है। प्रशासन के अनुसार फिलहाल सभी घायल स्थिर बताए जा रहे हैं और चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

घटना की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों और अधिकारियों से घायलों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली तथा सभी घायलों को बेहतर और तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए और जरूरत के अनुसार उन्हें हर संभव मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई जाए।

एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बताया कि सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में एक कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से हादसा हुआ। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हुई है, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल फिलहाल स्टेबल हैं और डॉक्टरों की पूरी टीम उनके इलाज में लगी हुई है। कलेक्टर, एसपी, डीसी और मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की है। अधिकारियों ने चिकित्सकों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को हर संभव उपचार और सहायता उपलब्ध कराई जाए।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई। राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है। यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर के कारण दीवार हिली हो सकती है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। कलेक्टर ने बताया कि दीवार दूसरे मकान की छत पर गिरने की प्रारंभिक जानकारी है। हादसे में एक महिला की मौत हुई है और पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से पूरे मामले की जानकारी को मौके पर दोबारा सत्यापित किया जा रहा है।

हादसे के बाद एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। प्रशासन के अनुसार सभी लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। इसके बावजूद किसी अन्य व्यक्ति के मलबे में दबे होने की आशंका को पूरी तरह खत्म करने के लिए मौके की दोबारा जांच कराई जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें पूरे घटनास्थल को रीचेक कर रही हैं और अंतिम पुष्टि के बाद ही राहत-बचाव अभियान को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। फिलहाल आरबीएम अस्पताल में भर्ती घायलों की स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। अधिकारियों ने चिकित्सकों को घायलों के स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग करने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर चार इंच बरसात हुई

उदयपुर, (कासं)। मानसून की गतिविधियों के बीच पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के कानोड़ और उदयसागर क्षेत्र में भी बारिश हुई,लेकिन उदयपुर शहर में अभी तक तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में राजस्थान में सबसे अधिक चार इंच बारिश चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर दर्ज की गई। वहीं प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश हुई। वहीं उदयपुर जिले में कानोड़ में 21 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जो करीब एक इंच के बराबर है। वहीं उदयसागर क्षेत्र में 13 मिलीमीटर, यानी करीब आधा इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है। शहर और आसपास के इलाकों में लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद बनी हुई है।

- **प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश दर्ज**
- **बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है**

मौसम विभाग के आगामी पूर्वानुमान के बीच अब निगाहें उदयपुर शहर और जिले में होने वाली अगली बारिश पर टिकी हैं। मानसून के विदा होने का समय आ गया है और अभी तक उदयपुर संभाग सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में तेज बारिश नहीं होने से आमजन के साथ ही किसानों की चिंता बढ़ गई है।

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार विज्ञान नगर क्षेत्र में 37 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विज्ञान नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि विज्ञान नगर निवासी कैलाशचंद (ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया।

कोटा में होमगार्ड की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक युवक की तबियत बिगड़ने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया

जानकारी के अनुसार होमगार्ड जवान घर पर खाना खाकर सो गया। उठने के बाद अचानक से तबियत बिगड़ी, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। बोरखेड़ा थानाधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि बोरखेड़ा निवासी होमगार्ड अमित कुमार (42) की जन्माष्टमी पर ड्यूटी लगी थी, जिसे बाद वह घर पर था। घर में अचानक से तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

युवती की बरामदगी को लेकर थाने का घेराव कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज

बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं, ग्रामीणों को भी चोटें आई हैं

सादुलपुर, (निसं)। कानावासी गांव की युवती की गुमशुदगी पर युवती को सकुशल बरामद करने की मांग को लेकर धरने पर पांचवें दिन सोमवार को पुलिस थाना हमीरवास का घेराव कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बर्बर कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज कर दिया।

लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया मौके पर पहुंची। पूनिया ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीक़े से प्रदर्शन कर रहे परिजनों और ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करना भाजपा सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा किसानों पर लाठीचार्ज को कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। भाजपा सरकार और उसके अन्याय के ख़िलाफ़ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

- **पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है**
- **लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया पहुंची**

पूर्व विधायक डॉक्टर कृष्णा पूनिया ने दूरभाष पर चूरू पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रशाद से वार्ता कर ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना से अवगत कराया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ख़ुद पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठ गई और कहा कि भाजपा सरकार को इस तानाशाही का ख़ामियाज़ा सरकार को भुगतना पड़ेगा। पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन लाठी के दम किसानों को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी हूँ। पुलिस द्वारा जनप्रतिनिधि के साथ अभद्रता करना निंदनीय है।

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पूनिया ने बताया कि ग्रामीण नारेबाजी करते हुए पुलिस थाने के मुख्य द्वार की तरफ़ बढ़ रहे थे, तभी अचानक पुलिस प्रशासन द्वारा लाठीचार्ज कर दिया गया। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं। लाठीचार्ज में ग्रामीणों को चोटें आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने बातचीत की बजाए लाठीचार्ज से धरने प्रदर्शन को दबाने का का प्रयास किया है। लाठीचार्ज में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पूनिया, राशिद ख़ान, अजीत पूनिया, सोनू, नवीन काजला, रामकिशन काजला, अनिता देवी, रामकिशन सहारन, मनीष काजला, मिश्रो देवी, संतोष देवी लाठीचार्ज में घायल हो गए।

'वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी जरूरी'

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को एन.जी.टी. अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने संबोधित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरणीय आकांक्षा नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक लक्ष्य है। इसे समर्पित प्रयासों, बेहतर योजना और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए हासिल किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। वे सोमवार को अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पर्यावरण भवन में आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे।

- **10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लखनऊ पहले, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा**
- **न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी**

समारोह को संबोधित करते हुये न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी। समारोह में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए।

10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के इंदौर को दूसरा और जबलपुर को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत शामिल 130 शहरों का वार्षिक आंकलन है।

न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि वायु प्रदूषण एक जटिल चुनौती है, क्योंकि यह राजनीतिक और प्रशासनिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने ऋग्वेद के मधु सूक्त का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में भी मानव जीवन और पर्यावरणीय शक्तियों के बीच सामंजस्य तथा वायु और जल की शुद्धता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर उसके अनुरूप व्यवहार करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

मंदिर से चोरी हुये छत्र को खरीदने का आरोपी गिरफ्तार, पांच छत्र बरामद

खेतड़ी, (निसं)। गोठड़ा थाना पुलिस ने मंदिर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी के चांदी के छत्र खरीदने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोकेश पुत्र लखीप्रसाद, निवासी वार्ड नंबर 6, पुराना बाजार पलसाना, थाना रानोली, जिला सीकर के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 25 मई को छाजुवाला धाम मंदिर, केशा की ढाणी, तन पुजारी की ढाणी में अज्ञात चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ दिया और मंदिर से पांच चांदी के छत्र चोरी कर लिए थे। घटना के बाद गोठड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात में शामिल बलराज, मुकेश कुमार और महिपत सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने चोरी के चांदी के छत्र खरीदने वाले लोकेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। पुलिस अब चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर भी जांच कर रही है।

जोधपुर के देचू में एक ही रात में छह घरों में लाखों की चोरी

जोधपुर, (कासं)। देचू के एक निजी स्कूल और आम चोहटा के पास देर रात चोरों ने 6 घरों को निशाना बनाया। चोर यहां से सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

- **22 तोला सोना, 182 तोला चांदी और 3.10 लाख रुपए ले गए चोर**

जानकारी के अनुसार चोरों ने देचू निवासी हनुमान राम गवारिया के घर से 22 तोला सोने के गहने, 182 तोला चांदी के गहने और 3 लाख 10 हजार रुपए चुराए। इसके अलावा, मोहनसिंह, हड़वंत सिंह, रानीदान सिंह, गुमानसिंह और सवाई सिंह के घरों से भी नकदी और गहने चोरी हुए हैं। इन घरों में चोरी हुए सामान को लेकर पुलिस जांच कर रही है। ये सभी पीड़ित देचू के आदर्श स्कूल के पीछे ढाणियों में रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस समय बाबा रामदेव का मेला चल रहा है। चोर इसी का फायदा उठा रहे हैं। देर रात बाबा रामदेवरा जाने वाले यात्री डीजे साउंड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे घरों में हो रही चोरियों की आवाज सुनाई नहीं देतीं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर

क्रमांकः-2012 दिनांकः 21/08/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Modern Record Rooms construction at Colonisation Tehsils in Bikaner and Jaislmer Distrcit of Colonisation Department Bikaner की अनुमानित लागत 140.44 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन / डाउनलोड की अवधि दिनांक 31.08.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 09.09.2026 को सायं 06.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 11. 09.2026 को प्रातः 12.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डी.आई.पी.आर की वेबसाईट www. dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN-CDB2627WSOB00085

(शिवराम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता,
ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि,
इंगानप, बीकानेर
मोबाईल-9414853126

DIPR/C/15589/2026

नशामुक्ति का संकल्प लेकर युवाओं ने सचिन पायलट का जन्मदिन मनाया

'यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प' कार्यक्रम में युवाओं ने समाज को नशामुक्त बनाने का प्रण लिया

नोहर। कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के 49वें जन्मदिन पर किसान छात्रावास, नोहर एवं जाट धर्मशाला, पल्लू में सुचित्रा आर्य समर्थक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए अनूठे अंदाज में मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प' रहा।

इस अवसर पर युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने नशे से स्वयं दूर रहने, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नशा आज युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को नशे से बचाना केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों को जनआंदोलन का रूप देना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं के रोल मॉडल और प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। ऐसे में उनके जन्मदिन को नशामुक्ति जैसे सामाजिक संकल्प के साथ मनाना युवाओं के बीच एक सकारात्मक और सार्थक संदेश देने की पहल है।

- **'सचिन पायलट का संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है'**

नोहर में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने कैक काटकर मनाया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर भी शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि सचिन पायलट के प्रभावी नेतृत्व एवं शानदार संगठनात्मक क्षमता से पंजाब कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा आगामी समय में पार्टी विजय की पताका फहराएगी। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष केशुराम पूनिया, ओमप्रकाश कस्वां, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कृष्ण महिया, मास्टर तरुण मेघवाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भंवरलाल बुढ़ानिया, शीशपाल मील, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष कालूराम खीचड़, हनुमान कुकना, भूपेंद्र सहारण, धर्मपाल बिस्सू, किसान छात्रावास अधीक्षक मोहन सुथार एवं सेवादल ध्वजवाहक विजय सैन सहित बड़ी संख्या में युवा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर सेंट्रल जेल से उम्रकैद का बंदी फरार

अलवर, (निसं)। अलवर की सेंट्रल जेल से उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी फरार हो गया। वह जेल के खुले बंदी शिविर से गायब हो गया। रविवार सुबह नियमित हाजरी में गायब मिलने पर जेल प्रशासन ने कैदी के फरार होने की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि बंदी गोपाल उर्फ रामगोपाल पुत्र किशनलाल निवासी नांगल रूपा, थाना खेडली, अलवर का रहने वाला है। अपर जिला व सेशन न्यायधीश कठूमर ने हत्या और आयुध अधिनियम के तहत उसे दोषी ठहराया था और 23 सितंबर 2022 को अदालत ने उसे उम्र कैद की सजा सुनाई थी। जेल प्रशासन के मुताबिक 6 सितंबर की सुबह खुले बंदी शिविर में सभी कैदियों की परेड और गिनती कराई गई, लेकिन गोपाल उर्फ रामगोपाल हाजरी में मौजूद नहीं था। इसके बाद उसके आवास गृह की जांच की गई, लेकिन वह वहां भी नहीं मिला। शिविर के आसपास तलाश करने के साथ उसके रिकॉर्ड में दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन मोबाइल पर इनकमिंग कॉल चालू नहीं होने के कारण उससे संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद केंद्रीय कारागृह अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रहरी सतीश चंद शर्मा के माध्यम से कोतवाली थाने में तहरीरी रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई बृजेन्द्र को सौंपी गई है। पुलिस अब फरार बंदी की तलाश में जुटी है।

कांग्रेस ने 15 बागी प्रत्याशियों को निष्कासित किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम का चुनावी दौर में है। यहां के 19 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है। इधर, बागी प्रत्याशियों को लेकर भी दोनों दल एक्टिव हो गए हैं। कांग्रेस ने जहां 15 बागी प्रत्याशियों समेत पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेकर उन्हें निष्कासित किया।

कांग्रेस के संगठन महामंत्री कुश गहलोत ने बताया कि दो दिन में 40 लोगों को सस्पेंड किया गया है। ताकि कार्यकर्ताओं में मैसेज जाए कि संगठन के नियमों के अनुसार ही काम करना है। वहीं भाजपा अपने प्रत्याशियों के सामने खड़े बागियों को मना रही है।

इधर, प्रशासन ने जिले की 6 नगर पालिकाओं में पहले चरण में होने वाले चुनावों को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सोमवार को जोधपुर पहुंचेंगे।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत अलवर
सा.नि.वि, परिसर, अशोका टाकीज के पास, कचहरी रोड, अलवर
फोनः- 0144-2737038, E-mail:-sealw.pwd@rajasthan.gov.in

क्रमांक 1766 दिनांक 01.09.2026

Corrigendum Short Term NIT No 12/2026-27

Construction of Various Missing Link / Non-Patchable Roads under the Jurisdiction of PWD Divisions Alwar and Atal path at jurisdiction of PWD Div Kathumar, District Alwar Online bids are invited from eligible and interested bidders for the above-mentioned works. As per Corrigendum officer order date 01-09-2026, the bidding process will commence from 22.08.2026 at 02:00 PM up to 08.09.2026 at 06:00 PM. Detailed bidding documents and other particulars may be downloaded from the State Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in, and the PWD departmental website http://pwd.rajasthan.gov.in.
The approximate value of the procurements is 872.06 Lakhs.

UBN No: -
1. PWD2627WSOB11432
2. PWD2627WSOB11433
3. PWD2627WSOB11434
4. PWD2627WSOB11435
5. PWD2627WSOB11431

Superintending Engineer
PWD Circle Alwar

DIPR/C/15647/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड प्रथम, सीकर

क्रमांकः दिनांकः

संशोधित निविदा सूचना संख्या 12/2026-27
(RO No. 14906)

इस कार्यालय के क्रमांक 2658 दिनांक 11.08.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 12/2026-27 के क्रम संख्या 8 पर अंकित कार्य को अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधित किया जाता हैः-

विवरण	पूर्व दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	27.08.2026 को दोपहर 1.00 बजे	10.09.2026 को दोपहर 1.00 बजे

नोटः- संवेदक द्वारा धरोहर राशि के रूप में डिमाण्ड ड्राफ्ट / बैंकर चैक / बैंक गारन्टी / ई-बैंक गारन्टी / इन्सुरेन्स श्योरिटी बॉण्ड के माध्यम से जमा करवाता है तो भौतिक रूप से दिनांक 10.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है।

NIB Code PWD2627A2233
UBN Code PWD2627WSOB09980
निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

(प्रकाश चन्द्र)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि., खण्ड प्रथम, सीकर

DIPR/C/15508/2026

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण बना : मुख्य सचिव

8 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे : शिखर अग्रवाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 10 दिसंबर प्रवासी राजस्थानी

■ **10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन तक और अधिक एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी के निर्देश दिए**

दिवस तक अधिकाधिक एमओयू को धरातल पर उतारने के लक्ष्य के साथ समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।शासन सचिवालय में सोमवार को राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन के दौरान हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने को कहा। उन्होंने निवेश परियोजनाओं से जुड़ी फाइलें शीघ्र प्रस्तुत करने तथा जिला कलक्टरों के साथ समन्वय कर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए। ऊर्जा एवं राजस्व विभाग से अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने भूमि की पहचान एवं आवंटन से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान करने को कहा, ताकि निवेश परियोजनाओं में अनावश्यक देरी न हो। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने स्वीकृति योग्य प्रकरणों को शीघ्र मंजूर करने और जिनमें स्वीकृति संभव नहीं है, उनमें तत्काल निर्णय लेने के निर्देश दिए। बैठक में विभागवार लक्ष्यों और प्रगति की समीक्षा की गई तथा निवेश प्रस्तावों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। संबंधित जिला कलक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए एमओयू के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक ली।

साक्षरता से सशक्त होता है समाज : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञान, आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

देवनानी ने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। साक्षरता व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम करती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है।

ज्ञान व्यक्ति के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज में विवेक, समानता, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा और ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल ने ली शपथ

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई।

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई। जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट के 44 वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। शपथ के बाद राष्ट्रपति भवन से जारी वारंट पर साइन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्यपाल से जस्टिस संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से सीजे अग्रवाल के नियुक्ति वारंट को पढकर सुनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि, हाईकोर्ट के जज, अधिकारी व वकील सहित सीजे अग्रवाल के परिजन भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद सीजे जोधपुर के लिए रवाना हो गए। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता के बीच में चल रहे विवाद के दौरान पिछले दिनों ही सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद 4 सितंबर को भारत सरकार के विधि व न्याय मंत्रालय ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की और राष्ट्रपति भवन से उनके नियुक्ति वारंट जारी किए गए।

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाकर 16 नवंबर तक पालना रिपोर्ट पेश करो : हाईकोर्ट

प्रताप नगर सेक्टर-5 में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम और हाऊसिंग बोर्ड को निर्देश दिए अदालत ने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रताप नगर के सेक्टर 5 के पास स्थित सरकारी भूमि से नगर निगम और आवासन मंडल को अतिक्रमण हटाकर 16 नवंबर को पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश विकास समिति सेक्टर 5 की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख नगरीय विकास सचिव सहित जेडीए, निगम और आवासन मंडल के अधिकारी अदालत में पेश हुए। प्रमुख नगरीय विकास सचिव की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में गत 3 सितंबर को बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें निर्णय लिया गया की मौके पर मौजूद अतिक्रमणों को आवासन मंडल और नगर निगम मिलकर हटाएगा। अतिक्रमण हटाने के लिए राज्य सरकार की ओर से तीन माह का समय मांगा गया।

इस पर अदालत ने निगम आयुक्त और आवासन मंडल से 16 नवंबर को शपथ पत्र पेश कर पालना रिपोर्ट दायर करने को कहा है। बीती सुनवाई पर अदालत के सामने आया था कि कॉलोनी को नगर निगम के क्षेत्राधिकार में सौंपा जा चुका है। वहीं निगम आयुक्त ने अदालत में पेश होकर कहा था कि विवादित कॉलोनी से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम उत्तरदायी नहीं है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि जब जवाब पेश कर मौके पर अतिक्रमण माना जा चुका है तो फिर उसे हटाने की जिम्मेदारी क्यों नहीं ली जा रही है।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख नगरीय विकास सचिव, जेडीए और आवसन मंडल सचिव सहित निगम आयुक्त को 7 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विकास काबरा ने बताया कि हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2022 को नगर निगम को आदेश दिए थे कि वह अतिक्रमण के संबंध में मिली शिकायतों का परीक्षण करें और अतिक्रमण पाए जाने पर चार माह में नियमानुसार कार्रवाई करे।

इसके बाद 24 जुलाई को जेडीए और आवासन मंडल सहित अन्य विभागों के अफसरों ने बैठक कर माना की मौके पर करीब 145 अतिक्रमण हैं, लेकिन इन्हें रोड, सीवरेज और बिजली-पानी के कनेक्शन जारी हो चुके हैं। इसलिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर इन्हें नियमित करने की छूट मांगी जाएगी। इस प्रार्थना को हाईकोर्ट खारिज कर चुकी है। इसके बावजूद भी अभी तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

जयपुर, अलवर, सवाईमाधोपुर, डीडवाना और कुचामन में जीएसटी विभाग की कार्रवाई

जयपुर । वाणिज्यिक कर विभाग ने कर अपवंचना, फर्जी बिलिंग, सर्कुलर ट्रेडिंग और अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। जयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर एवं डीडवाना-कुचामन में किए गए निरीक्षणों में करीब 1.93 करोड़ रुपए की संभावित कर देयता सामने आई, जबकि करदाताओं ने 1.74 करोड़ रुपए से अधिक स्वैच्छिक रूप से जमा या रिवर्स किए।जयपुर की एम/एस पद्मावती ट्रैवल्स एंड कार्गो के यहां 1 सितम्बर को जांच में 1 करोड़ 38 लाख 88072 रुपए की आईजीएसटी आईटीसी का रिवर्सल नहीं किया जाना सामने आया। विभाग की कार्रवाई के बाद करदाता ने पूरी राशि स्वैच्छिक रूप से जमा कर दी। अलवर सॉल्वेक्स के यहां जांच में आग से नष्ट स्टॉक व आईटीसी से जुड़े मामले में करीब 30 लाख रुपए की संभावित देयता

■ **निरीक्षण के दौरान 1.74 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स स्वैच्छिक रूप से जमा कराया**

सामने आई। यहां एम/एस एडल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के लिए सरसों तेल की पैकिंग का जॉबवर्क किया जाता है और 11 सितम्बर को दस्तावेज व लेखा पुस्तकों के साथ उपस्थित होने का समन जारी किया गया है।

खेरलीवाला प्रोडक्ट्स प्रा. लि. , अलवर में करीब 12 लाख रुपए की संभावित देयता के मामले में 10 लाख रुपए जमा कराए गए।

सुजानगढ़ के गायत्री स्टोन क्रशर में सर्कुलर ट्रेडिंग, बिना वास्तविक आपूर्ति के बिल, आरसीएम में अंतर और टर्नओवर छिपाने की आशंका पर करीब 10.15 लाख रुपए की संभावित देयता आंकी गई और बिक्री संबंधी दस्तावेज जब्त किए गए।

सवाई माधोपुर के एम/एस शिव ऑयल इंडस्ट्रीज, खंडार में वर्ष 2022-23 की 16,61,504 रुपए और 2023-24 की 12 लाख 37 हजार 80 रुपए, कुल 28.98 लाख रुपए की आईटीसी के उपयोग का मामला सामने आया। इसमें 15 लाख रुपए स्वैच्छिक जमा हुए और विस्तृत जांच जारी है।

डीडवाना-कुचामन के मकराना स्थित एम/एस राधे कृष्णा टिम्बर्स में बिना उचित बिलिंग और आईटीसी के जरिए कर देयता कम करने की आशंका पर करीब 12 लाख रुपए की संभावित राशि आंकी गई। करदाता ने 10 लाख रुपए कैश लेजर के माध्यम से जमा किए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी मामलों में दस्तावेज, लेखा पुस्तकों, रिटर्न और डिजिटल डेटा के आधार पर जांच जारी रहेगी तथा तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

मतदान के लिए मिलेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों के आम चुनाव के लिए 9 व 11 सितंबर को मतदान होगा। मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) के तहत मतदान के दिन मतदाता सूची में नाम वाले नियोजित कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा।संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि 9 एवं 11 सितंबर में से जिस तारीख को संबंधित क्षेत्र में मतदान होगा, उस दिन वहां स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी पात्र कामगारों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा।

399 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

जयपुर। जन्माष्टमी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम ने 1 से 5 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान दूध, मावा, पनीर, घी, मिठाई, मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों और प्रतिष्ठानों की जांच की गई। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस दौरान399 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 802 नमूने लिए गए। इनमें 390 प्रवर्तन और 412 निगरानी नमूने शामिल हैं।

जिंदा बम प्रकरण में उम्रकैद काट रहे अभियुक्त को रिहा करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार किया

जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त मोहम्मद सरवर आजमी को रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना वी. पराले की खंडपीठ ने यह आदेश सरवर आजमी की ओर से दायर सजा सस्पेंड के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता। प्रार्थना पत्र में अभियुक्त की ओर से कहा गया कि घटना के दिन हुए आठ बम धमाकों में कई लोग मारे गए और कई घायल हुए थे। इसके अलावा एक बम जिंदा मिला था। वह ब्लास्ट हुए बम धमाकों को लेकर चले आठ मामलों में हाईकोर्ट से पहले ही बरी हो चुका है। सभी 9 बम एक ही साजिश का हिस्सा थे, इसलिए यदि उसे आठ मामलों में निर्दोष पाया गया है, तो इस जिंदा बम के मामले में उसे जेल में नहीं रखा जा सकता।

प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया कि उसे मामले में घटना के 12 साल

■ **अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता।**

बाद गिरफ्तार किया गया और यह करीब पन्द्रह साल जेल में बिता चुका है। इसलिए उसे रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने अदालत को बताया कि जिंदा बम का मामला आठ अन्य मामलों में पूरी तरह अलग है। जिस साइकिल का उपयोग बम ले जाने के लिए किया गया था, उसे बेचने वाले विक्रेता ने सरवर आजमी को बतौर खरीदार के तौर पर पहचाना है। इस साक्ष्य को पहले के मामलों में हाईकोर्ट ने खारिज नहीं किया था। वहीं आठ मामलों में बरी करने के फैसले के खिलाफ भी राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। एएजी ने कहा कि देरी से गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि मामला फर्जी है। इसलिए आरोपी की सजा को स्थगित नहीं किया जाए। गौरतलब है कि 13 मई 2008 को शहर में एक के बाद एक आठ जगह ब्लास्ट हुए थे। वहीं चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। विशेष अदालत की ओर से मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने मार्च, 2023 में रद्द कर सरवर आजमी सहित अन्य आरोपियों को बरी किया गया था। वहीं विशेष अदालत के फैसले के करीब आठ माह बाद अभियोजन पक्ष ने जिंदा बम को लेकर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। जिसमें फैसला देते हुए अदालत ने 8 अप्रैल, 2025 को शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

मोतीडूंगरी गणेशजी को गंगाजल अर्पित, कलश यात्रा में गूंजे जयकारे

पुष्य नक्षत्र में आज 251 किलो दूध और पंचामृत से होगा अभिषेक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। छोटी काशी के प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सोमवार से प्रथम पूज्य भगवान गणेश के जन्मोत्सव कार्यक्रमों का आगाज हुआ। जन्मोत्सव के

■ **14 सितंबर को स्वर्ण मुकुट में दर्शन देंगे मोती डूंगरी गणेशजी**

पहले दिन महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं कलश में गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचीं और यह जल प्रथम पूज्य भगवान गणेश को अर्पित किया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर गणपति के जयकारों से गूंज उठा।

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मंदिर के आसपास रहने वाले विभिन्न समाजों के लोगों ने करीब 11 वर्ष पहले भगवान गणेश को अर्पित करने के लिए कलश में गंगाजल लाने की अनुमति ली थी। धीरे-धीरे यह पहल कलश यात्रा का रूप लेती गई। अब हर वर्ष महिलाएं कलश

यात्रा के रूप में गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचती हैं और इसे भगवान गणेश को अर्पित करती हैं। कलश यात्रा से लाए गए गंगाजल से भगवान गणेश का स्नान कराया गया।

इसके बाद विधि-विधान से अभिषेक किया गया। भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक धारण कराई गई और विशेष शृंगार किया गया। पूजा-अर्चना के बाद प्रथम पूज्य को मोदकों का भोग लगाया गया। मंगलवार को पुष्य नक्षत्र में भगवान गणपति का विशेष पंचामृत अभिषेक होगा। इसके लिए 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी का इस्तेमाल किया जाएगा। 14 सितंबर को स्वर्ण मुकुट में मोती डूंगरी गणेशजी के दर्शन होंगे।

कांग्रेस ने रखा जयपुर के कायाकल्प का खाका

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर जयपुर शहर कांग्रेस ने सोमवार को वर्ष 2027 से 2032 तक के लिए अपना घोषणा पत्र 'जयपुर-2032 परिवर्तन का संकल्प' जारी किया। कांग्रेस ने इसे 'मिशन-25' बताते हुए शहर के विकास से जुड़े 25 प्रमुख मुद्दों पर काम करने का रोडमैप पेश किया। इसमें यातायात, जलभराव, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, खेल, पर्यटन, विरासत, सफाई और नगर निगम की वित्तीय व्यवस्था सहित कई क्षेत्रों के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय किए गए हैं।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान और अमीन कागजी ने घोषणा पत्र जारी किया। शर्मा ने कहा कि दस्तावेज को तैयार करने में आर्किटेक्ट, वित्तीय विशेषज्ञ और पत्रकारों समेत विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से सुझाव लिए गए हैं। इसमें प्रत्येक कार्य के लिए समय, बजट और परिणाम की निगरानी पर जोर दिया गया है।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि कांग्रेस ने

■ **वर्ष 2032 तक शहर के हालात बदलने का दावा**

2032 तक सभी 150 वार्डों में सिटी सेंटर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। 2027 में सर्वे कर स्थान चिह्नित किए जाएंगे। हर वार्ड में वार्ड सभा और वार्ड मित्र बनाए जाने का भी वादा किया गया है। हर साल के कार्यों की योजना पहले से तैयार कर काम शुरू और पूरा करने की समय सीमा तय करने की बात कही गई है।वहीं 2028 तक पूरे शहर का वैज्ञानिक जल निकासी मानचित्र तैयार कर 2032 तक प्रमुख जलभराव वाले क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य है। नालों के सुधार, पुलिया पुनर्निर्माण, भूमिगत जल निकासी, वर्षाजल संचयन और प्राकृतिक जलमार्गों के पुनर्जीवन का प्रस्ताव है। 50 प्रमुख मार्गों और 100 चौराहों को आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली से जोड़ने, कैमरे और सेंसर के जरिए जाम की निगरानी की योजना है।

पीएम सूर्यघर योजना के लिए वैंडर्स की कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दें : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में ऊर्जा विभाग की कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पीएम-कुसुम, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, आरडीएसएस, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, केन्द्र सरकार के स्तर पर लंबित प्रकरणों, राइट ऑफ वे मामलों तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त विद्युत संबंधी शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने पीएम सूर्यघर योजना के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए वेंडर्स की क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के माध्यम से अधिक से अधिक वेंडर्स को प्रशिक्षण देने और वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की पहल राजस्थान से हुई : मदन राठौड़

प्रदेश की जनता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बना चुकी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़े बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रही है। राजस्थान की जनता विकास के लिए 'ट्रिपल इंजन की सरकार' बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्थानीय निकायों में भाजपा की सरकार बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा संसाधनों की कमी नहीं रहेगी।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा के पास योग्य और समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। टिकट नहीं मिलने से कहीं नाराजगी या विरोध है तो उसे बातचीत और संगठन के स्तर पर दूर किया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन विरोधी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं होंगी और पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने जंतर-मंतर प्रदर्शन को लेकर भी कहा कि देश और राजस्थान की गौरवशाली परंपराओं को बदनाम करने वालों को

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के वार्ड 110 में जनसंपर्क किया।

कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की पहल की है। स्थानीय निकाय, पंचायत और सहकारिता क्षेत्र के चुनाव एक साथ होने से बार-बार चुनावी प्रक्रिया में लगने वाला समय बचेगा और सरकार व जनप्रतिनिधि विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

राठौड़ ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में जयपुर शहर के विधायकों के साथ बैठक कर प्रस्तावित रोड शो की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने वार्ड 110 की भाजपा प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल, वार्ड 111 के संजय जायसवाल और वार्ड 108 की मीनाक्षी पारीक के समर्थन में जनसंपर्क किया। शाम को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 35 में भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार के समर्थन में धावास रोड स्थित यादव मैरिज गार्डन से रजनी विहार, जगदंबा नगर ए, बी, सी, जगदीशपुरी एवं निर्बाक मंदिर क्षेत्र तक रोड शो किया। इसमें विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। देर शाम वार्ड 137 में भाजपा प्रत्याशी विमल अग्रवाल के समर्थन में भी प्रचार किया।

पीसीबी का मौजूदा खिलाड़ियों के एक बड़े हिस्से पर भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। बोर्ड अब इंग्लैंड में मिली हार को केवल एक खराब दौरे के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि इसे टीम के व्यापक पुनर्निर्माण के मौके के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। - शोएब अख्तर

पूर्व पाक गेंदबाज, पाक टीम में चल रहे विवाद को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

केविन पीटरसन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को 2027 वनडे विश्व कप तक इंग्लैंड की पुरुष सीमित ओवर टीम का विशेषज्ञ मेंटर नियुक्त किया गया है। उनकी पहली जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला सीमित ओवर दौरा होगा, जिसके बाद टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। पीटरसन ने कहा, मुझे बेहद गर्व है कि मुझे दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप जीतने के सफर में इस टीम की मदद करने के लिए कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बडा सम्मान और बेहद खास पल है। पीटरसन मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के कोचिंग दल का हिस्सा होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारत में एशियन गेम्स (एशियाई खेल) अब तक दो बारआयोजित हुए हैं।

राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा 29 सितम्बर को : आरसीए प्रशासक

आरसीए चुनाव को लेकर प्रक्रिया का अधिकारिक नोटिस जारी : ए.के. पांडे

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन के लिए नियुक्त प्रशासक वरिष्ठ आईएएस भास्कर ए सावंत (अतिरक्त मुख्य सचिव गृह विभाग) के निर्देशानुसार आज राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र (एफेडेविट) में दिए गए आरसीए चुनावों की विस्तृत समय सारणी के अनुसार आरसीए की चुनाव प्रक्रिया दिनांक 7 सितम्बर से 29 सितम्बर 2026के दौरान संपन्न किये जायेंगे।

आरसीए प्रशासक द्वारा आज राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा आगामी 29 सितम्बर 2026को आयोजित किये जाने के निर्देश जारी करते हुए चुनाव नोटिस (प्रक्रिया) मय अधिकारिक वोटर लिस्ट व ऑडिटेट अकाउंट की सूचना आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो को ईमेल व स्पीड पोस्ट के माध्यम से जारी किया गया। प्रशासक द्वारा 29 सितम्बर को आरसीए एजीएम आयोजित किये जाने के निर्देश जारी करने के पश्चात आरसीए चुनाव संपन्न कराने हेतु नियुक्त चुनाव अधिकारी ऐ के पांडे - पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त ने आरसीए चुनाव प्रक्रिया को दिनांक 7 सितम्बर से 29 सितम्बर 2026 के दौरान संपन्न करने, चुनाव का नोटिस (प्रक्रिया) मय अधिकारिक वोटर लिस्ट व ऑडिटेट अकाउंट की सूचना आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो को ईमेल व स्पीड पोस्ट के माध्यम से जारी किया गया। चुनाव अधिकारी ने 3 नए जिलों को आरसीए वोटर लिस्ट में शामिल किया है। इनमें खैरथल तिजारा, कुचामन डीडवाना और बालोतरा नए जिलों को शामिल किया गया है।

चुनावी कार्यक्रम के अनुसार- 7 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम जारी करने के साथ जनरल मीटिंग का नोटिस भी जारी किया गया है। इसके बाद सबसे अहम चरण मतदाता सूची को लेकर होगा। 12 से 16 सितंबर तक मतदाता सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। इन आपत्तियों पर 16 से 21 सितंबर तक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष सुनवाई होगी। इसके बाद 23 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। अंतिम सूची सामने आने के बाद राजस्थान क्रिकेट की सियासत में असली जोड़-तोड़ शुरू होने की संभावना है।

24 को नामांकन, 28 तक नाम वापस लेने का मौका

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अगले दिन 24 सितंबर को उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 25 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और इसी दिन पात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। उम्मीदवारों के पास 28 सितंबर तक नाम वापस लेने का मौका रहेगा। ऐसे में चुनाव निर्विरोध नहीं होता और मतदान की स्थिति बनती है तो 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान के साथ ही उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

तीन नए जिले शामिल करने से बढ़े वोटिंग राइट

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अब तक 33 जिला संघ थे। इनके अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव तीन में से कोई भी चुनावी मैदान में उतर सकता था। जबकि सिर्फ सचिव के पास वोटिंग राइट होता था। चुनाव अधिकारी और प्रशासक ने तीन नए जिलों को शामिल कर दिया है। ऐसे में अब 108 लोग फिलहाल आरसीए चुनाव लड़ने योग्य हैं। आरसीए वोटर में 36 जिला सचिव के साथ ही राजस्थान से इंडिया खेलने वाले 2 खिलाड़ी पंकज सिंह और गगन खोड़ा भी वोट दे सकेंगे।

जय शाह के ग्लोबल विजन के तहत भारत बनाम जापान ट्वंटी-20 मैच क्रिकेट विस्तार की बड़ी पहल : सैकिया

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि भारत और जापान के बीच इस महीने होने वाला एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नये दर्शकों को जोड़कर क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में अहम कदम बताया। जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों से पहले भारत और जापान पहली बार 22 सितंबर को जापान में ऐतिहासिक टी20 मैच खेलेंगे। मैच तोचिगी प्रांत के सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर खेला जायेगा।

सुजुकी कप के तहत होने वाला यह मैच भारत और जापान के राजनयिक रिश्तों की 75वीं सालगिरह पर आयोजित किया गया है। सैकिया ने कहा कि क्रिकेट को नये क्षेत्रों में ले जाने के आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के प्रयासों के तहत इस मैच का आयोजन किया गया है। सैकिया ने एक्स पर लिखा ,'' क्रिकेट का वैश्विक सफर उन पलों से आकार ले रहा है जो इस खेल को इसकी पारंपरिक सीमाओं से आगे ले जाते हैं। 22 सितंबर 2026 को होने वाला भारत-जापान टी20 मैच भी ऐसा ही एक पल है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को जापान तक ले जा रहा है, नए दर्शकों से जोड़ रहा है और अपार संभावनाओं वाले इस क्षेत्र में खेल की मौजूदगी को मजबूत कर रहा है।''

उन्होंने आगे लिखा यह श्री जय शाह के उस विजन और जमीनी काम को पहचानने का भी मौका है जो उन्होंने बीसीसीआई सचिव और अब आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट के भविष्य में इसके वैश्विक विकास को सबसे अहम जगह देने के लिए किया है।'' भारत टी20 विश्व कप चैम्पियन और नंबर एक टीम है जबकि जापान आईसीसी टी20 रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि उपकप्तान तिलक वर्मा, स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन भी टीम में हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईशान किशन का तूफानी दोहरा शतक, ईस्ट जोन ने पहली पारी में बनाए 708 रन

चेन्नई, 7 सितंबर। कप्तान ईशान किशन की 270 रन की शानदार पारी और कुमार कुशाग्र के शतक की बदौलत ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। चेपॉक में मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन पर समाप्त हुई। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चेपॉक के मैदान पर यह तीसरा मौका है, जब किसी टीम ने 700 से अधिक रन बनाए हैं।

385 रन पर चार विकेट से आगे खेलने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने दूसरे दिन भी शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए। साउथ जोन ने एक ओवर के बाद ही नई गेंद ले ली, लेकिन मोहम्मद सिराज और एमडी निधीश विकेट हासिल नहीं कर सके। ईशान किशन ने सिराज के ओवर में लगातार चौके लगाकर शुरुआत की और निधीश को भी निशाना बनाया।

कुमार कुशाग्र ने भी उनका साथ दिया और दोनों बल्लेबाजों ने साउथ जोन के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। त्रिपुराना विजय और श्रेयस गोपाल को स्पिन के लिए उतारा गया, लेकिन इसका भी कोई खास असर नहीं हुआ। कुशाग्र ने श्रेयस गोपाल की गेंद पर चौके लगाकर अपना छठा प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह 101 रन बनाकर आउट हुए।

कुशाग्र के आउट होने के बाद भी किशन ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। उन्होंने श्रेयस गोपाल के एक ओवर में तीन चौके जड़े और महज 270 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इसके बाद किशन ने तेजी से 250 रन का आंकड़ा पार किया और टीम को 600 रन के पार पहुंचाया। साउथ जोन को उम्मीद थी कि ईस्ट जोन जल्द पारी घोषित कर देगा, लेकिन किशन के इरादे कुछ और थे। थकान के कारण उन्हें कुछ समय के लिए रिटायर होना पड़ा। बाद में मोहम्मद शमी के 28 रन पर आउट होने के बाद किशन फिर मैदान पर लौटे और दुर्लभ तिहरा शतक पूरा करने की कोशिश की।

दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरने के कारण किशन की तिहरे शतक की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी। वह लॉन्ग ऑन के पास कैच देकर 270 रन पर आउट हुए और 300 रन से 30 रन दूर रह गए। उनकी पारी ने ईस्ट जोन को 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 708 रन के जवाब में साउथ जोन के सामने अब थके हुए गेंदबाजों के बाद चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ईस्ट जोन ने खिताब पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

महिला एशिया कप : पाक कप्तान सना पर जुर्माना

दुबई, 7 सितंबर। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ महिला एशिया कप मुकाबले के दौरान शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा (सेंड ऑफ) करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। फातिमा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के स्तर-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। उन्होंने अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो बल्लेबाज के आउट होने के बाद ऐसे शब्दों, हरकतों या इशारों से संबंधित है, जो उसे अपमानित करें या आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हैं। यह घटना भारत की पारी के दौरान शैफाली वर्मा के आउट होने के बाद हुई। फातिमा ने शैफाली का कैच लेने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया था। यह 24 महीने की अवधि में फातिमा का दूसरा अपराध है। इसके साथ ही उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

आईओए विशेष बैठक में एनएसजीए 2025 के अनुरूप संविधान संशोधनों पर लगाएगा मुहर

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) मंगलवार को यहां होने वाली अपनी आम सभा की विशेष बैठक (एसजीबीएम) में अपने संविधान में राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम (एनएसजीए) 2025 के अनुरूप किए गए बदलावों को मंजूरी देगा। आईओए की कार्यकारी समिति ने 19 अगस्त को यहां हुई बैठक में अपने मौजूदा संविधान में किए गए संशोधनों को मंजूरी दे दी थी। आईओए के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''यह महज औपचारिकता होगी और एसजीबीएम में बदलावों को मंजूरी देने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। बैठक छोटी होगी।'' पता चला है कि आईओए के संशोधित संविधान का शुरुआती मसौदा पहले ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को भेजा जा चुका है। आम सभा आईओए के चुनाव की संभावित तारीख पर भी चर्चा करेगी जो दिसंबर में होने हैं। दिग्गज फर्राटा धाविका पीटी उषा की अगुवाई वाले मौजूदा पदाधिकारियों को 10 दिसंबर 2022 को चार साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था। नए पदाधिकारियों के चुनाव से पहले खिलाड़ी आयोग का पुनर्गठन करना होगा और 'स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ मेरिट' का चयन करना होगा जिससे कि वे पदाधिकारियों के चुनाव के लिए आम सभा के मतदान करने वाले सदस्य बन सकें। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के अनुरूप खुद को ढालने के लिए आईओए के सामने कुछ पेचीदा मुद्दे हैं जिनमें उम्र और कार्यकाल से जुड़े दिशानिर्देश भी शामिल हैं। सरकार ने इसे जनवरी में अधिसूचित किया था। आईओए के मौजूदा संविधान के अनुसार चुनाव की तारीख तक 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुका कोई सदस्य पदाधिकारी के किसी पद के लिए पात्र नहीं है। हालांकि एनएसजीए के तहत 70 से 75 वर्ष की आयु वाला व्यक्ति भी चुनाव लड़ सकता है या नामांकन मांग सकता है, बशर्ते अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियम इसकी अनुमति देते हों। आईओए के संविधान में यह भी प्रावधान है कि कोई सदस्य लगातार दो कार्यकाल से अधिक समय तक पदाधिकारी के एक या अधिक पद पर नहीं रह सकता।

यूएस ओपन : अल्काराज ने टॉमी पॉल को हराया

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्काराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है। टॉमी पॉल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। अल्कराज ने कहा, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टॉमी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं।

अरुणाचल प्रदेश से 3-1 से हारी राजस्थान टीम

नारायणपुर, 7 सितम्बर। नारायणपुर में आयोजित जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप ट्रॉफी में राजस्थान की टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश की मजबूत टीम के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, पूरी प्रतियोगिता में राजस्थान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। लंबे समय के बाद राजस्थान की टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत से ही अरुणाचल प्रदेश की टीम ने राजस्थान पर लगातार आक्रमण किए। राजस्थान की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने शानदार बचाव करते हुए कई हमलों को नाकाम किया। इसके बावजूद मैच के 16वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश की टीम ने पहला गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी आक्रामक खेल दिखाया और लगातार हमले किए। मैच के 26वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश ने एक और गोल कर अपनी बढ़त 2-0 कर ली। राजस्थान ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए मैच के 45वें मिनट में हर्षवर्धन ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर लगातार हमले किए। मुकाबला काफी रोमांचक रहा। इसी दौरान अरुणाचल प्रदेश की टीम ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने कई जोरदार हमले किए, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिल सकी।

अंततः राजस्थान टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा और उसका प्रतियोगिता में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। लंबे समय बाद सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली राजस्थान टीम के सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

फीफा चुनाव 2027 बना जियानी इन्फेंटिनो के लिए अग्निपरीक्षा, घटते समर्थन और कानूनी लड़ाईयों के बीच पेश की दावेदारी

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर अब काफी हद तक विराम लगता दिख रहा है। नेतृत्व को लेकर बढ़ती आलोचना और संभावित कानूनी कार्रवाई के बीच इन्फेंटिनो ने साफ कर दिया है कि वह अगले साल होने वाले फीफा अध्यक्ष पद के चुनाव में फिर से अपनी दावेदारी पेश करेंगे। फीफा ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उनके चुनाव लड़ने की योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फीफा के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि इन्फेंटिनो 2027 में अध्यक्ष पद के लिए दोबारा चुनाव लड़ेंगे। इससे कुछ घंटे पहले ही पोलैंड में अंडर-20 महिला विश्व कप के दौरान इन्फेंटिनो से उनके राजनीतिक और संगठनात्मक भविष्य को लेकर सवाल पूछे गए थे, लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर कोई जवाब देने से परहेज किया था। बता दें कि 56 वर्षीय जियानी इन्फेंटिनो ने इसी साल अप्रैल में ही 2027 के चुनाव में दोबारा उतरने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, पिछले कुछ समय में फीफा के भीतर और उसके बाहर उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ा है। खास तौर पर विश्व कप से जुड़े कमर्शियल अधिकारों को निजी निवेशकों को देने की उनकी योजना को लेकर कई फुटबॉल संगठनों और आलोचकों ने सवाल उठाए हैं। इन्फेंटिनो ने कहा कि इस विषय पर बहुत कुछ कहने को है, लेकिन उसके लिए सही जगह और सही समय होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उस दिन उनका ध्यान फुटबॉल पर था और फीफा दुनिया के हर हिस्से को फुटबॉल में भाग लेने का अवसर देने के लिए काम करता रहेगा।

जिला क्रिकेट संघ दौसा : अंडर-19 टीम दौसा ने चित्तौड़गढ़ को 109 रनों से हराया

जयपुर, 7 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा अंडर-19 टीम के लीग मैच का आखिरी पांचवा मुकाबला आज जयपुर में लक्ष्य क्रिकेट ग्राउंड पर चित्तौड़गढ़ से हुआ जिसमें दौसा ने 109 रनों से जीत दर्ज की है दौसा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर निर्धारित 50 ओवर में 212 रन बनाएं दौसा की ओर से योगेश सैनी ने दोबारा लगातार अर्धशतक लगाया योगेश सैनी ने 66 रनों की पारी खेली, लक्ष्य का पीछा करते हुए चित्तौड़गढ़ की टीम महज 30 ओवर में 106 रन पर ऑल आउट हो गई और दौसा टीम के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की आदित्य भट्ट ने चार विकेट लिए योगेश मेरोठा ने 3 विकेट और कप्तान जतिन सैनी ने दो विकेट लिए और अविनेश गुप्ता ने एक विकेट लिया और दौसा टीम ने यह मुकाबला 106 रनों से जीत लिया। इससे पूर्व दौसा का चौथा मैच बारिश से बाधित हुआ। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा जिले में जिले के ही मूलनिवासी खिलाड़ियों को ही खिलाया जा रहा है हमने कोई प्रोफेशनल खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल नहीं किया है इनको तीन साल से खूब मौके दिए जा रहे।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी : दौसा, बांसवाड़ा, सिरोही, झुंझुनूं, अलवर, अजमेर जीती

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी व राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी (दौसा, बांसवाड़ा, सिरोही, जालोर, अलवर, अजमेर जीती), अजमेर - चूरू मैच (अजमेर जीती), करौली - बांसवाड़ा मैच (बांसवाड़ा जीती), सिरोही - डूंगरपुर मैच (सिरोही जीती), बारां - अलवर मैच (अलवर जीती), दौसा - चित्तोड़ मैच (दौसा जीती), जालोर - पाली मैच (जालोर मैच), बूंदी - बीकानेर मैच (बीकानेर जीती), झुंझनू-राजसमंद (झुंझनू जीती)।

किशन एम. रूंगटा मेमोरियल गोल्फ में पुष्पेंद्र राठौर विजेता, डॉ. देवेंद्र उप विजेता

जयपुर, 7 सितम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित मासिक मेडल आठवें संस्करण के किशन एम रूंगटा मेमोरियल गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने 0 से 09 हैंडीकैप वर्ग में 37 अंक प्राप्त कर उप विजेता बने। वहीं इसी वर्ग में पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ 38 अंकों के साथ विजेता बने। 10 से 16 हैंडिकैप्ड संवर्ग में विनोद कुमार शर्मा विजेता और प्रियांशु मॉडगिल उपविजेता रहे। अन्य हैंडिकैप्ड संवर्ग 17 से 24 में विजेता गौरव भल्ला और अनुज लोहारिया विजेता बने। प्रो ग्रॉस विनर श्रेणी में मनोविराज शेखावत विजेता व गिरिराज खड़का उपविजेता रहे। एमेच्योर ग्रॉस विजेता कृष यादव और उप विजेता दीप करण सिंह रहे। टूर्नामेंट में बेस्ट लीजेंड गोल्फर श्रेणी में डॉ एच एस भसीन, बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में सतीश राजोरिया, बेस्ट लेडी गोल्फर में ईवा सोनी विजेता रहे।

डूरंड कप चैम्पियन ईस्ट बंगाल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सौंपी प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी

नई दिल्ली, 7 सितंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में डूरंड कप-2026 की विजेता टीम ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को प्रेसिडेंट्स कप की ट्रॉफी सौंपी। ईस्ट बंगाल ने अगस्त में खेले गए 135वें डूरंड कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह ईस्ट बंगाल का डूरंड कप में 17वां खिताब था। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने सबसे ज्यादा डूरंड कप खिताब जीतने के मामले में मोहन बागान की बराबरी कर ली।

डिफेंडिंग चैम्पियन हनुमानगढ़ को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जयपुर बना राजस्थान का नया राज्य चैम्पियन

चूरू, 7 सितम्बर। राजस्थान राज्य सब-जूनियर बालक फुटबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में जयपुर जिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन डीएफए हनुमानगढ़ को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर राजस्थान का नया राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और निर्धारित समय तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। मुकाबला 0-0 पर समाप्त होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। जयपुर की ओर से गीतांश, श्रीवत्स, स्वस्तिक और राघव ने अपनी पेनल्टी को गोल में बदलते हुए टीम को 4-3 से जीत दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में नव्या मित्तल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हनुमानगढ़ की दो पेनल्टी बचाईं, जो जयपुर की खिताबी जीत में निर्णायक साबित हुईं। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पूरे टूर्नामेंट में जयपुर के मुख्य गोलकीपर आरव ने सभी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन गोलकीपिंग के लिए उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर चुना गया। जयपुर ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाया, जो टीम की मजबूत डिफेंस और गोलकीपिंग का प्रमाण है। इस ऐतिहासिक अभियान में मुख्य प्रशिक्षक हर्ष चौधरी के नेतृत्व और रणनीतिक योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। क्वार्टरफाइनल में कोटा और सेमीफाइनल में अजमेर को हराने के बाद जयपुर ने फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन हनुमानगढ़ को मात देकर खिताब अपने नाम किया। टीम के सफल अभियान में टीम मैनेजर जीवन थापा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जयपुर टीम की सिलेक्शन कमेटी में सतीश जांगिड़ और हितेश शर्मा महत्वपूर्ण सदस्य रहे। सतीश जांगिड़ राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के टेक्निकल डायरेक्टर हैं और राजस्थान में फुटबॉल के विकास तथा खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं हितेश शर्मा अपने खेल के समय के शानदार और अनुभवी फुटबॉलर रहे हैं। उनका लंबा खेल अनुभव और तकनीकी समझ युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा का आकलन करने में महत्वपूर्ण रही।

जयपुर की इस शानदार उपलब्धि पर जयपुर के सीनियर खिलाड़ियों ने पूरी टीम को बधाई दी और खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ के प्रदर्शन की सराहना की। जयपुर ने शानदार टीमवर्क, अनुशासन और जीत की मानसिकता के साथ पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान राज्य सब-जूनियर फुटबॉल का खिताब अपने नाम किया।

आरपीसी कप के फाइनल में टीम जयपुर रही विजेता, नाइट पोलो देखने उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़

जयपुर, 7 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत सोमवार रात को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का फाइनल खेला गया। यह मुकाबला फ्लडलाइट्स की रोशनी में टीम जयपुर और टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के बीच आयोजित हुआ। मुकाबले में टीम जयपुर 11-6 के स्कोर से टीम रामबाग/मेफेयर पोलो को हराकर टूर्नामेंट की विजेता बनी। नाइट पोलो को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। राजस्थान पोलो क्लब में मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पद्मनाभ सिंह ने कहा कि ''आज नाइट पोलो मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़े, जो लोगों के बीच पोलो के खेल की लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को नाइट पोलो मैच आयोजित किए जाएंगे।'' विजेता टीम जयपुर से पद्मनाभ सिंह ने 6 गोल, कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल और विश्वराज सिंह राठौड़ ने 2 गोल हासिल किए। टीम से अक्षय मलिक भी खेले। वहीं, टीम रामबाग/मेफेयर पोलो की ओर से हुर्र अली ने 3 गोल, प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल और सिद्धांत सिंह ने 1 गोल किया। टीम में अनय शाह भी शामिल रहे।

आरपीसी कप-(4 गोल्स)के लिए आज से शुरु होंगे मुकाबले- सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत मंगलवार से सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप- (4 गोल्स) की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट के पहले मैच 8 सितंबर, मंगलवार को पीपीसी ग्राउंड न. 3 पर खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम 4 बजे टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट के बीच होगा। वहीं, दूसरा मुकाबला शाम 5 बजे टीम वी पोलो और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेला जाएगा।

मुख्यमंत्री के अलवर-भरतपुर रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी

कांग्रेस की तरह समय खराब नहीं किया, दो माह में निकाय-पंचायत चुनाव हो जाएंगे- भजनलाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 7 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर और भरतपुर में नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया।

बाजारों से जब मुख्यमंत्री का काफिला निकला तो लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने "वन स्टेट-वन इलेक्शन" को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और भाजपा के कार्यकाल की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 2 माह में निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे, हमने कांग्रेस की तरह जनता का समय खराब नहीं किया।

अलवर में हैलीपेड पर केन्द्रीय मन्त्री भूपेन्द्र यादव, वन मंत्री संजय शर्मा, पूर्व सांसद डॉ. कर्ण सिंह यादव व अन्य नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने शहर के प्रमुख मंदिर श्री जगन्नाथजी महाराज के चरणों में पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने शहर में एक रोड शो निकाला।

मुख्यमंत्री का काफिला जब अलवर के प्रमुख बाजारों से गुजरा तो लोगों ने फूल बरसाए। इसी दौरान वन राज्य मंत्री की अचानक तबियत खराब हो गई, जिसके चलते वे कुछ समय के लिए गाड़ी में ही बैठ गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर के प्रमुख बाजारों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया।

■ **दोनों शहरों के प्रमुख मार्गों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो के दौरान लोगों ने फूल बरसा के स्वागत किया।**

इसी तरह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर में नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो निकाला। यहाँ भी मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में आमजन उमड़े और जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

रोड शो के बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली तथा सभी से एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशियों को जिताने एवं सभी निकायों में भाजपा का बोर्ड बनाने का आव्हान किया।

जर्मनी के चुनाव में "नैशनलिज़्म" की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कहते हैं कि नाज़ी दौर से उनका कोई लेना-देना नहीं है। आज के जर्मनों को अपराधबोध और अपने देश को लेकर शर्म की भावना से दबे रहने की जरूरत नहीं है।

जीतने वाली पार्टी के नेता ने कहा है कि "नैशनल प्राइड दुनिया की सबसे सामान्य चीज है" और यह भावना जर्मनी में वापस आनी चाहिए।

इस जीत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पहली बार किसी कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी ने ऐसी जीत हासिल की है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी की राजनीति की पूरी बुनियाद की बुराई करती है और उसे गलत साबित करती है।

जर्मनी की मुख्यधारा की सभी राजनीतिक पार्टियों ने 1930 के दशक के जर्मन इतिहास, नाज़ी शासन और उसकी नीतियों की स्पष्ट रूप से निंदा की है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी की मुख्यधारा की राजनीति पर राष्ट्रीय अपराधबोध की भावना हावी रही, जो राष्ट्रीय गौरव को नकारने जैसा था।

एएफडी इन सभी से इनकार करती है और कहती है कि राष्ट्रीय गौरव जायज़ है और देश की पहचान का जरूरी हिस्सा है। बीबीसी ने सैक्सोनी-आनहाल्ट में पार्टी के एक समर्थक के हवाले से कहा, जर्मनी विचारकों और कवियों का देश है। इसलिए नाज़ी दौर के नरसंहार और युद्ध के इतिहास को लेकर शर्म से दबे रहने की कोई जरूरत नहीं है।

प्रैक्टीकल पॉलिटिक्स में एएफडी "जर्मनी जर्मनों के लिए" थीम के साथ "रीमाइग्रेशन" की एक नई सरकारी पॉलिसी का प्रस्ताव कर रही है। राजनेता यह सोच रहे हैं कि क्या इसका मतलब बड़े पैमाने पर लोगों को देश से बाहर भेजना है। यह जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल की नीतियों को पलटने का संकेत है। मर्केल ने सीरिया में युद्ध से भाग रहे शरणार्थियों के लिए जर्मनी की सीमाएं खोल दी थीं।

मर्केल का फैसला वास्तव में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से चली आ रही जर्मनी की उदार प्रवासन नीति की ही एक कड़ी था।

युद्ध ने जर्मनी की काम करने की उम्र वाली आबादी के एक बड़े हिस्से को खत्म कर दिया था। युद्ध के बाद की सरकारों ने काम करने के लिए लोगों को, खास तौर पर तुर्की से, बड़ी संख्या में आने की अनुमति दी थी। इन लोगों को "गेस्ट वर्कर", यानी अतिथि श्रमिक कहा जाता था। इनमें से बहुत से अतिथि श्रमिक और उनके बच्चे जर्मन समाज में घुल-मिल गए।

इस संवाददाता को 1984 में पूर्वी जर्मनी के कई क्षेत्रों की अपनी यात्रा याद है। यह यात्रा कई महीनों तक चले एक स्टडी प्रोग्राम और पश्चिम बर्लिन में रहने के दौरान की गई थी। उस समय का पूर्वी जर्मनी, जो पूर्व सोवियत संघ के कम्युनिस्ट शासन के अधीन था, पश्चिमी जर्मनी की तुलना में निश्चित रूप से एक जर्जर, गरीब और बदहाल देश लगता था।

बाद में कई बार, इस देश की यात्रा के दौरान, जो अब एकजुट जर्मनी बन चुका था, इस संवाददाता ने एक नई वास्तविकता देखी। पूर्वी जर्मनी के वे लोग जो कभी समृद्ध और अधिक स्वतंत्र पश्चिमी हिस्से में जाने की कोशिश करते रहते थे, अब पुरानी यादों में जी रहे थे। पूर्वी जर्मनी के लोगों को ऐसा महसूस होने लगा था कि उनके साथ दूसरे दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार हो रहा है। वे लोग पूर्वी जर्मनी के उन दिनों को याद कर रहे थे, जब ज़िंदगी ज्यादा सुरक्षित थी, भले ही वे उतने अमीर नहीं थे।

इस संवाददाता को दिल्ली में पूर्वी जर्मनी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक जर्मन राजनयिक मित्र की भी याद है। जब पूर्वी जर्मनी में उनके गृह नगर में उनसे मुलाकात हुई, तो मैंने उन्हें बहुत साधारण और आर्थिक तंगी वाली जिंदगी जीते हुए पाया। इसके मुकाबले दिल्ली में उनके पास एक बड़ा बंगला, कई कर्मचारी और राजनयिक कार थी।

अपने देश में वे लगातार हो रही बारिश से बचने के लिए सिर्फ एक छाता रख सकते थे और आने-जाने के लिए यू-बान, यानी भूमिगत मेट्रो का इस्तेमाल करते थे। एक स्थानीय कंपनी में छोटी-सी नौकरी से उनका गुजारा चलता था।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पूर्वी जर्मनी के लोग अब ए.एफ.डी. पार्टी को सत्ता में ला रहे हैं। यह आम जर्मन लोगों की तरफ से नौकरी, जीवन और अपनी मूल जर्मन पहचान को बनाए रखने की कोशिश है।

'लगता है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थगित कर दिया। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि नई प्रक्रिया पूरी होने तक खनन की कोई नई अनुमति या मौजूदा पट्टों का नवीनीकरण नहीं किया जाए।

उच्चस्तरीय समिति का गठन मई में कहीं ज्यादा व्यापक जिम्मेदारियों के साथ किया गया था। उसे अरावली के पूरे क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करने, एक समान परिभाषा सुझाने और खनन तथा विकास कार्यों के पर्यावरणीय और अन्य प्रभावों का आकलन करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

समिति ने 28 फरवरी 2027 तक का समय मांगा था। उसका कहना था कि इस काम के लिए अतिरिक्त आंकड़ों, क्षेत्र में जाकर उनकी पुष्टि करने, विशेष विश्लेषण क्षमता और विशेषज्ञों की राय की जरूरत है।

राहुल गांधी ने राज्यों के प्रभारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अधिकार मिलने पर वे उसी तरह की गुटबाजी को नियंत्रित कर सकते हैं, जिसका उन्हें खुद सामना करना पड़ा था।

पंजाब से जुड़ा एक और दिलचस्प पहलू है। पायलट के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ लंबे समय से अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। 2021 में अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद, घटनाओं की एक ऐसी श्रृंखला शुरू हुई, जिसके अंत में चन्नी मुख्यमंत्री बने और 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई।

अमरिंदर अब कांग्रेस में नहीं हैं, इसलिए उनके साथ पायलट के संबंध से संगठन के स्तर पर पायलट को सीधे बहुत फायदा नहीं मिलेगा। अगर पायलट की जिम्मेदारी एक परीक्षा है, तो रणदीप सिंह सुरजेवाला की जिम्मेदारी भरोसे का प्रमाण है। सुरजेवाला उस समय एआईसीसी के प्रभारी थे, जब कांग्रेस ने 2023 में कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से 135 सीटें जीती थीं। इस जीत के बाद मुख्यमंत्री चुनने का मुश्किल सवाल सामने आया था कि सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार में से किसे मुख्यमंत्री बनाया जाए। तीन साल बाद दूसरा और उससे भी ज्यादा संवेदनशील बदलाव तब हुआ, जब सिद्धारमैया ने पद छोड़ा और शिवकुमार ने इस साल 3 जून को मुख्यमंत्री पद संभाला। सुरजेवाला इस बदलाव को संभालने में भी गहराई से शामिल थे। इसी रिकॉर्ड से समझ आता है कि हाईकमान ने उन्हें कर्नाटक से नहीं हटाया और उनके पास गुजरात की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दे दी।

गुजरात में सुरजेवाला की जिम्मेदारी कर्नाटक से काफी अलग है। उन्हें 2027 के चुनाव से पहले कमजोर राज्य संगठन को ऐसी स्थिति में लाना है, जिससे वह संभावित सरकार की तरह दिखाई दे। बघेल का पंजाब से असम जाना अलग तरीके से देखा जाना चाहिए।

बघेल ने असम के लगातार दो विधानसभा चुनावों में काम किया है। 2021 में उनकी छत्तीसगढ़ टीम को बूथ स्तर की तैयारियों और संगठनात्मक प्रशिक्षण के लिए बड़े पैमाने पर लगाया गया था। 2026 में वे कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों में से एक के रूप में फिर असम गए। अब प्रभारी महासचिव के रूप में उनकी नियुक्ति से उन्हें उस संगठन की औपचारिक जिम्मेदारी मिल गई है, जिसे वह पहले से जानते हैं। इससे असम में प्रियंका की भूमिका भी मजबूत होती है।

छत्तीसगढ़ के नए प्रभारी सुखदेव भगत झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी और आदिवासी नेता हैं। वे वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लोहरदगा लोकसभा सीट से सांसद हैं। झारखंड से एक आदिवासी नेता को आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ भेजना कोई संयोग नहीं है। यह आदिवासी प्रतिनिधित्व पर राहुल के व्यापक जोर के अनुरूप है। सिरीवेल्ला प्रसाद की महाराष्ट्र में नियुक्ति ज्यादा चौंकाने वाली है।

आंध्र प्रदेश के इस नेता ने तमिलनाडु और झारखंड समेत कई राज्यों में एआईसीसी सचिव और सह-प्रभारी के रूप में काम किया है, लेकिन महाराष्ट्र उनके लिए राजनीतिक रूप से काफी बड़ी जिम्मेदारी है। प्रसाद महाराष्ट्र की स्थानीय गुटबाजी से जुड़े नहीं हैं, जो उनके लिए फायदे की बात हो सकती है। वे किसी मौजूदा गुट का हिस्सा बने बिना हाईकमान के प्रतिनिधि के रूप में काम कर सकते हैं। पी.वी. मोहन का आंध्र प्रदेश जाना भी इसी तरह की स्थिति दिखाता है। आंध्र प्रदेश में मोहन को एक अलग तरह की जिम्मेदारी मिली है। महाराष्ट्र के विपरीत, वहां कांग्रेस के बहुत कम बड़े नेताओं को संभालने की जरूरत है। समस्या यह है कि संभालने के लिए संगठन ही लगभग नहीं बचा है। मोहन के लिए काम लगभग शून्य से संगठन को फिर खड़ा करने का है।

यह फेरबदल दिखाता है कि कांग्रेस अब अपनी संगठनात्मक टीम को किस नजर से देख रही है। पायलट को एक परीक्षा दी गई है, सुरजेवाला को बड़े भरोसे का संकेत मिला है और बघेल को नई शुरुआत का मौका दिया गया है, जबकि भगत, प्रसाद और मोहन को बड़ी जिम्मेदारियों की ओर आगे बढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन सभी नेताओं की वास्तविक उपयोगिता इस बात पर निर्भर करेगी कि हाईकमान उन्हें कितनी स्वतंत्रता और अधिकार देने के लिए तैयार है।

राहुल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी दौरे की तैयारियां चल रही थीं और बघेल इन तैयारियों की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे थे। लेकिन अब उन्हें हटा कर हाईकमान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतिम फैसला लेने का अधिकार केवल उसी के पास है। इस कदम से चन्नी खेमे को यह संदेश भी दिया गया है कि बर्दाश्त करने की एक सीमा होती है तथा इसलिये उसकी हर बात को अनिश्चित समय तक सहन नहीं किया जाएगा। बघेल को हटाकर हाईकमान ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि राजा वड़िंग का पद भी अब पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इससे ये अटकलें शुरू हो गई हैं कि क्या राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले एक और बड़ा फेरबदल हो सकता है? पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह संभव है कि राजा वड़िंग को दिल्ली बुलाया जाए और वहां उन्हें कोई विशेष जिम्मेदारी दे दी जाए।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/21 (संविदा पद)		
पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.08.2026 तक)
		अधिकतम
ग्रुप सीआईएसओ (मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी)	1	57 वर्ष

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/ post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 04.09.2026 से 24.09.2026 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04.09.2026 — **महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालयः**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालयः**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालयः**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालयः**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालयः** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908